28 जुलाई, 2025
श्रावण, शुक्ल पक्ष, चतुर्थी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
सोमवार, वर्ष 10, अंक 278

* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा

चाइबासा में नक्सलियों के 35 लाख बरामद

मीडिया मार्केटिंग इनिशिएटिव

बाबा बैद्यनाथधाम-बासुकीनाथ तीर्थ क्षेत्र विकास प्राधिकार
(कार्यालय, बाबा बैद्यनाथ मंदिर, देवघर)

सावन को सोमवार आत्मिक जागरण, प्रकृति से जुड़ाव और अध्यात्यामिक ऊर्जा से अपने को भरने का पावन अवसर है

सावन का सोमवार सनातन धर्म में विशेष महत्व रखता है। यह न केवल श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक है, बल्कि मन, शरीर और आत्मा की शुद्धि का भी अवसर प्रदान करता है। सावन मास भगवान शिव को समर्पित है और सोमवार का दिन विशेष रूप से शिवजी को प्रिय माना जाता है। इस महीने के प्रत्येक सोमवार को भक्तगण उपवास रखते हैं, जलाभिषेक करते हैं और 'ॐ नमः शिवाय' का जप कर शिव कृपा की कामना करते हैं।

इस दिन देशभर के शिवालयों में भक्तों की भीड़ उमड़ती है। मंदिरों में बेलपत्र, धतूरा, आक, गंगाजल और दूध से शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है। कांवड़ यात्रा का विशेष महत्व भी इसी महीने में देखने को मिलता है, जब लाखों कांवड़िए गंगाजल लेकर शिवधाम पहुंचते हैं और भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं।

सावन सोमवार व्रत विशेष रूप से कुंवारी कन्याएं अच्छे वर की प्राप्ति के लिए और विवाहित महिलाएं सुखमय वैवाहिक जीवन के लिए रखती हैं। इस दिन व्रत रखने से मनोकामनाओं की पूर्ति और पापों से मुक्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

पौराणिक मान्यता के अनुसार, समुद्र मंथन के समय जब विष निकला तो उसे भगवान शिव ने पी लिया था। यह घटना सावन माह में हुई थी, इसलिए इस महीने में शिव की पूजा और उपवास का विशेष महत्व है।

आधुनिक दौर में भी यह परंपरा पूरी श्रद्धा से निभाई जाती है सोशल मीडिया पर 'हर हर महादेव' की गूंज सुनाई देती है, और हर घर में शिवभक्ति की सुगंध फैलती है। सावन का सोमवार केवल व्रत का दिन नहीं, बल्कि आत्मिक जागरण, प्रकृति से जुड़ाव और आध्यात्मिक ऊर्जा से भरने का पावन अवसर है।

श्रावणी मेला

कांवड़ यात्रा

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार, भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग पर गंगा जल या पवित्र जल अर्पित करने की परंपरा को कांवड़ यात्रा कहते है। यह जल पवित्र स्थान से अपने कंधे पर लाकर भगवान शिव को सावन के महीने में अर्पित किया जाता है। कांवड़ यात्रा के दौरान हर भक्त बोल-बम के नारे लगाते हुए पैदल यात्रा करते हैं। मान्यता के अनुसार, कांवड़ यात्रा करने वाले भक्तो को अश्वमेध यज्ञ जितना फल प्राप्त होता है।

कांवड़ यात्रा का इतिहास

पौराणिक मान्यता के अनुसार, भगवान शिव के परम भक्त परशुराम ने सबसे पहले सावन मास में कांवड़ यात्रा की शुरुआत की थी। कहा जाता है कि तभी से संतों और ऋषियों के द्वारा की जाती रही। बाद में कांवड़ यात्रा को भक्तों द्वारा विशेष तौर पर मनाया जाने लगा। कांवड़ यात्रा मुख्य तौर पर सावन के महीने में मनाया जाता है। कांवड़ यात्रा में पुरुष ही नहीं बल्कि महिला भक्त भी कांधे पर कांवड़ लेकर भोलेनाथ के द्वार जाती है।

कांवड़ यात्रा का महत्व

कांवड़ यात्रा बेहद पवित्र और कठिन मानी जाती है। जो कि पूरे भारत में विशेष रूप से उत्तर भारत में विभिन्न स्थानों से कांवरिया भक्त पवित्र नदियों से जल भरकर शिवजी को चढ़ाते हैं। कांवड़ में गंगाजल भरने से पहले कांवड़ की पूजा की जाती है। उसके बाद पवित्र पात्र में गंगाजल भरकर शिवालय पहुंचा जाता है। कांवड़ यात्रा के दौरान भक्त शिव के भजन और नचारी गाते हुए शिव मंदिर पहुंचकर वहां शिवजी का गंगाजल से अभिषेक करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि कांवड़ यात्रा से भक्तों की मुरादें पूरी होती हैं।

पुलिस विभाग के महत्वपूर्ण मोबाइल नंबर

एसपी अजीत पीटर डुंगडुंग	9470591079
डीएसपी मुख्यालय वेंकटेश प्रसाद	9470591068
डीएसपी सीसी आर लक्ष्मण प्रसाद	9431137632
डीएसपी साइबर राजा मित्रा	9798302117
एसडीपीओ, देवघर अशोक कुमार	9470591066
मधुपुर एसडीपीओ सत्येंद प्रसाद	9470591067
सारठ एसडीपीओ, रंजीत कुमार लकड़ा	9798302235
नगर इंस्पेक्टर	9470591062
सदर इंस्पेक्टर	9470591063
सारवां इंस्पेक्टर	9431137633
मधुपुर इंस्पेक्टर	9470591064
पालोजोरी इंस्पेक्टर	9470591065
नगर थाना प्रभारी	9470591051
यातायात थाना प्रभारी देवघर	9693170832
कुंडा थाना प्रभारी	9470591051
मोहनपुर थाना प्रभारी	9470591053
सोनारायठाढ़ी थाना प्रभारी	9470591055
जसीडीह थाना प्रभारी	9470591052
बाबा मंदिर थाना प्रभारी	9431137947
साइबर थाना प्रभारी	9798302205
रिखिया थाना प्रभारी	9798302115
देवीपुर थाना प्रभारी	9431137631
सारवां थाना प्रभारी	9470591054
मधुपुर थाना प्रभारी	9470591056
करौ थाना प्रभारी	9470591057
मारगोमुंडा थाना प्रभारी	9798302132
बुढ़ेई थाना प्रभारी	9798302213
पाथरौल थाना प्रभारी	9798302105
पालोजोरी थाना प्रभारी	9470591059
सारठ थाना प्रभारी	9470591058
चितरा थाना प्रभारी	9470591060
खागा थाना प्रभारी	9798302085
पथरड्डा ओपी प्रभारी	9798302219

स्वच्छता और विनम्रता के साथ देवतुल्य श्रद्धालुओं को मिल रही विश्वस्तरीय सुविधाएं

V-COUNT मशीन द्वारा श्राद्धालुओं की गिनती की व्यवस्था

माइक्रोसॉफ्ट कायजाला ऐप के द्वारा दंडाधिकारियों के उपस्थिति का उचित अनुश्रवण व निगरानी की व्यवस्था

शिवगंगा एवं जलसार सरोवर में लेजर शो के माध्यम से श्रद्धालुओं को दिखाया जा रहा बाबा मंदिर से जुड़ा इतिहास.

शिवलोक परिसर में श्रद्धालुओं हेतु प्रदर्शनी के माध्यम से भगवान शिव का इतिहास, शिव महिमा, कथावाचन व भजन संध्या का प्रतिदिनआयोजन

शीघ्र दर्शनम हेतु स्मार्ट कार्ड द्वारा सुलभ जलार्पण की व्यवस्था

बैद्यनाथ एप्प द्वारा क्युलाईन की निगरानी

वायु गुणवत्ता एवं विद्युत ताप सूचक यंत्र का प्रयोग

क्यू आर कोड स्कैन करें एवं श्रावणी मेला एप डाउनलोड करें

जी.पी.एस. युक्त एम्बुलेंस का प्रयोग

ड्रोन एवं सी.सी.टी.वी. कैमरा द्वारा संपूर्ण मेला क्षेत्र की निगरानी

पत्रांक 255, दिनांक 10.07.2025

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
200000 Subscribers
YouTube Channel
Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

झारखंड की कोख को छलनी कर रहा है अवैध कोयला खनन

■ अवैध खदानों में पांच वर्षों में सात सौ से अधिक लोग गंवा चुके हैं जान

■ हर साल एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का है यह पूरा काला कारोबार

■ स्थानीय दबंग, माफिया और अपराधी चलाते हैं अवैध खनन का नेटवर्क

झारखंड में कोयले का अवैध खनन और फिर तस्करी का इतिहास कई दशक पुराना है। आज यह अवैध कारोबार इतना फैल चुका है कि इस पर नियंत्रण के तमाम उपाय नाकाफी साबित हो रहे हैं। कोयले के इस अवैध कारोबार का आकार हर साल एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का हो गया है। अवैध खनन के बाद कोयले को खुलेआम सड़क मार्ग के जरिये ढोया जा रहा है। इस गोरखधंधे को रोकने का जिम्मा जिन एजेंसियों के पास है, वे अब निष्प्रभावी साबित हो गयी हैं। सबसे दुखद स्थिति यह है कि अवैध कोयला खनन के दौरान यदि कोई हादसा होता है, तो प्रभावित परिवारों को न तो कोई राहत मिलती है और न कोई मुआवजा। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि झारखंड में पिछले पांच वर्षों के दौरान सात सौ से अधिक लोगों की जान अवैध खदानों में जा चुकी है। इसके बावजूद यह कारोबार बिना किसी रुकावट से फल-फूल रहा है। सुरक्षा एजेंसियों की मौन के कारण न अवैध खनन रुक रहा है और न ढुलाई पर अंकुश लग पा रहा है। इस पूरे नेटवर्क को स्थानीय दबंग, माफिया और अपराधी गिरोह संचालित करते हैं और खादी-खाकी का सहयोग उन्हें मिलता रहता है। कोयले का सबसे ज्यादा अवैध खनन कोयला कंपनियों की बंद और खुली छोड़ खदानों से होता है। इसके अलावा बंद मुहानों को फिर से खोदकर भी कोयले का अवैध खनन किया जाता है। अवैध खनन में तस्कर बाकायदा मजदूरों को भी दिहाड़ी में बहाल करते हैं। क्या है झारखंड में कोयले के अवैध खनन और कारोबार का पूरा अर्थशास्त्र, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

आजाद सिपाही विशेष

राकेश सिंह

झारखंड के अलग-अलग जिलों में अवस्थित कोलियरी क्षेत्र से कोयले का अवैध खनन और फिर इसका परिवहन नयी बात नहीं है। यह अवैध धंधा पिछले पांच दशक से फलता-फूलता रहा है। हाल के दिनों में इस ओर लोगों का ध्यान गया है, क्योंकि पहले रामगढ़ के करमा और फिर धनबाद के केसरगढ़ में अवैध खनन के दौरान हुए हादसे में कई लोगों की मौत हो गयी।

छोटे स्तर पर हुई शुरुआत

झारखंड में कोयले के अवैध खनन की शुरुआत छोटे स्तर पर हुई, लेकिन धीरे-धीरे इसका स्वरूप वृहद होता गया। गिरिडीह हो या धनबाद, हजारीबाग हो या रामगढ़, चितरा हो या बोकारो, हर जगह संगठित गिरोह कोलियरी क्षेत्र के आसपास ही इस अवैध कार्य में जुटे रहे।

असुरक्षित तरीके से होता रहा खनन, जाती रही जान

पांच दशक पूर्व ही अवैध तरीके से धरती को खोदने और फिर अंदर से काला हीरा निकाल कर इसकी तस्करी शुरू की गयी। गिरिडीह और धनबाद के इलाके से अवैध खनन का यह काम चलता रहा। असुरक्षित तरीके से किये जा रहे खनन के दौरान अक्सरा भू-धंसान की घटना घटती रही और लोगों की जान जाती रही। ज्यादातर मामले में मृतक के परिजनों को डराया गया और फिर चुप कराया जाता रहा।

1975 से शुरू हुआ अवैध कारोबार

कहा जाता है कि कोयला खदान जब तक निजी हाथों में थी, तब तक अवैध खनन नहीं के बराबर होता था। वर्ष 1971 में कोयला क्षेत्र का राष्ट्रीयकरण शुरू हुआ। राष्ट्रीयकरण होने के चंद वर्ष बाद से ही कोयले का अवैध खनन शुरू हो गया। जब कोयला उद्योग का राष्ट्रीयकरण हुआ, तो भूमिगत खदान भी बंद होने लगी। तब बंद खदानों को तस्करों ने टारगेट किया और अवैध खनन का कारोबार शुरू हुआ।

मजदूर ने खोली खदान, हावी हुए माफिया

यह जानना दिलचस्प है कि गिरिडीह-धनबाद जैसे इलाके में अवैध खनन का काम शुरुआत में मजदूरों ने ही शुरू किया। मजदूर कोयला निकालते और उसी से इनका घर चलता था। धीरे-धीरे कई माफियाओं का उदय हुआ और अवैध खनन पर इनकी नजर पैनी होती गयी। बताते हैं कि 77-78 के बाद कई सफेदपोश भी इस धंधे में उतर गए। गिरिडीह हो या धनबाद या फिर हजारीबाग-रामगढ़, हर जगह माफिया राज चलने लगा। मजदूरों को लालच देकर खनन के लिए बुलाया जाता और कोयला निकाल कर उसे बाहर भेज दिया जाता। पूरी आमदनी माफियाओं-दबंगों की होती और मजदूरों को नाम मात्र का मेहनताना या फिर कोयले का थोड़ा हिस्सा देकर चुप करा दिया जाता।

अवैध खनन में प्रशिक्षित मजदूरों को लगाया जाता है

इस पूरे नेटवर्क का एक और चौंकानेवाला पहलू यह है कि अवैध खदानों में काम करने के लिए अधिकतर वैसे मजदूरों को लगाया जाता है, जो प्रशिक्षित होते हैं। इन्हें अंशकालिक रूप से काम पर रखा जाता है और ये नौकरी से छुट्टी लेकर अवैध खनन करते हैं। कई दफा ये मजदूर हादसे का शिकार हुए। अमूमन ज्यादातर मामले को दबा दिये गये लेकिन एक-दो मामले सामने भी आये।

दो तरह से होता है अवैध खनन

अवैध कोयला खनन का काम दो तरीके से किया जाता है। पहला तरीका सिरमोहन है, यानि गुफा की तरह का रास्ता बनाकर खदान के अंदर जाना और फिर कोयला काटना। दूसरा तरीका है कुएं की तरह मुहाना बनाना, फिर रस्सी-लट्ठे के सहारे अंदर जाना। इन दोनों तरीके में स्थानीय मजदूरों को महारथ हासिल है।

नुकसान की नहीं होती भरपाई

अवैध खनन का यह कारोबार करीब एक हजार करोड़ का है। इसके कारण कोल इंडिया को तो नुकसान होता ही है, सरकारी राजस्व को भी नुकसान हो रहा है। दूसरी तरफ चंद पैसे की खातिर इन खदानों में जाने वाले मजदूरों की मौत हो रही है। ऐसे गलत कार्य में मारे जाने वाले मजदूर की मौत के बाद परिजनों की चुप्पी के पीछे डर ही बड़ी वजह है। पहला डर होता है कि अगर परिजन बोलेंगे, तो पुलिस उनके साथ न्याय नहीं करेगी। उल्टा उन्हें ही फंसा देगी। दूसरा बड़ा कारण भी डर ही है। यह डर उन माफियाओं का रहता है, जो मजदूरों से अवैध खनन करवाते हैं। ऐसे माफिया किसी भी हद तक जा सकते हैं।

पांच साल में 60 से अधिक छोटे-बड़े हादसे

अवैध खनन के दौरान होनेवाले हादसों का कोई आधिकारिक आंकड़ा तो उपलब्ध नहीं है, लेकिन जानकार बताते हैं कि पिछले पांच साल के दौरान 60 से अधिक छोटे-बड़े हादसे हुए हैं। इनमें सात सौ से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। ज्यादातर हादसों को छिपाया गया। कोयला उद्योग में सक्रिय मजदूर नेता बताते हैं कि अवैध खनन के दौरान हादसा होता है और मजदूर मरते हैं। डर से परिजन माफियाओं का नाम नहीं बताते हैं। इस तरह की घटना के पीछे की बड़ी वजह बेरोजगारी है। बड़ी बात है कि ऐसी घटनाओं के बाद दोषारोपण मजदूरों पर किया जाता है, जो सही नहीं है। कार्रवाई भी मजदूरों पर होती है। सफेदपोशों के खिलाफ कार्रवाई नहीं होगी, तो ऐसी घटना पर रोक कैसे लगेगी।

प्रधानमंत्री की विकसित भारत यात्रा में झारखंड पीछे नहीं : बाबूलाल मरांडी

विज्ञान और विरासत के आधार पर बनेगा विकसित भारत : कर्मवीर सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड भाजपा के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने रविवार को आम जनता के साथ बूथ स्तर पर प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम के 124वें संस्करण को सुना। प्रदेश अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने गिरिडीह जिलांतर्गत चंदौरी मंडल में बूथ संख्या 116 पर कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय ने सरिया मंडल के बूथ संख्या 111/112 पर, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने रांची महानगर के सुखदेव नगर मंडल स्थित बूथ संख्या 114 पर कार्यक्रम को सुना। श्री सिंह के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय, प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह, कोषाध्यक्ष दीपक बंका आदि शामिल रहे। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम एक प्रेरक कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री द्वारा भारत की प्रगति, प्रकृति, संस्कृति, युवाओं के प्रयास, महिला सशक्तिकरण जैसे महत्वपूर्ण विषय अपने संबोधन में शामिल किए जाते हैं, जो नयी पीढ़ी को नयी दिशा देता हैं।

श्री मरांडी ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विकसित भारत की यात्रा पर निकल पड़ा है, जिसमें झारखंड राज्य भी प्रमुखता से शामिल है। कार्यकारी अध्यक्ष डॉ रविंद्र कुमार राय ने कहा कि भारत का जन मन एक महीने तक प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का इंतजार करता है। यह कार्यक्रम भारत की विकास यात्रा का एक संक्षिप्त दस्तावेज होता है।

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि विकसित भारत की यात्रा विज्ञान और विरासत के साथ आगे बढ़ रही है। भारत के प्राचीन ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के समावेश से आत्मनिर्भर भारत, विकसित भारत का सपना नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में पूरा होगा।

मन की बात कार्यक्रम को प्रदेश उपाध्यक्ष विकास प्रीतम, महामंत्री एवम सांसद आदित्य साहू, डॉ प्रदीप वर्मा,सहित प्रदेश, जिला और मंडल के पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने क्षेत्र में बूथ पर सुना।

गोडसे की पूजा करनेवाले महात्मा गांधी को नहीं मान सकते : डॉ तनुज खत्री

गांधी की राह अहिंसा की है, भाजपा की राह गोडसे की

गोडसे की विचारधारा में पला हुआ नेतृत्व, गांधी को कैसे मानेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे का यह बयान कि मोदीजी महात्मा गांधी के विचारों पर नहीं चलते, केवल एक व्यक्तिगत राय नहीं, बल्कि भाजपा की असली सोच का खुला कबूलनामा है। यह वही भाजपा है, जिसने संसद में नाथूराम गोडसे को देशभक्त कहने वालों को बचाया, और आज उनके सांसद खुलेआम कह रहे हैं कि देश के प्रधानमंत्री महात्मा गांधी के विचारों पर नहीं चलते। इससे बड़ा विचारधारा का पर्दाफाश और क्या होगा? महात्मा गांधी ने इस देश को सत्य, अहिंसा और लोकतांत्रिक संवाद की राह दिखायी थी। अगर देश के प्रधानमंत्री उस राह पर नहीं चल रहे हैं, तो सवाल उठता है कि फिर वो किस रास्ते पर चल रहे हैं? कहीं वो वही रास्ता तो नहीं, जिसने महात्मा गांधी की हत्या की सोच को जन्म दिया था? डॉ तनुज खत्री ने कहा कि हमारा देश महात्मा गांधी के विचारों पर चलता है और हम उन्हीं में आस्था रखते हैं। भाजपा का यह दोहरा चरित्र अब जनता के सामने आ चुका है। अगर महात्मा गांधी को न मानने वाला प्रधानमंत्री देश का नेतृत्व कर रहे हैं, तो यह केवल लोकतंत्र के लिए नहीं, बल्कि देश की आत्मा के लिए भी खतरे की घंटी है।

राष्ट्रपति के दौरे को लेकर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने दो दिवसीय दौरे पर झारखंड आ रही हैं। राष्ट्रपति 31 जुलाई और 1 अगस्त को झारखंड में रहेंगी। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर झारखंड पुलिस की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं। राजधानी रांची, धनबाद और देवघर तीनों ही जिलों की पुलिस अलर्ट पर है।

धनबाद और देवघर में है राष्ट्रपति का कार्यक्रम : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने दो दिवसीय दौरे पर देवघर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में शिरकत करेंगी। इसके बाद राष्ट्रपति धनबाद में आईआईटी (आईएसएम) के दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगी। ऐसे में देवघर, रांची और धनबाद में राष्ट्रपति के आगमन को लेकर तैयारियों के साथ-साथ पुलिस विभाग की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर डीजीपी और मुख्य सचिव ने भी बैठक कर कई दिशा निर्देश जारी किए हैं। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रपति की सुरक्षा को लेकर आईजी रैंक के एक अधिकारी को नोडल बनाया गया है, ताकि सुरक्षा में कोई त्रुटि न रह जाये।

राजधानी रांची में एयरपोर्ट से राजभवन जाने वाले रास्ते में भी सुरक्षा के विशेष व्यवस्था की गई है। राष्ट्रपति के आने-जाने के दरम्यान ट्रैफिक रूट में भी बदलाव किया जाएगा। राष्ट्रपति के दौरे को लेकर राज्य के डीजीपी ने बताया कि राष्ट्रपति के झारखंड दौरे में कोई परेशानी नहीं होगी और कोई भी सुरक्षा में त्रुटि में न हो इसे लेकर हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं। राष्ट्रपति 31 जुलाई को अपने दो दिवसीय दौरे पर सबसे पहले रांची पहुचेंगी, जहां पर वे राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगी। 31 जुलाई को राष्ट्रपति रांची में रहेंगी इसलिए राजभवन से लेकर एयरपोर्ट तक सुरक्षा व्यवस्था बेहद पुख्ता की जा रही है।

मिलन समारोह में झामुमो, कांग्रेस के कई लोग आजसू में शामिल

हर मोर्चे पर सरकार नाकाम, विस सत्र में बनेगा मुद्दा : सुदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने कहा कि आगामी झारखंड विधानसभा सत्र में उनकी पार्टी हेमंत सरकार की नाकामियों को मुद्दा बनायेगी। झामुमो-कांग्रेस ने जनता को दिग्भ्रमित कर दूसरी बार सरकार बनायी है, लेकिन मंत्रियों को जनमुद्दों की फिक्र नहीं। श्री महतो ने पार्टी मुख्यालय में मिलन समारोह के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि आजसू ने झारखंड सरकार को अपना प्रदर्शन सुधारने के लिए 6 माह का समय दिया था, लेकिन 9 माह बीत जाने के बाद भी झामुमो-कांग्रेस की सरकार जनता के हितों की रक्षा में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में कानून व्यवस्था ध्वस्त है। कोयला, बालू, गिट्टी की तस्करी खुलेआम हो रही है। चुनाव जीतने के लिए झामुमो ने मइया योजना का इस्तेमाल किया, लेकिन अब 6 लाख महिलाओं का नाम क्यों काटा जा रहा है। इसके लिए सरकार को जवाब देना होगा।

ये भी रहे उपस्थित : इस अवसर पर बुद्धिजीवी मंच के अध्यक्ष श्री डोमन सिंह मुंडा, मुख्य प्रवक्ता डॉ देव शरण भगत , झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर, मुकुंद मेहता, संजय मेहता, इम्तियाज अहमद नज्मी, कुमुद वर्मा, ज्योत्सना केरकेट्टा, ऋतुराज शाहदेव, शहजादा अनवर, शादाब रजा आदि उपस्थित थे। संचालन संजय साहू ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन मो कैफ ने किया।

विभिन्न प्रखंडों से आजसू में आये झामुमो-कांग्रेस से कई कार्यकर्ता

आजसू पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में झामुमोझ्रकांग्रेस को छोड़ कई कार्यकर्ता आजसू पार्टी में शामिल हुए। पार्टी नेताओं ने उनका स्वागत पट्टा और माला पहना कर किया। सदमा पंचायत, ओरमांझी के पूर्व मुखिया हरिलाल मुंडा, अमित टोप्पो, मोतीलाल टोप्पो, कांके क्षेत्र के मो वसीम, मो शाहबाज, रवींद्र नाथ चटर्जी, मकसूद खान, इकबाल आलम, रिजवान, राज, ओम प्रकाश साव, शाहिद, रितेश कुमार, बबलू मंसूरी, मुकेश कुजूर, अहमद अली, शाहिद अहमद एवं सलाउद्दीन सहित अनेक लोग पार्टी में शामिल हुए।

www.epaper.azadsipahi.in

28 जुलाई, 2025
श्रावण, शुक्ल पक्ष, चतुर्थी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
सोमवार, वर्ष 10, अंक 278

ऑडिट में खुलासा : 500 रुपये के लिए भैया बने लाडकी बहन

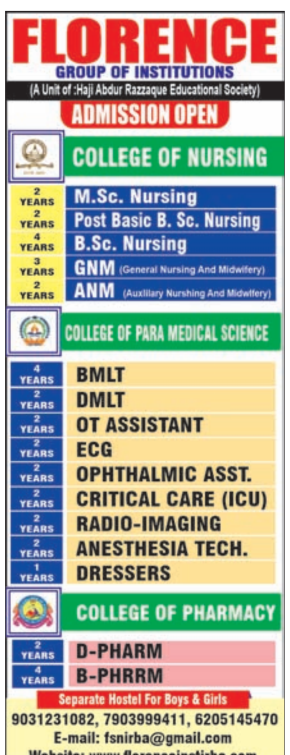

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का 124वां संस्करण

बसिया के युवक ने जलाया विकास का दीप: प्रधानमंत्री

- कभी नक्सलग्रस्त रहे इलाके में चल रही 'मत्स्य क्रांति' की हुई तारीफ
- कभी बंदूक उठानेवाले ओमप्रकाश साहू आज कर रहे मछली पालन
- प्रखंड के डेढ़ सौ से अधिक परिवार अब इस व्यवसाय से जुड़ चुके हैं

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को प्रसारित 'मन की बात' के 124वें संस्करण में गुमला के बसिया निवासी ओमप्रकाश साहू की 'मत्स्य क्रांति' की खूब तारीफ की। ओमप्रकाश साहू ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के जरिये गांव से पलायन रोकने में अहम भूमिका निभायी है। गुमला जिले से 70 किलोमीटर दूर बसिया प्रखंड क्षेत्र के कुम्हारी निवासी ओमप्रकाश साहू की कहानी प्रधानमंत्री मोदी ने सुनायी।

क्या कहा प्रधानमंत्री ने : पीएम मोदी ने कहा कि कभी-कभी सबसे बड़ा उजाला वहीं से फूटता है, जहां अंधेरे ने सबसे ज्यादा डेरा जमाया हो। ऐसा ही एक उदाहरण है झारखंड के गुमला जिले का। एक समय था, जब यह इलाका माओवादी हिंसा के लिए जाना जाता था। बासिया प्रखंड के गांव वीरान हो रहे थे। लोग डर के साये में जीते थे। रोजगार की कोई संभावना नजर नहीं आती थी। जमीन खाली पड़ी थी और नौजवान पलायन कर रहे थे, लेकिन फिर बदलाव की एक बहुत ही शांत और धैर्य से भरी हुई शुरुआत हुई। ओमप्रकाश साहू नाम के एक युवक ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया। उन्होंने मछली पालन शुरू किया। फिर अपने जैसे कई साथियों को भी इसके लिए प्रेरित किया। उनके इस प्रयास का असर भी हुआ। जो पहले बंदूक थामे हुए थे, अब मछली पकड़ने वाला जाल थाम चुके हैं। पीएम मोदी ने कहा कि ओमप्रकाश साहू की शुरुआत आसान नहीं थी। विरोध हुआ, धमकियां मिलीं, लेकिन हौसला नहीं टूटा। जब 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' आयी, तो उन्हें नयी ताकत मिली। सरकार से सहायता मिली, तालाब बनाने में मदद मिली और देखते-देखते गुमला में 'मत्स्य क्रांति' का सूत्रपात हो गया। आज बासिया प्रखंड के 150 से ज्यादा परिवार मछली पालन से जुड़ चुके हैं। कई तो ऐसे लोग हैं, जो कभी नक्सली संगठन में थे, अब वे गांव में ही सम्मान से जीवन जी रहे हैं और दूसरों को रोजगार दे रहे हैं। गुमला की यह यात्रा हमें सिखाती है कि अगर रास्ता सही हो और मन में भरोसा हो, तो सबसे कठिन परिस्थितियों में भी विकास का दीप जल सकता है।

शुभांशु शुक्ला की भी बात की

कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधानमंत्री ने शुभांशु शुक्ला और अंतरिक्ष के बारे में बात की। उन्होंने कहा, जैसे ही अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला धरती पर उतरे, लोग उछल पड़े। हर दिल में खुशी की लहर दौड़ गयी। पूरा देश गर्व से भर गया। पीएम ने कहा कि इससे विज्ञान-अंतरिक्ष को लेकर बच्चों में नयी जिज्ञासा जगी है। अब छोटे-छोटे बच्चे कहते हैं कि हम भी अंतरिक्ष में जायेंगे। चांद पर उतरेंगे। अंतरिक्ष वैज्ञानिक बनेंगे। जब अगस्त 2023 चंद्रयान की सफल लैंडिंग हुई थी, तब देश में एक नया माहौल बना था।

ऑपरेशन सिंदूर से साबित हुआ कि आतंकियों और भारत के दुश्मनों के लिए कोई स्थान सुरक्षित नहीं: मोदी

चेन्नई (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने दुनिया को दिखाया कि अगर भारत की संप्रभुता पर हमला हुआ, तो वह किस तरह जवाब देगा और सीमा पार सैन्य कार्रवाई ने पूरे देश में एक नया आत्मविश्वास पैदा किया है। उन्होंने यहां चोल सम्राट राजेंद्र चोल के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह भी साबित कर दिया कि भारत को निशाना बनाने वाले दुश्मनों और आतंकवादियों के लिए कोई जगह सुरक्षित नहीं है। यह कार्यक्रम महान चोल सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती को रेखांकित करता है, जिसे 'आदि तिरुवथिरई' (तमिल माह आदि में राजा का जन्म नक्षत्र तिरुवथिरई है) उत्सव के रूप में मनाया जाता है। पीएम ने कहा कि सम्राट राजराज चोल और उनके पुत्र राजेंद्र चोल-प्रथम के नाम भारत की पहचान और गौरव के पर्याय हैं। उन्होंने घोषणा की कि तमिलनाडु में उनकी भव्य प्रतिमाएं स्थापित की जायेंगी और ये प्रतिमाएं हमारे ऐतिहासिक जागरण के आधुनिक स्तंभ होंगी।

काशी का सांसद हूं, ॐ नमः शिवाय सुनता हूं तो रोंगटे खड़े हो जाते हैं

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक प्रकार से ये राज राजा की श्रद्धा भूमि है और आज इलैयाराजा ने जिस प्रकार हम सभी को शिवभक्ति में डुबो दिया, क्या अद्भुत वातावरण था। मैं काशी का सांसद हूं, जब मैं 'ॐ नमः शिवाय' सुनता हूं, तो मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

चाइबासा में नक्सलियों के 35 लाख बरामद

हथियार खरीदने के लिए जमा किये गये थे रुपये

आजाद सिपाही संवाददाता

चाइबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मुख्यालय चाइबासा में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों को करारा झटका दिया है। रविवार को कराइकेला के जंगली क्षेत्र में चलाये गये सर्च अभियान के दौरान, नक्सलियों द्वारा हथियार और गोला-बारूद खरीदने के लिए छुपाये गये लगभग 35 लाख रुपये बरामद किये गये। यह ऑपरेशन झारखंड पुलिस, झारखंड जगुआर, और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है।

खुफिया सूचना पर कार्रवाई : सुरक्षा बलों को खुफिया जानकारी मिली थी कि लगातार पराजित हो रहे नक्सली हथियार और विस्फोटक सामग्री खरीदने के लिए धन जमा कर रहे हैं। इस सूचना के आधार पर सारंडा के घने जंगलों में सटीक सर्च अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान नक्सलियों द्वारा छुपायी गयी 35 लाख रुपये की राशि बरामद की गयी। रांची रेंज के आइजी मनोज कौशिक ने बताया कि यह राशि नक्सलियों ने अपनी गैर-कानूनी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए डंप की थी। इस बरामदगी ने नक्सलियों की आर्थिक रीढ़ को गंभीर नुकसान पहुंचाया है।

अब केवल कोल्हान इलाके में बचे हैं नक्सली: बता दें कि सुरक्षा बलों द्वारा चलाये जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के कारण कभी झारखंड के 22 जिलों में पैर फैला चुके माओवादी नक्सली अब केवल कोल्हान इलाके में सिमट कर रह गये हैं। गिरिडीह, चतरा, हजारीबाग, लातेहार और पलामू जैसे इलाकों से नक्सलियों का पूरी तरह सफाया हो चुका है। इसलिए अब सुरक्षा बल कोल्हान के इलाके में सघन अभियान चला रहे हैं और इतनी बड़ी रकम की बरामदगी उसकी कामयाबी है।

नक्सलवाद के खिलाफ सतत मुहिम

आइजी ने बताया कि यह कार्रवाई झारखंड पुलिस की नक्सलवाद के खिलाफ चल रही व्यापक मुहिम का हिस्सा है। चाइबासा, जो लंबे समय से नक्सलियों का गढ़ रहा है, को मार्च 2025 तक नक्सल-मुक्त करने का लक्ष्य डीजीपी अनुराग गुप्ता ने निर्धारित किया है। इस बरामदगी से नक्सलियों की आर्थिक शक्ति को कमजोर करने में मदद मिलेगी। सुरक्षा बल क्षेत्र में सर्च अभियान जारी रखे हुए हैं, ताकि नक्सलियों के अन्य ठिकानों और संसाधनों का पता लगाया जा सके। यह सफलता झारखंड में शांति और सुरक्षा स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

कसाब की सुनवाई पर विपक्ष ने फैलाया झूठ: उज्ज्वल निकम

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई। राज्यसभा सदस्य और 26/11 मुंबई हमले के विशेष सरकारी वकील रहे उज्ज्वल निकम ने विपक्ष पर गंभीर आरोप लगाये हैं। उन्होंने कहा कि कुछ विपक्षी नेताओं ने 26/11 केस की सुनवाई को लेकर झूठे और आधारहीन दावे किये हैं, जबकि पाकिस्तान ने भी कभी इस पर सवाल नहीं उठाया। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में अपने सम्मान समारोह में उन्होंने कहा कि कुछ विपक्षी नेताओं ने कहा कि अजमल कसाब को मुकदमे में सही मौका नहीं दिया गया। लेकिन सच यह है कि पाकिस्तान ने भी कभी नहीं कहा कि कसाब को अपना पक्ष रखने का मौका नहीं मिला। निकम ने बताया कि कुछ नेताओं ने तो यहां तक कह दिया कि 26/11 हमले में शहीद हुए पुलिस अधिकारी हेमंत करकरे, विजय सालसकर और अशोक कामटे को आरएसएस से जुड़े एक पुलिस अधिकारी ने मारा। उन्होंने कहा कि एक बड़े कांग्रेस नेता ने मुझ पर आरोप लगाया कि मैं इस साजिश की जानकारी होते हुए भी चुप रहा और मुझे देशद्रोही तक कहा गया। अपने अनुभव साझा करते हुए निकम ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि जेल में सभी कैदी मेरी कुंडली जानते हैं। अगर जेल एक चुनाव क्षेत्र होता, तो मैं वहां से जरूर चुनाव जीत जाता। गौरतलब है कि उज्ज्वल निकम को हाल ही में राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा के लिए नामित किया गया है।

अमेरिका में बोइंग विमान में आग, बाल-बाल बचे 173 यात्री

डेनवर। अमेरिका के डेनवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक बड़ा हादसा टल गया है। अमेरिकन एयरलाइंस के बोइंग 737 मैक्स 8 विमान का लैंडिंग गियर फेल होने के कारण टेकऑफ रोकना पड़ा। इस दौरान विमान के पिछले हिस्से में आग लग गयी। यह फ्लाइट मियामी जा रही थी। घटना अमेरिकी समयानुसार दोपहर 2:45 बजे (भारतीय समयानुसार रात 2.15 बजे) हुई। विमान में कुल 173 यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे। सभी को इमरजेंसी स्लाइडर के जरिये बाहर निकाला गया। हादसे में छह लोगों को मामूली चोटें आयीं, जिनमें से एक को अस्पताल भेजा गया है।

गिरिडीह में फंदे से झूलता मिला व्यवसायी का शव

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह। शहर के आइएमएस रोड, कृष्णा अपार्टमेंट निवासी व्यवसायी सुदीप कपिसवे का शव उनके ही कमरे में फंदे से झूलता मिला है। इससे इलाके में सनसनी फैल गयी है। घटना की सूचना मिलने के बाद जहां परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं नगर थाना पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच कर मामले की छानबीन में जुट गयी है।

घटना के संबंध में बताया गया कि सुदीप तीन-चार दिन पहले ही अपने परिवार को छोड़कर कोलकाता से गिरिडीह आये थे। हालांकि गिरिडीह आने के बाद उन्होंने किसी को यह नहीं बताया कि वह गिरिडीह में हैं, इसलिए किसी को इसकी जानकारी नहीं हो सकी। सुदीप का साला उनके अपार्टमेंट के पीछे ही रहता है। रविवार सुबह जब सुदीप का एक मैसेज उनके परिवार के सदस्य के पास पहुंचा, तो सबके होश उड़ गये। परिजन दौड़ते-भागते सुदीप के कमरे में पहुंचे, जहां उनका शव फंदे से झूलता पाया गया। घटना के बाद मृतक सुदीप की पत्नी और बच्चे कोलकाता से गिरिडीह पहुंच गये हैं।

चार पेज का सुसाइड नोट बरामद

सुदीप ने आत्महत्या करने से पहले एक चार पेज का सुसाइड नोट भी लिखा है। पुलिस और परिजन जब सुदीप के कमरे में पहुंचे, तो उनके बेड पर वह सुसाइड नोट रखा हुआ था। जानकारी के अनुसार सुदीप का गिरिडीह के सिरसिया-सिहोडीह स्थित कबीर ज्ञान मंदिर से गहरा लगाव था। इसलिए उन्होंने जो सुसाइड नोट लिखा है, उसमें 'कबीर ज्ञान मंदिर के साहेब जी... साहेब बंदगी' का जिक्र करते हुए रहस्यमयी बातें लिखी हैं। इसके अलावा सुसाइड नोट में कई गंभीर बातें लिखी हैं, जो काफी चौंकाने वाली हैं। पुलिस ने सुसाइड नोट जब्त कर लिया है और पूरे मामले की जांच-पड़ताल में जुट गयी है।

न्यूज रील्स

आत्मनिर्भरता और समाज सेवा का जरिया हो शिक्षा: भागवत

तिरुवनंतपुरम। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को भारतीय शिक्षा की विशेषताओं पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रणाली सिर्फ ज्ञान देने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन में दूसरों के लिए जीने और त्याग करने की भावना भी सिखाती है। केरल में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास द्वारा आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा सम्मेलन ज्ञान सभा में लोगों को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो इंसान को कहीं भी अपने दम पर जीने की क्षमता दे। उन्होंने कहा कि शिक्षा का असली उद्देश्य केवल नौकरी पाना नहीं होना चाहिए, बल्कि यह ऐसी होनी चाहिए कि व्यक्ति अपने आत्मबल और कौशल के आधार पर जीवन यापन कर सके। उन्होंने आगे कहा कि पारंपरिक भारतीय शिक्षा पद्धति जीवन मूल्यों, नैतिकता और समाज सेवा को प्राथमिकता देती है। शिक्षा का मकसद केवल पैसे कमाना नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनाना होना चाहिए।

विशेष पुनरीक्षण अभियान में बड़ा खुलासा : बिहार के 35 लाख मतदाता लापता

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) में बड़ा खुलासा हुआ है। पुनरीक्षण के पहले चरण के आंकड़ों में सामने आया है कि राज्य के लगभग 35 लाख मतदाता लापता हैं। इसके बाद मतदाता सूची की शुद्धता को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। वहीं देशभर में होने वाले एसआइआर को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण किया जा रहा है। इसमें पहले चरण के आंकड़ों में सामने आया है कि लगभग 35 लाख मतदाता या तो लापता हैं या अपने पंजीकृत पते से स्थायी रूप से पलायन कर चुके हैं। इसे लेकर राजनीतिक दल मतदाता सूची की शुद्धता पर सवाल खड़े कर रहे हैं। पुनरीक्षण के बाद इन 35 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिये जायेंगे। मतदाताओं के इतने महत्वपूर्ण हिस्से का पता लगाने में असमर्थता ने मतदाता पंजीकरण रखरखाव में संभावित प्रणालीगत मुद्दों को उजागर किया है।

सात लाख मतदाताओं का दो जगह मिला पंजीकरण : चुनाव आयोग का कहना है कि बिहार के सात लाख मतदाता कई स्थानों पर पंजीकृत पाये गये हैं। वहीं 36 लाख लोग या तो स्थायी रूप से स्थानांतरित हो गये हैं या फिर उनका पता ही नहीं चला। अब तक 7.24 करोड़ या 91.69 प्रतिशत मतदाताओं से गणना फार्म प्राप्त हुए।

चुनाव आयोग ने बीते 24 जून को कहा था कि संवैधानिक कर्तव्य के तहत और मतदाता सूची की अखंडता और सुरक्षा के लिए मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का काम किया जायेगा। अब चुनाव आयोग ने उसकी शुरुआत कर दी है। चुनाव आयोग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि मतदाता सूची की अखंडता को बनाए रखना निष्पक्ष और मुक्त चुनाव के लिए आधारभूत जरूरत है। जनप्रतिनिधि कानून, 1950 और रजिस्ट्रेशन ऑफ इलेक्टोरल रूल्स, 1960 के तहत योग्यता, मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया और तरीके की जानकारी दी गयी है।

चुनाव आयोग ने आश्वासन दिया है कि अगर कोई व्यक्ति मतदाता सूची से बाहर हो जाये, तो इसका मतलब यह नहीं होगा कि उसकी नागरिकता समाप्त हो गयी है। चुनाव आयोग ने यह भी कहा है कि कानून और संविधान के तहत उसे यह अधिकार प्राप्त है कि वह नागरिकता से जुड़े दस्तावेज मांग सके, ताकि लोगों को मताधिकार मिल सके।

नागरिकता असली मुद्दा, चुनाव बहिष्कार का अभी नहीं लिया गया फैसला : विपक्ष

नयी दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) को लेकर विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि नागरिकता एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। आपने इसे राजनीतिक रंग दे दिया और इसे छिपाने की कोशिश की, जबकि असली मुद्दा नागरिकता का ही है। बिहार में चुनाव बहिष्कार को लेकर विपक्षी गठबंधन ने अभी कोई फैसला नहीं लिया है, लेकिन सभी विकल्प खुले हैं। वहीं राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि जब मुख्य चुनाव आयुक्त ने कार्यभार संभाला था, तब उन्होंने कहा था कि वह कोई भी फैसला राजनीतिक दलों से सलाह के बिना नहीं लेंगे। मुझे लगता है कि पिछले 22 वर्षों में एसआइआर से बड़ा कोई फैसला नहीं हुआ। लेकिन किसी भी राजनीतिक दल से कोई राय नहीं ली गयी।

छह साल बाद उद्धव के घर पहुंचे राज ठाकरे

जन्मदिन की बधाई दी, 22 दिन पहले दोनों एक मंच पर थे

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) सुप्रीमो राज ठाकरे रविवार को छह साल बाद उद्धव ठाकरे के घर मातोश्री पहुंचे। इस दौरान राज ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे को गले लगाया और बुके देकर जन्मदिन की बधाई दी। इससे पहले आखिरी बार छह साल पहले 2019 में राज ठाकरे मातोश्री गये थे। उन्होंने उद्धव परिवार को अपने बेटे अमित की शादी में आने का न्योता दिया था। वहीं औपचारिक रूप से राज 2012 में मातोश्री गये थे। उस समय बालासाहेब ठाकरे बीमार थे। पिछले पांच जुलाई को 20 साल बाद उद्धव और राज मुंबई के वर्ली डोम में एक रैली के दौरान साथ नजर आये थे। इस मौके पर दोनों की तरफ से आगे साथ मिलकर राजनीति करने के संकेत दिये गये थे। उद्धव को शिवसेना का मुखिया बनाने के बाद राज ने अलग पार्टी मनसे बनायी थी। तब दोनों के रिश्ते अच्छे नहीं थे।

झामुमो के जिला उपाध्यक्ष दीपक राय ने शीर्ष नेतृत्व को दिया धन्यवाद

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। जिला कमेटी विस्तार के बाद जिला उपाध्यक्ष दीपक कुमार राय ने झामुमो के शीर्ष नेतृत्व के साथ जिला अध्यक्ष को धन्यवाद दिया है। रविवार को पूजा अर्चना कर झामुमो केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन के जल्द स्वस्थ्य होने की कामना की। कहा कि पार्टी के अध्यक्ष हेमंत सोरेन, महासचिव विनोद पांडे, जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया ने मुझे जो जिम्मेवारी सौंपी है उस पर खरा उतरने का काम करूंगा। साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड विकास की राह पर चल रहा है। पार्टी के नीति सिद्धांत को घर पहुंचाने का काम करूंगा।

बीडीओ के लिए चयनित होने वाली अंशिका कुमारी का किया गया स्वागत

बरकट्ठा (आजाद सिपाही)। जेपीएससी में शानदार प्रदर्शन कर बीडीओ के लिए चयनित होने वाली अंशिका कुमारी का बरकट्ठा पहुंचने पर भव्य स्वागत हुआ। रविवार को बेलकप्पी पंचायत भवन समेत अन्य जगहों पर स्वागत समारोह आयोजित किया गया। मौके पर अंशिका कुमारी का मुखिया ललिता देवी, झारखंड आंदोलनकारी धीरेंद्र पांडेय, पूर्व जिप सदस्य प्रतिनिधि केदार साव, पूर्व मुखिया राजकुमार नायक, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष कुद्दूश अंसारी, पूर्व मुखिया प्रतिनिधि अर्जुन राणा, पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष टुकलाल नायक समेत अन्य लोगों ने गर्मजोशी के साथ गुलदस्ता व फूल माला देकर स्वागत किया। मुखिया ललिता देवी और केदार साव ने कहा कि यह बरकट्ठा प्रखंड क्षेत्र के लिए गौरव की बात है कि ग्राम बंडासिंघा निवासी अंशिका कुमारी ने जेपीएससी में 35 वां रैंक लाकर बीडीओ के लिए चयनित और ग्राम केन्दुआ लालोडीह निवासी राजेश रजक ने 271 वां रैंक प्राप्त कर झारखंड जेल सेवा के लिए चयनित हुए हैं। स्थानीय लोगों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने दोनों सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। इस अवसर पर अंशिका कुमारी के पिता अर्जुन नायक, चाचा जागेश्वर नायक, अमर पांडेय, बंधु साव, समेत काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

जेएलकेएम नेता कृष्णा यादव बने पार्टी के केंद्रीय सचिव

बरही (आजाद सिपाही)। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के वरिष्ठ नेता और बरही विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक प्रत्याशी कृष्णा यादव को पार्टी का केंद्रीय सचिव नियुक्त किया गया है। पार्टी नेतृत्व द्वारा लिए गये इस निर्णय के बाद क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गयी है और समर्थकों ने उन्हें बधाई दी है। कृष्णा यादव इससे पहले पार्टी के उपाध्यक्ष पद पर कार्यरत थे और लंबे समय से संगठन में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। संगठन के प्रति उनकी निष्ठा और कार्यक्षमता को देखते हुए उन्हें यह नई जिम्मेदारी सौंपी गयी है। अपनी नियुक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए कृष्णा यादव ने कहा कि वे पार्टी की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे और पूरी निष्ठा से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। उन्होंने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने मिठाइयां बांटकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर उन्हें बधाई दी। क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं का मानना है कि कृष्णा यादव की यह नियुक्ति पार्टी को जमीनी स्तर पर और मजबूती प्रदान करेगी।

पडरिया से दर्जनों युवक देवघर के लिए हुए रवाना

बरही (आजाद सिपाही)। सावन के पवित्र माह में श्रद्धालुओं का बरही से बाबाधाम देवघर जाने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में बरही प्रखंड अंतर्गत मलकोको पंचायत के पडरिया से दर्जनों युवक देवघर के लिए रवाना हुए। जिसमें सभी श्रद्धालु सुल्तानगंज पहुंचेंगे और वहां से पवित्र गंगा जल लेकर 108 किलोमीटर की पदयात्रा कर बाबा धाम में महादेव पर जलाभिषेक करेंगे। इस दौरान अरविंद कुमार एवं प्रयाग प्रसाद ने संयुक्त रूप से कहा कि भक्तों का मानना है कि श्रावण मास में देवघर की यात्रा और बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा करने से उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। इस यात्रा में मुकेश कुमार, राजू कुमार, अजय कुमार, सुनील कुमार, विजय कुमार, दीपक कुमार, वीरेंद्र कुमरा, विनोद प्रसाद, लक्ष्मण प्रसाद और अनिल कुमार शामिल है।

चोरी की बाइक के साथ चोर गिरफ्तार

झुमरीतिलैया (आजाद सिपाही)। तिलैया थानान्तर्गत तिलैया बस्ती से पंकज कुमार का हीरो सुपर स्पलेण्डर मोटरसाईकिल चोरी कर लिए गया था। जिसके संबंध मे तिलैया थाना कांड संख्या 228/25 दर्ज किया गया था। उक्त कांड के संदर्भ मे पुलिस अधीक्षक कोडरमा को गुप्त सूचना प्राप्त हुई की उक्त कांड में चोरी किया गया मोटरसाईकिल को चोरी करने वाले चोर ग्राम बसकुटवा, थाना गुरपा, गया में मोटरसाईकिल के साथ देखा गया है। उक्त सूचना का सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई हेतु थाना प्रभारी, तिलैया के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। जिस क्रम में उक्त कांड में चोरी गयी मोटरसाईकिल के आलावे एक चोरी की मोटरसाइकल(अपची मोटरसाइकिल) के साथ राकेश कुमार उर्फ मुन्ना माझी, पिता राजकुमार माझी एवं अजय कुमार पिता स्व बंगाली माझी दोनों ग्राम बसकुटवा, थाना-गुरपा, गया को गिरफ्तार किया गया।

विद्यालय में प्रबंधन समिति का गठन

केरेडारी(आजाद सिपाही)। प्रखंड के गरीकलां उच्च विद्यालय में प्रबंधन समिति की बैठक की गयी जिसकी अध्यक्षता विद्यालय के पूर्व अध्यक्ष अरुण कुमार महतो ने किया और सभा का सफल संचालन बद्री नारायण कुशवाहा ने किया। जिसमें उच्च विद्यालय के प्रबंध समिति के नये सदस्यों का चयन हुआ प्रबंध समिति के अध्यक्ष वर्तमान स्थानीय विधायक रौशन लाल चौधरी पदेन है। शिक्षक प्रतिनिधि के रूप में विद्यालय के सहायक शिक्षक मनोज कुमार, अरुण कुमार महतो सदस्य के रूप में और विद्यालय के सचिव पद पर महावीर महतो का चयन किया गया। जो इस विद्यालय के पूर्व प्रधानाध्यापक भी रह चुके हैं। सचिव पद की मतदान में कुल 68 मतदाताओं ने भाग लिया जिसमें नोटा वोटो की संख्या तीन, रद्द वोटो की संख्या चार और विपक्षी का वोटो की संख्या आठ है। मौके पर हितनारायण साव, बालेश्वर राणा, महेंद्र पासवान, दिनेश्वर साहू, मिथिलेश राम, डोमन महतो, बैजनाथ राणा, सोमर महतो, कामेश्वर महतो, राजेंद्र महतो, भुनेश्वर राणा, राजीव कुमार, रविंद्र कुमार पासवान, संजय कुमार, संदीप कुमार शर्मा, महादेव महतो, भोला महतो, विश्वनाथ कुमार, राम इकबाल सिंह, विनोद कुमार महतो, लक्ष्मीकांत कुशवाहा, बालेश्वर महतो, मुकेश कुमार, बैजनाथ कुमार, बद्री नारायण कुशवाहा, राम प्रकाश कुमार, मोहम्मद मंसूर आलम, मुबारक अंसारी, प्रदीप राम, विश्वनाथ महतो, रामकृष्ण महतो उपस्थित थे।

सिदो-कान्हू की प्रतिमा खंडित होने पर संथाल समाज का फूटा गुस्सा

जल्द गिरफ्तारी की मांग, प्रशासन पर जांच में लापरवाही का आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। संथाल विद्रोह के नायकों प्रतिष्ठित सिदो-कान्हू चौक का उद्घाटन झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया था। बता दे कि शहर के सिदो-कान्हू चौक पर वीर शहीदों की प्रतिमा खंडित होने की घटना से आदिवासी समाज में गहरा आक्रोश है। अबुआ संथाल समाज भारत दिशोम की ओर से हजारीबाग के प्रधान कैफेटेरिया में प्रेस वार्ता आयोजित किया गया। वक्ताओं ने जिला प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है संथाल समाज के केंद्रीय उपाध्यक्ष नरेश हांसदा और समाजसेवी रामा सोनी ने कहा कि घटना के कई दिन बाद भी अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब चौक पर सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, तो अब तक दोषियों की पहचान क्यों नहीं हो सकी। समाज के सदस्यों ने चेतावनी दी कि अगर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करेंगे। उन्होंने इसे एक सोची-समझी साजिश करार दिया और कहा कि वीर शहीदों की प्रतिमा को तोड़ना न केवल अपराध है, बल्कि पूरे आदिवासी समाज का अपमान भी है। संथाल समाज ने प्रशासन से मांग की है कि शीघ्र दोषियों की गिरफ्तारी हो और प्रतिमा का पुनर्निर्माण कराया जाये।

नेशनल वॉलीबॉल में हजारीबाग की चमक

मैकेनिक का बेटा बना नेशनल वॉलीबॉल स्टार

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। सेंट्रल स्कूल मेरु के छात्र आरव ने नेशनल वॉलीबॉल टूर्नामेंट में रांची रीजन की टीम का हिस्सा बनकर पूरे जिले का नाम रोशन किया है। आरव अंडर-17 कैटेगरी में खेलते हैं और टीम में 'लिब्रो' की भूमिका निभाते हैं।

सफलता की ये कहानी एक साधारण परिवार से शुरू होती है। आरव के पिता जिला बोर्ड चौक पर एक छोटी-सी दुकान में मैकेनिक हैं। दिनभर ऑटो रिपेयर कर परिवार चलाते हैं, लेकिन बेटे की पढ़ाई और खेल में कभी समझौता नहीं किया। आरव की मां गृहिणी हैं, आज बेटे की सफलता पर भावुक होकर कहती हैंॅहमने सपना देखा था, आरव ने उसे सच कर दिखाया। आरव ने वॉलीबॉल की शुरुआत अपने घर के सामने एक खाली पड़े खेत में प्रैक्टिस करके की थी। जब उसके पास कोई कोच नहीं था, तो उसने यूट्यूब वीडियो देखकर खुद को तराशा। मेहनत रंग लायी एलपीयू यूनिवर्सिटी, पंजाब में हुए नेशनल टूर्नामेंट में उनकी टीम विजेता बनी। आरव के खेल का अंदाज मोहल्ले में चर्चा का विषय है। पड़ोसी कहते हैं जब आरव मैदान में उतरता है, बच्चे-बूढ़े सब उसका खेल देखने रुक जाते हैं। एक छोटे कस्बे से निकलकर नेशनल स्तर तक पहुंचना आसान नहीं था, लेकिन आरव ने यह कर दिखाया। अब वह राज्य और देश के लिए खेलने का सपना देख रहा है।

रोटरी क्लब ऑफ कोडरमा का इंस्टॉलेशन समारोह कल

झुमरीतिलैया (आजाद सिपाही)। रोटरी क्लब ऑफ कोडरमा द्वारा आगामी 29 जुलाई को क्लब के 67वें इंस्टॉलेशन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम शिव वाटिका, महाराणा प्रताप चौक, झुमरीतिलैया में शाम 6:30 बजे से आरंभ होगा। इस अवसर पर झारखंड सरकार की पूर्व मंत्री और कोडरमा विधायक डॉ. नीरा यादव को गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में आमंत्रित किया गया है, जबकि रोटेरियन अनु नारंग इस समारोह की मुख्य अतिथि होंगी। कार्यक्रम का उद्देश्य रोटरी वर्ष 2025-26 के लिए नव-निर्वाचित अध्यक्ष और निदेशक मंडल का औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण कराना है। यह आयोजन रोटरी क्लब की सेवा, एकता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को समर्पित रहेगा।

एएनएम नीलू कुमारी का पदस्थापन बिरसोडीह में

जयनगर(आजाद सिपाही)। प्रखंड में आयुष्मान आरोग्य मंदिर सतडीहा जयनगर कोडरमा में पद स्थापित एएनएम नीलू कुमारी को प्रशासनिक दृष्टिकोण से स्थानांतरित करते हुए उप स्वास्थ्य केंद्र बिरसोडीह में पदस्थापित किये जाने को लेकर कार्यालय जिला स्वास्थ्य समिति कोडरमा की ओर से पत्र निर्गत किया है। पत्र में कहा गया कि पत्र प्राप्ति के तीन दिनों के अंदर वह अपने नव पदस्थापना स्थल पर योगदान देना सुनिश्चित करेंगे। इधर इस आदेश को लेकर सतडीहा पंचायत वासियों में हर्ष का माहौल है। ज्ञात हो कि पहले भी नीलू कुमारी के खिलाफ कई बार ग्रामीणों ने आवेदन देकर स्थानांतरण की मांग की थी।

टायर फटने से मिनी बस पलटी, कई लोग घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

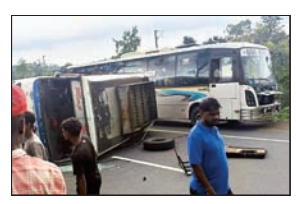

चंदवारा। चंदवारा थानां क्षेत्र अंतर्गत जामुखाडी के पास हजारीबाग से कोडरमा जा रही मिनी यात्री बस राज नंदनी बस संख्या जे एच 02 एफ 9649 रविवार सुबह अनियंत्रित होकर पलट गयी। घटना के बाद वहां अफरा-तफरी मच गयी। यात्री चीख-पुकार मचाने लगे। इस हादसे में कई यात्री घायल हो गये वही एक की स्थिति गंभीर बतायी गयी है। दुर्घटना के दौरान कुछ लोगों को मामूली चोटें भी पहुंची जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया। घायलों की पहचान शबाना खातून, रवि पासवान और दुर्गेश्वरी पासवान के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बस का टायर ब्लास्ट हो गया था जिसके बाद बस सड़क पर संतुलन खो बैठी और पलट गयी। बस मे 20 से अधिक यात्री सवार थे। हादसे के तुरंत बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया। घटनास्थल के आसपास मौजूद लोगों ने बस से यात्रियों को निकाला और फिर पुलिस को घटना की सूचना दी। घटना की सूचना के बाद एस आई मेघनाथ दुबे, एएसआई दिलीप मंडल दल बल के साथ पहुंच कर घटना की जानकारी ली व घायल यात्रियों को एम्बुलेंस से सदर अस्पताल भिजवाया जहां वे इलाजरत है। साथ ही दुर्घटनाग्रस्त मिनी बस को कब्जे में लेकर थानां ले गये।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी इश्वरीय विवि की बहनों ने विधायक प्रदीप को बांधी राखी

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। रक्षाबंधन पर्व से पूर्व रविवार को हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद के कार्यालय सभागार में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने एक सादगीपूर्ण और आध्यात्मिक वातावरण में विधायक प्रदीप प्रसाद को राखी बांधकर स्नेह, भाईचारे का संदेश दिया। शुरुआत बहनों द्वारा पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ तिलक, रोली-चावल और रक्षा सूत्र के साथ हुई। विधायक प्रदीप प्रसाद ने बहनों से राखी बंधवाकर भावुकता के साथ कहा कि यह राखी मात्र एक धागा नहीं, बल्कि विश्वास, सहयोग और आत्मिक सुरक्षा का प्रतीक है। यह पर्व भौतिक सुरक्षा से कहीं आगे, आत्मिक सशक्तिकरण और आध्यात्मिक रिश्तों को मजबूत करने का भी प्रतीक है। विधायक कार्यालय परिसर में कार्यक्रम के दौरान शांति, सौहार्द और दिव्यता का वातावरण व्याप्त था।

बरही के उज्जैना में प्रकट हुआ शिवलिंग

ग्रामीणों ने दूध और जल से किया जलाभिषेक

दर्शन के लिए दूर दराज से आ रहे श्रद्धालु

आजाद सिपाही संवाददाता

बरही। बरही प्रखंड अंतर्गत उज्जैना स्थित अरुण साहू निवास स्थान के समीप भगवान शिव के शिवलिंग प्रकट होने के बाद बड़ी संख्या में पूजा अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की लाइन लग गयीहै। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार गांव के कृष्णा साव अहले सुबह करीब 4 बजे अपना ऑटो लेकर इसी मार्ग से जा रहे थे, इसी क्रम में उनका ऑटो फंस जाता है। काफी प्रयास के बावजूद ऑटो नहीं निकलता है। जिसके बाद ऑटो चालक कृष्णा साव खुदाई करने लगता है, जिसके बाद वहां से शिवलिंग प्रकट हो जाता है। ऑटो चालक ने इस बात की जानकारी आस - पास के लोगों को दी। वहीं शिवलिंग प्रकट होने से लोगों में काफी उत्साह है, सैकड़ों के संख्या में लोग पहुंचकर पूजा पाठ कर रहे है।

ग्रामीणों ने दूध और जल से जलाभिषेक कर मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना की: धीरे - धीरे इसकी सूचना जैसे ही आस - पास के गांव में फैली। बड़ी संख्या में ग्रामीण पूजा अर्चना के लिए पहुंच गये। श्रद्धालुओं ने दूध और जल से जलाभिषेक पर मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना की। वहीं दर्जनों महिला भक्ति भजन कर रही है। वहीं स्थानीय ग्रामीण इसे चमत्कार बता रहे है और श्रावण माह में शिवलिंग का प्रकट होना शुभ मान रहे है। ग्रामीणों के अनुसार कल यानी सावन माह के तीसरी सोमवारी पर बड़ाकर नदी से जल उठाकर कई श्रद्धालु जलाभिषेक करने की योजना बना रहे है, वहीं कई श्रद्धालुओं ने उक्त जगह पर शिव मंदिर निर्माण करने की बात कह रहे है। गांव के कई लोग मिलकर मंदिर निर्माण की योजना पर विचार विमर्श भी कर रहे है। मौके पर सैकड़ों महिला व पुरुष मौजूद थे।

इधर उक्त जमीन पर दो अलग - अलग व्यक्ति बरही निवासी मो इबरार और बेंदगी निवासी रघु यादव ने मालिकाना हक जताते हुए थाना में लिखित आवेदन देकर शिकायत की है। उन्होंने कहा कि जिस जमीन पर शिवलिंग निकला है उसे जबरन धार्मिक रूप देकर जमीन पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं आवेदन मिलते हुए बरही पुलिस घटित मामले की गहन छानबीन कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

पुरनपनीया गांव के लोगों का सपना होगा पूरा, गांव में पहुंचेगी पक्की सड़क

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। इचाक प्रखंड मुख्यालय से लगभग 23 किलोमीटर दूर जंगलों में बसा आदिवासी बहुल गांव पुरनपनीया में अब पक्की सड़क पहुंचेगी। यहां के ग्रामीण पगडंडी और कच्ची सड़क से आवागमन करते थे। यहां के ग्रामीणों का वर्षों का सपना था कि आवागमन के लिए गांव तक पक्की सड़क बने जो अब पूरा होता दिख रहा है। पुरनपनीया गांव डाडी घाघर पंचायत का एक गांव है जहां 60 से 65 घर आदिवासी परिवार रहते हैं। यह गांव जंगलों और पहाड़ों से घिरा है। फॉरेस्ट के एनओसी नहीं मिलने के कारण गांव अब तक सड़क से महरूम रहा। कई बार सड़क बनाने की मांग को लेकर यहां के ग्रामीण आंदोलन का रास्ता अख्तियार कर डीसी और सरकार तक फरियाद कर चुके है, मगर उनकी मांग पूरी नहीं हुए। हजारीबाग के नये उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह को जब इसकी जानकारी मिली तो वे पानी में भींगते पुरनपनीया गांव पहुंच गये। वहां ग्रामीण और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से मिल समस्या को नजदीक से जाना और स्थल से ही वन विभाग और पथ निर्माण विभाग के पदाधिकारी से बात कर सभी अड़चनों को दूर करने को कहा। 10 दिन बाद ही पथ निर्माण विभाग के पदाधिकारी और वन विभाग के पदाधिकारी पुरनपनीया गांव तक पथ निर्माण के लिए आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कर दी। पथ निर्माण विभाग द्वारा स्थल का मुआयना कर डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। बता दें कि गांव में सड़क नहीं होने के कारण प्रसव से कराहती महिला और बीमार मरीज को खाट के सहारे अस्पताल पहुंचाया जाता था। स्थानीय मुखिया नंदकिशोर मेहता ने बताया कि मैं यहां की समस्या को लेकर वर्षों से प्रयासरत था। कई बार पूर्व में भी डीसी, सांसद, विधायक को समस्या से अवगत कराया था मगर किसी ने ध्यान नहीं दिया। जब नये उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह से मिलकर आवेदन सौंपा और मामले से अवगत कराया तो उन्होंने मामले का संज्ञान लिया और खुद पुरनपनीया गांव पहुंच गये। आज सड़क निर्माण के लिए मापी हो रही उम्मीद है जल्द सड़क बन जायेगी और यहां के ग्रामीणों का वर्षों का सपना पूरा होगा।

जेपीएससी 2023 के परिणाम में सफल हुए मनीष कुमार का किया गया स्वागत

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। झारखंड लोक सेवा आयोग 2023 के परिणाम में बड़कागांव अंबेडकर मोहल्ला के निवासी मनीष कुमार दास का चयन हुआ। जिसके बाद रविवार को बड़कागांव आगमन पर ब्लॉक मोड़ से जुलूस निकाला गया जिसमें जीडीएम चौक स्थित गुरदयाल महतो, जगदेव प्रसाद और डॉ भीमराव अंबेडकर के प्रतिमा माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। स्वागत जुलूस में खुले कार में भ्रमण करते हुए सभी का हाथ जोड़कर आशीर्वाद लिया। मौके पर उपस्थित उनके परिवार के सदस्य चाचा आजसू नेता रवि राम ने बताया कि मनीष का प्रारंभिक शिक्षा आदर्श मध्य विद्यालय बड़कागांव, मैट्रिक जवाहर नवोदय विद्यालय हजारीबाग बोंगा से 2015 मैट्रिक 85.5 प्रतिशत से उत्तीर्ण, इंटर 2017 65 प्रतिशत से उत्तीर्ण, स्नातक 2020 आनंद कॉलेज हजारीबाग 70 प्रतिशत से उत्तीर्ण हुए। हमारे समाज के गौरव की बात है इसी तरह से हमारे बच्चे आगे बढ़ते रहे। मौके पर पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, डॉक्टर बालेश्वर कुमार, प्रमुख प्रतिनिधि हेमंत भुइंया, समाजसेवी कालेश्वर साव, समाज के नगर अध्यक्ष रामेश्वर राम, राजू राम, कोषाध्यक्ष नरेंद्र राम, सचिव रघुनाथ राम, कोषाध्यक्ष रामवृक्ष राम, पंचायत समिति सदस्य कृष्ण राम, प्रकाश राम, आजसू केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा, मामा विनोद कुमार रवि, मौसा नारायण राम, जीजा महेश कुमार, फूफा राजेश राम, भैया कुणाल राजा, जीजा महेश कुमार, सूरज कुमार राम, अविनाश कुमार आहूजा, मिथुन राम, बैजनाथ राम, धर्मनाथ राम, संजय कुमार, नाम धारी राम, महेश राम, सहित अन्य लोग मौजूद थे।

110 शिवभक्त आज सुल्तानगंज होंगे रवाना

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। उम्मीद फाऊंडेशन के तत्वावधान में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन के महीने में भव्य नि:शुल्क कांवर यात्रा का आयोजन किया जायेगा। फाउंडेशन के संस्थापक संरक्षक विजय सिंह ने दिया बताया कि इस वर्ष 28 जुलाई को 110 शिव भक्तों का जत्था हजारीबाग स्थित पंचमुखी मंदिर से सुल्तानगंज के लिए रवाना होगा। कांवरियों के रवाना होने से पहले पंचमुखी मंदिर में आचार्य आशुतोष शास्त्री के नेतृत्व में रुद्राभिषेक और भंडारा का आयोजन किया जायेगा। इस दौरान ढोल नगाड़े के साथ नगर भ्रमण किया जायेगा। इस यात्रा में जिले के विभिन्न क्षेत्रों के श्रद्धालु शामिल होंगे। पंजीयन प्रक्रिया पूरी कर ली गयी है। श्री सिंह ने कहा कि सभी पंजीकृत कांवरियां को फोटो और मोबाइल नंबर सहित पहचान पत्र जारी किया जायेगा, जो यात्रा के दौरान सभी स्थलों पर प्रवेश का प्रमाण होगा। सभी श्रद्धालु बस के माध्यम से सुल्तानगंज पहुंचेंगे। वहां से उत्तरवाहिनी गंगा जल भरकर पैदल बाबा नगरी देवघर जायेंगे और जल अर्पण के बाद बाबा बासुकीनाथ धाम में दर्शन कर बस से हजारीबाग लौटेंगे। यह यात्रा कुल छ दिनों की होगी। मौके पर फाउंडेशन के सचिव निरंजन भारती, धर्मेंद्र सिंह, प्रतीक सिंह, संतोष साहू, सुमन राज टाइगर, नयन कुमार, दीप नारायण साहू, सोनू, अर्जुन यादव आदि उपस्थित थे।

ट्रेन में महिला से छेड़छाड़, मिली सहायता

कोडरमा (आजाद सिपाही)। ट्रेन में सफर कर रहे यात्री दंपत्ती को आरपीएफ की टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 139 के बजाये रेल मदद एप से मिली सहायता के बाद यात्रियों ने रेल प्रशासन के प्रति आभार जताया। जानकारी अनुसार (ट्रेन संख्या 07256) चारलापल्ली से पटना जा रही साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के नागपुर पहुंचने के पूर्व स्लीपर बोगी एस-5 में बर्थ संख्या 55 और 56 में सफर कर यात्री दंपत्ती के साथ शराब के नशे में चूर चार बदमाशों ने टीटीइ की मौजूदगी में छेड़छाड़ करना शुरू किया। घटना शनिवार देर रात 9:30 से 10:00 बजे की बतायी गयी है। जिसके बाद यात्री दंपत्ती ने आरपीएफ के टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 139 पर घटना की सूचना दी। लेकिन यात्री दंपत्ति को कोई सुरक्षा प्रदान नहीं मिली। मामला हद से ज्यादा बढ़ता देख ट्रेन के उसी बोगी के बर्थ संख्या 33 में सफर कर रहे एक अन्य यात्री कोडरमा के झुमरीतिलैया निवासी सह सामाजिक कार्यकर्ता राम रतन अवध्या जो हैदराबाद से मानवाधिकार और सामाजिक न्याय की बैठक से भाग लेकर लौट रहे थे। उन्होंने व्हाट्सएप के जरिए लिखित सूचना रेल मदद ऐप को भेजी। जिसके बाद रेल प्रशासन हरकत में आई, और धनवाद आरपीएफ ने सारी जानकारी प्राप्त करने के बाद कोडरमा आरपीएफ को इसकी सूचना दी। जिसके बाद ट्रेन के कोडरमा पहुंचने पर आरपीएफ की टीम ने सभी चारों बदमाशों को गिरफ्तार कर रेल न्यायालय धनबाद भेज दिया। आरपीएफ की इस कार्रवाई पर राम रतन अयोध्या सहित अन्य यात्रियों ने रेल प्रशासन के प्रति आभार जताया।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 28 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

आफताब की लाश मिली, सड़क पर उतरे लोग, हिंदू टाइगर फोर्स के नेता गिरफ्तार

आक्रोशित लोगों ने की सड़क जाम, पुलिस ने चटकायी लाठी

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ थाना से फरार आफताब अंसारी की लाश शनिवार की देर रात रजरप्पा थाना क्षेत्र से बरामद हुई। इस मामले में रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने त्वरित कार्रवाई करायी और हिंदू टाइगर फोर्स के नेता राजेश सिन्हा को गिरफ्तार किया है। इस पूरे मामले की जांच कर रहे पतरातू एसडीपीओ गौरव गोस्वामी ने आफताब के परिजनों को बताया कि रजरप्पा थाना क्षेत्र के लोदरू बेड़ा गांव के समीप दामोदर नदी के किनारे आफताब की लाश फंसी है। 24 जुलाई की दोपहर जब वह थाने से फरार हुआ होगा, तो शायद दामोदर नदी पार करने की कोशिश की होगी। इसी दौरान वह नदी में बह गया, जिसकी वजह से उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने आंदोलन कर रहे लोगों को रजरप्पा जाने को कहा, ताकि शव को बाहर निकाला जा सके।

आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम, कई गाड़ियों के शीशे तोड़े : रामगढ़ थाना से देर रात निकलने के दौरान मौजूद भीड़ अचानक अनियंत्रित हो गयी। वे लोग पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। थाना चौक पर लोगों ने कई गाड़ियों के शीशे तोड़ दिये। वहां टायर जला कर सड़क जाम कर दिया। हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने भी डंडे चटकाए और उपद्रवियों को खदेड़ा। इस दौरान एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी, एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, सार्जेंट मेजर मंटू यादव सहित कई जवान वहां मुस्तैद रहे।

हिंदू टाइगर फोर्स पर दो प्राथमिकी दर्ज, राजेश सिन्हा गिरफ्तार : एसपी : एसपी अजय कुमार ने रविवार को बताया कि इस पूरी घटना को शांत करने की कोशिश की जा रही है। हिंदू टाइगर फोर्स संगठन के नेताओं पर दो प्राथमिकी दर्ज हुई है। पहली प्राथमिकी आफताब अंसारी की पत्नी सालेहा खातून के बयान पर दर्ज हुई है। सालेहा ने बताया है कि उसका पति रामगढ़ शहर के चट्टी बाजार स्थित आर्सी गारमेंट में काम करता था। 23 जुलाई को उसके पति के विरुद्ध रामगढ़ थाने में यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज हुआ था। उसी दिन लगभग 3:00 बजे एक आई-10 कार से कुछ लोग दुकान में पहुंचे और घुसकर उसके पति के साथ मारपीट की। उसे घसीटते हुए दुकान से बाहर निकाला गया और कई लोगों ने आफताब को बेदर्दी से पीटा। इसके बाद घटनास्थल पर पुलिस पहुंची और उसके पति को थाने ले गयी। 24 जुलाई को 11:00 बजे तक उसका पति रामगढ़ थाने परिसर में ही उपस्थित था। जिसका गवाह भुरकुंडा निवासी अरुण गोयल है।

अर्शी गार्मेंट की पार्टनर नेहा सिंह ने दर्ज करायी प्राथमिकी: दूसरी प्राथमिकी अर्शी गार्मेंट की पार्टनर नेहा सिंह ने दर्ज करायी है। भदानीनगर ओपी की लपंगा कॉलोनी की रहने वाली नेहा सिंह ने बताया है कि अफताब अंसारी को हिंदू टाइगर फोर्स के लोगों ने दुकान से निकाल कर बुरी तरह पीटा। उस पर ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाकर जान मारने के नियत से पेट, सीना और गर्दन पर मुक्का और लात से मारपीट करने लगे। मारपीट के दौरान आफताब अंसारी जमीन पर गिर गया। तब भी वे लोग बुरी तरह मारते-पिटते घसीटकर बाहर रोड पर ले गये। जब हमलोग बचाने का प्रयास किये तो वे लोग हमारे साथ भी बतमीजी और छेड़छाड़ किये। इसी तरह आफताब हो दोबारा भीड़ से छुड़ाया गया। इस दौरान हिंदू टाइगर फोर्स के लोग धर्म विशेष को गाली भी दे रहे थे।

नेहा सिंह ने प्राथमिकी में कहा है कि मारपीट की घटना के संबंध में शहर के न्यू शांति सिनेमा हाल के पीछे बसंत विहार कॉलोनी निवास से दीपक सिसोदिया के द्वारा सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया गया था।

रिम्स में होगा आफताब अंसारी का पोस्टमार्टम : रामगढ़ थाना परिसर से फरार होने के 48 घंटे के बाद आफताब अंसारी की लाश दामोदर नदी से मिली। लाश का पोस्टमार्टम करने के लिए पुलिस रविवार को सदर अस्पताल पहुंची। यहां मेडिकल टीम बनाई गई थी और दंडाधिकारी की नियुक्ति भी हुई थी। एसपी अजय कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम करने के लिए पहुंची मेडिकल टीम ने देखा कि आफताब अंसारी की लाश काफी बुरी अवस्था में है। रामगढ़ सदर अस्पताल में जितनी व्यवस्था है उस आधार पर उसका पोस्टमार्टम हो पाना संभव नहीं है। मेडिकल टीम ने पोस्टमार्टम के लिए आफताब अंसारी की लाश को रिम्स रेफर कर दिया है।

पुख्ते सबूत के आधार पर रामगढ़ पुलिस कर रही कार्रवाई : एसपी

रामगढ़। जिले में दो दिनों से माहौल काफी अशांत होता दिखायी दिया है। एक तरफ थाने से फरार युवक आफताब अंसारी की दामोदर नदी में लाश मिली। दूसरी तरफ एक हिंदू नेता राजेश सिन्हा की गिरफ्तारी हुई। सारा मामला एक आदिवासी महिला के यौन शोषण से शुरू हुआ और बेहद गंभीर होता चला गया। एक तरफ कांग्रेसी नेताओं ने थाने का घेराव कर पुलिस पर गंभीर आरोप लगाये। दूसरी तरफ भाजपा नेता ने भी पुलिसिया कार्रवाई पर सवाल खड़े किये। इन सब के बीच रविवार की शाम रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने भी पूरी कार्रवाई से मीडिया को अवगत कराया। रामगढ़ थाने में जांच करने पहुंचे एसपी अजय कुमार ने स्पष्ट किया कि अभी तक जो भी कार्रवाई हुई है, वह पुख्ता सबूत के आधार पर किया गया है। किसी भी व्यक्ति के खिलाफ अनावश्यक कार्रवाई नहीं की गयी है। एसपी अजय कुमार ने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर विद्वेष फैलाने वालों पर भी कार्रवाई होगी। उन्होंने बताया कि पुलिस को ऐसे कई वीडियो और फोटो मिले हैं जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। पहले भी रामगढ़ जिले के युवाओं से अपील की गई है कि सोशल मीडिया का उपयोग विवेक के आधार पर करें। गलत तरीके से सोशल मीडिया का उपयोग समाज में विद्वेष पैदा करता है और वह गहरी खाई बन जाती है। अभी भी सोशल मीडिया पर अनावश्यक पोस्ट हो रहे हैं। पुलिस की उन सभी सोशल मीडिया अकाउंट पर निगाह है। सभी की सूची तैयार की जा रही है। रामगढ़ शहर में अगर सामाजिक ताना-बाना बिखरता है, तो उन सभी लोगों पर कार्रवाई होगी।

सांसद ने एसपी को सौंपा ज्ञापन, राजेश सिन्हा को न्याय देने की रखी मांग

रामगढ़(आजाद सिपाही)। जिले के भुरकुंडा से हिंदू नेता राजेश सिन्हा की गिरफ्तारी के बाद भाजपा उबल पड़ी है। रविवार के शाम सांसद मनीष जायसवाल रामगढ़ पहुंचे और उन्होंने राज्य सरकार पर राष्ट्र विरोधी ताकतों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक आदिवासी महिला का सहयोग करना हिंदू नेता राजेश सिन्हा को भारी पड़ गया। उन्होंने एक ऐसे अपराधी को पड़कर पुलिस को सौंपा था, जो आदिवासी महिला का यौन शोषण कर रहा था। उसका अश्लील वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल कर रहा था। पुलिस की लापरवाही से आरोपी आफताब अंसारी थाने से भागा और दुर्घटना का शिकार हो गया। लेकिन राज्य सरकार के मंत्रियों और सत्ता में शामिल नेताओं ने दबाव बनाकर अनैतिक तरीके से निर्दोष हिंदू नेता को साजिश का शिकार बनाया। रामगढ़ पुलिस ने इस मामले में राजेश सिन्हा पर जो कार्रवाई की, उसकी भाजपा कड़ी भर्त्सना करती है। कांग्रेसी नेताओं के द्वारा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी पर टिप्पणी की गई थी। सांसद मनीष जायसवाल ने उस टिप्पणी का भी करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा है कि एक आदिवासी महिला के साथ अन्याय हुआ और अपराधियों पर कार्रवाई करने की मांग पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने की थी। सभी भाजपाई और समाजसेवी भी यही काम करते हैं। अगर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करना बड़ा अपराध है, तो ऐसे अपराध हम रोज करेंगे। सांसद मनीष जायसवाल ने रामगढ़ पुलिस पर आपराधिक मामले को सांप्रदायिक रंग देने का आरोप लगाया। प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि झारखंड सरकार तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। एक विशेष समुदाय के दबाव में निर्दोष राजेश सिन्हा को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की कार्रवाई बेहद संदेहास्पद है। उन्होंने कहा कि इस गिरफ्तारी की घोर निंदा हो रही है। अगर पुलिस अभिलंब उन्हें रिहा नहीं करती है, तो वह भी जोरदार आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि एक आदिवासी महिला का यौन शोषण होता है। उसने थाने में प्राथमिक की भी दर्ज कराई। उसके समर्थक थाना परिसर में जिला प्रशासन के खिलाफ ही नारेबाजी करते हैं। खुद को आदिवासी की सरकार बताने वाली हेमंत सोरेन की सरकार में ही आदिवासी महिला को न्याय न दिलाकर, उल्टा निर्दोष लोगों पर कार्रवाई हो रही है। उन्होंने कहा कि झूठे और बेबुनियाद आरोप लगाकर गलत तरीके से रामगढ़ पुलिस दबाव में आकर काम कर रही है। इस मौके पर बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी, रणंजय कुमार, रंजीत पांडे, राजीव जायसवाल, शीतल सिंह, रूपा कुमारी, राजू चतुर्वेदी, रंजन फौजी, धनंजय कुमार पुटुस, सरदार अनमोल सिंह, विजय जायसवाल, सूर्यवंश श्रीवास्तव सहित कई भाजपा नेता शामिल थे।

सांसद तीर्थ यात्रा को लेकर मंझला चुंबा में बैठक

कुजू (आजाद सिपाही)। सांसद तीर्थ यात्रा को लेकर भाजपा मांडू मंडल ने मंझला चुंबा सचिवालय में कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों संग बैठक की। बैठक की अध्यक्षता मांडू मंडल अध्यक्ष तोकेश सिंह और संचालन मांडू विधानसभा मीडिया सांसद प्रतिनिधि रीमा कुमारी ने किया। बैठक में मुख्य रूप से हजारीबाग पूर्व जिलाध्यक्ष टुन्नू गोप और लोकसभा तीर्थ यात्रा प्रभारी जुगनू सिंह शामिल रहे। बैठक के दौरान आगामी 29 जुलाई को मंझलाचुंबा से सांसद तीर्थ यात्रियों का जत्था को रवाना करने का निर्णय लिया गया। बैठक में अतिथियों ने मौजूद ग्रामीणों को तीर्थयात्रा की विस्तृत जानकारियां दी। बैठक में मांडू विधानसभा सांसद प्रतिनिधि पुरूषोत्तम पांडेय, सांसद प्रतिनिधि विवेक गुप्ता, मंडल महामंत्री अशोक कुमार, उपाध्यक्ष रतन साहू, ज्ञानी साव, गुलाब साव, शम्भू सिंह, हरि सिंह, रामरुद्र सिंह, धीरण साव, समरेश सिंह, प्रेमा देवी समेत कई ग्रामीण शामिल रहे।

सहायक शिक्षिका रीना दास का निधन, शोक

गोला (आजाद सिपाही)। गोला के लालकृष्ण सोनमति मध्य विधालय के सहायक शिक्षिका रीना दास 45 वर्ष का निधन हो गया। निधन कि खबर के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है। रविवार को स्थानीय घाट में उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। बताया गया कि रीना कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित थी। शनिवार की रात को गोला के बनिया टोला स्थित आपने घर में अंतिम सांस ली। इनके निधन से झारखंड प्रदेश सहायक अध्यापक शिक्षक संघ के भागवत तिवारी, पंकज झा, शीला चक्रवर्ती, संजय पोद्दार, बबीता पोद्दार, सुनीता सिन्हा, पुतुल कुमारी, देवव्रत पोद्दार, संगीता सिन्हा, मंजू कीकर, ऊषा कीकर, अंजुम आर, फराह, सबनम, मंजू पाठक, संजय नायक, मृणालिनी बक्सी, मीरा कुमारी , सुमिता पोद्दार, सुनीता पोद्दार, दीपक नायक, अविनाश रजवार आदि थे।

वन महोत्सव में शामिल हुए सांसद

चतरा (आजाद सिपाही)। चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह ने आज सिमरिया में 76वें वन महोत्सव 2025 के अवसर पर वन और जलवायु परिवर्तन विभाग, चतरा दक्षिणी वन प्रमंडल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शरीक। इस मौके पर माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किये गये एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कर मां प्रकृति को समर्पित भाव से हरियाली का संदेश दिया। इस दौरान सिमरिया विधायक उज्ज्वल दास, चतरा विधायक जनार्दन पासवान सहित अन्य सम्मानित लोग मौजूद थे। इसके अलावा चतरा जिला कुम्हार (प्रजापति) महासंघ की ओर से महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती सह प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि चतरा लोकसभा क्षेत्र के सांसद कालीचरण सिंह जी ने शिरकत की। कार्यक्रम में समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया।

नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का हुआ शुभारंभ

पतरातू (आजाद सिपाही)। सांसद खेल महोत्सव 2025 के तहत रविवार को इमली ग्राउंड जनता नगर पतरातू में नमो फुटबॉल टूर्नामेंट आयोजन किया गया। टूर्नामेंट में बतौर मुख्य अतिथि सांसद प्रतिनिधि सदस्य राजाराम प्रजापति शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने मसाला जलाकर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ किया टूर्नामेंट में कुल 42 टीम ने भाग लिया। उद्घाटन मैच कटिया बनाम इचापीरी के बीच खेला गया। इस मौके पर छत्तीसगढ़ के नगर कार्यवाह प्रशांत सिंह प्रदेश प्रवक्ता किसान मोर्चा अनिल राय किशोर महतो, पूर्व मुखिया वीरेंद्र झा, गणेश ठाकुर, अखिलेश सिंह, विकास श्रीवास्तव, रहीम अंसारी, मनोज कुमार वर्मा, भगवान सिंह, राजेश यादव सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

करमा की लीलावती बनी जेएलकेएम पार्टी की केंद्रीय महासचिव, समर्थकों ने दी बधाई

कुजू (आजाद सिपाही)। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो ने मांडू प्रखंड के करमा निवासी लीलावती देवी को केंद्रीय महासचिव सह संस्थापक सदस्य के रूप में मनोनीत किया है। पार्टी सुप्रीमो जयराम महतो ने आयोजित वार्षिक अधिवेशन में इसकी घोषणा कर पार्टी के प्रति निष्ठा, समर्पण और योगदान को देखते हुए लीलावती देवी को एक नयी जिम्मेवारी के साथ नियुक्ति प्रमाण पत्र सौंपा है। उन्होंने लीलावती देवी पर पूर्ण विश्वास जताते हुए जारी नियुक्ति प्रमाण पत्र के माध्यम से कहा कि आप अपने उत्तरदायित्व का निष्ठा, ईमानदारी और संगठन के मूल आदर्शों के अनुरूप निर्वहन करेंगे। मनोनीत केंद्रीय महासचिव लीलावती देवी ने केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो का आभार प्रकट करते हुए कहा कि केंद्रीय नेतृत्व द्वारा जिस उम्मीद और आशान्वित के साथ हमें इतना बड़ा दायित्व सौंपा गया है। उसे ईमानदारी और समर्पण भाव के साथ आज से ही पार्टी संगठन मजबूती के साथ निर्वहन करने का कार्य करूंगी। लीलावती देवी का केंद्रीय महासचिव के रूप में मनोनयन बाद पार्टी के समर्थको ने उन्हें बधाई दी है।

जेपीएससी में सफल मिथुन का गांव वालों ने किया स्वागत

गोला (आजाद सिपाही)। जेपी एस सी में सफल होने पर मिथुन कुमार मुंडा का भव्य स्वागत किया गया। वह रांची से अपने घर गोला प्रखंड का कुज्जू कलां गांव रविवार को पहुंचे। गांव पहुंचने पर लोगों ने बैंड बजा और मुलमाला के साथ जोरदार स्वागत किया। ग्रामीणों ने बताया कि गांव का लड़का डीएसपी बना है। इससे खुशी कि बात और क्या हो सकती है। बताया गया कि मिथुन रांची में रहकर ही सिविल सेवा की तैयारी कर रहे थे। उनके पिता रजरप्पा प्रोजेक्ट में नौकरी करते है। पूरा परिवार प्रोजेक्ट में ही रहता है। कांग्रेस जिला मीडिया प्रभारी कमलेश कुमार महतो ने अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। साथ ही उनके उज्जवल भविष्य कि कामना किया।

डोभा में डूबने से बच्चे की मौत

पतरातू (आजाद सिपाही)। पतरातू प्रखंड के तालाटाड़ पंचायत के बरतुआ गांव के भुइयां टोला निवासी दिनेश भुइयां का पुत्र जय किशन उम्र लगभग 10 वर्ष डोभा में डूबने से मौत हो गयी। ग्रामीणों के सहयोग से परिजनों द्वारा उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पतरातू लाया गया। जहां डॉक्टर नितिन तुलस्यान ने बताया कि अस्पताल लाने से पहले ही बच्चे की मौत हो चुकी थी।

मुखिया बनी रसोइया, शिक्षा विभाग मौन

लावालौंग / चतरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के सिलदाग पंचायत के प्राथमिक विद्यालय तिलोरवातरी में प्रबंधन से लेकर विभाग तक की बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। ज्ञात हो कि उक्त विद्यालय में पूर्व से इसी गांव की कसीदा देवी रसोईया के पद पर पदस्थापित थी। परंतु विगत तीन वर्ष पूर्व हुए मुखिया के चुनाव में कसीदा देवी मुखिया चुनाव लड़ी और मुखिया बन गयी। विभागीय नियमावली के अनुसार पदभार ग्रहण करने से पूर्व मुखिया को अपने पूर्व पद से त्यागपत्र देना था। परंतु मुखिया पति ने दबंगई से विद्यालय प्रबंधन पर दबाव बनाते हुए ना ही मुखिया का त्यागपत्र कराया और ना ही नये रसोईया के नाम से खाता ट्रांसफर कराया। वर्तमान में रसोईया का कार्य मुखिया की सास करती है। जिनके नाम का खाता वगैरह यानी कोई भी जिक्र स्कूल में नहीं है। मुखिया(कसीदा देवी) की सासू मां ने बताई कि मैं खाना बनाती हूं। उससे जो पैसा मिलता है, मांगने पर उसमें से कभी कभी मुझे मेरे बेटे रंजीत भारती द्वारा दिया जाता है। मामला उजागर होने के बाद प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी ने पत्र निर्गत कर त्वरित जांच का आदेश बीआरपी अनिल गुप्ता और आपरेटर रंजीत कुमार को दिया। जांच के बाद उन्होंने बताया कि जांच के दौरान प्रधानाध्यापक सुरजीत यादव विद्यालय में अनुपस्थित था। फोन करने पर वह फोन रिसीव नहीं किया। हालांकि जांच और कार्यालय दस्तावेजों की जांच के बाद कसीदा देवी का ही नाम खाते में पाया गया है। बीपीओ ईश्वर राम ने बताया कि प्रधानाध्यापक सुरजीत यादव द्वारा वर्षों से विभाग को जानकारी न देकर गुमराह करने का कार्य किया गया है। इस पर कड़ी कार्रवाई करते हुए स्पष्टीकरण और अब तक भुगतान किये गये राशि का रिकवरी किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पंचायत के प्रमुख पद पर आसीन होने के बावजूद इस प्रकार का कार्य पंचायत के साथ भी धोखाधड़ी है।

दिव्यांग के पोस्ट के बाद डीसी ने लिया संज्ञान, व्हीलचेयर देने का निर्देश

गोला (आजाद सिपाही)। गोला रोड रेलवे क्रॉसिंग के समीप भीख मांगकर दिव्यांग अर्जुन महतो अपना जीविका चला रहा था। काफी कठिनाई के बीच में वह भीख मांग रहा था। इसे देखते हुए सुसेन दत्ता ने एक्स पर उपायुक्त रामगढ़ को इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर के लिए भावनात्मक पोस्ट किया। इसपर उपायुक्त ने संज्ञान लेते हुए जल्द दिव्यांग अर्जुन को इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर देने का निर्देश दिया है। इधर इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर मिलने की जानकारी के बाद अर्जुन बेहद खुश है। बताया गया कि दिव्यांग होने के कारण वह सड़क के किनारे रहकर कई वर्षो से भीख मांग रहा है। लेकिन इसपर कोई ध्यान नहीं दिया। जिसके कारण वह सरकारी सुविधा से वंचित था।

'निहुर-निहुर रोपे धान गोरिया...' जैसे गीत गुनगुना कर धान रोप रही हैं महिलाएं

सावन महीना आते ही कृषक महिला पुरुष खेतो पर धनरोपनी में जुटे

निरंजन महतो

रजरप्पा। रामगढ़ चितरपुर दुलमी और गोला क्षेत्र मे अहले सुबह किसान हल-बैल लेकर खेतों मे उतर गये है, खेतो की जुतायी कोड़ाई शुरू हो गयी है, सावन महीना के आगमन होते ही महिलाएं धनरोपनी काम मे जुड़ गई है और अपने अपने खेत मे धान रोपने का काम प्रारंभ कर दिया गया है हलाकि एक महीना तक लगातार मुसलाधार वारिस होने के कारण कृषक हताश और निराश हुए तथा किसानों के समक्ष कठिन समस्या उत्पन्न हो गयी थी विकट परिस्थिति मे कठिन मेहनत का सामना करना पड़ रहा है, अत्यधिक वर्षा होने से धान का विचड़ा खेतो मे सड़ गल गया जिससे धान की रोपाई करने मे लगभग 15 दिनों से अधिक पिछड़ गया और लगभग दो सप्ताह धान बीज की रोपाई मे देरी हो गयी। फिर भी साल भर मे एक महत्वपूर्ण फसल धान की खेती की जाती है और हिम्मत नहीं हारे, किसानों को मौका मिलते ही हल बैल लेकर खेत मे जमकर धनरोपनी कार्यों मे कृषक व्यस्त है अबतक लगभग 15 % से 20% तक धान की रोपाई हो गयी है, खेतो की धन रोपनी में महिलाओं की अहम भूमिका रहती है और खेतों मे धान की रोपाई करते महिलाए गीत गाने से चुके नहीं और रिमझिम रिमझिम झमाझम वारिस के बीच अपने खेतो मनमोहक गीत भी गाते गये की निहुर निहुर रोपे धान गोरिया रिमझिम वरसे रे बदरिया, रामगढ़, चितरपुर और दुलमी क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों मे तेजी से धान रोपनी काम शुरू हो गयी है। साल भर का एक महत्वपूर्ण फसल धान खेती है जिससे पूरा परिवार आश्रित रहता है वर्तमान स्थिति अनुसार खेतों में शत प्रतिशत धान की रोपाई करने मे और एक सप्ताह से अधिक का और समय लग सकता है।

हंटरगंज से दो साल की बेटी के साथ मां हुई लापता

हंटरगंज/चतरा(आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के उरैली पंचायत अंतर्गत पाती गांव में अपने मायके में आई महिला और उसकी दो साल की बेटी पिछले 14 जुलाई से लापता है। इस बाबत लापता महिला के पिता पाती गांव निवासी चमन यादव पिता स्व. चंद्रदेव यादव ने हंटरगंज थाना में आवेदन दिया हैं। इसमें बताया की मेरी पुत्री सुधा देवी की शादी 6 वर्ष पूर्व बिहार के शेरघाटी थाना क्षेत्र के नकन्नूपा गांव निवासी अशोक यादव के साथ हुई थी। बेटी और मेरी नतनी मेरे घर आई हुई थी। बेटी बोली की हम ससुराल जायेंगे इसके बाद मेरी पत्नी चौदह जुलाई को उसे हंटरगंज कौलेश्वरी मोड़ में एक टेम्पू पर बैठा दी थी। जब दूसरे दिन बेटी के मोबाइल में कॉल लगाया तो मोबाईल स्वीच ऑफ था। उसके पड़ोसी को कॉल करने पर उन्होंने बताया कि यहां आपकी बेटी और नतनी नहीं पहुंची है। इसके बाद लापता महिला के पिता ने नकनुप्पा जाकर खुद जांच की, लेकिन कही पता नही चला। चमन ने अपने स्तर से काफी खोजबीन की, परंतु कोई सुराग नहीं मिला तब थक हार कर रविवार शाम हंटरगंज थाना पुलिस को आवेदन दी है। पुलिस लापता महिला की खोजबीन कर रही हैं।

डीएवी क्लस्टर खेलकूद प्रतियोगिता में तीन गोल्ड मेडल हंटरगंज की बेटी सोनाली को

आजाद सिपाही संवाददाता

हंटरगंज/चतरा। डीएवी क्लस्टर खेल कुद प्रतियोगिता के योगा मे चतरा डीएवी की छात्रा सह हंटरगंज प्रखंड के तरवागडा पंचायत अंतर्गत सोखा गांव निवासी देवधारी यादव की पुत्री सोनाली कुमारी ने तीन गोल्ड मेडल हासिल कर ना सिर्फ स्कूल बल्कि हंटरगंज प्रखंड सहित चतरा जिला की भी नाम रौशन की है। रविवार को स्थानीय मुखिया दिलीप कुमार दास और ग्रामीण उनके घर जाकर सम्मानित किया। मुखिया समेत ग्रामीणों ने मिठाई खिलाकर उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि सोनाली की इस सफलता ने पुरे क्षेत्र का मान सम्मान बढायी है। उन्होंने सोनाली के नेशनल प्रतियोगिता में इस तरह का प्रदर्शन कर राष्ट्रीय स्तर पर अपने माता पिता और इस क्षेत्र का नाम रौशन करने की कामना किया। ज्ञात हो कि सोनाली ने रांची के हेहल में आयोजित प्रतियोगिता में कई चरणों के प्रतिस्पर्धा के बाद विजेता घोषित की गयी थी। तत्पश्चात उसे 3 गोल्ड मेडल तथा कप देकर सम्मानित किया गया। डीएवी स्कूल चतरा योगा शिक्षक धर्मेंद्र कुमार की देखरेख और बेटी की मेहनत ने रंग लायी है। सोनाली ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता पिता और गुरुजनों को दी है। इसके सफलता से पूरे प्रखंडवासी गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 28 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

थाइलैंड-कंबोडिया जंग में ट्रंप की एंट्री

दक्षिण-पूर्व एशिया में पिछले चार दिन से चल रही सीमा झड़प के बीच अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मध्यस्थता ने राहत की उम्मीद जगा दी है। थाईलैंड और कंबोडिया, जिनके बीच सीमा पर लगातार गोलीबारी हो रही थी, अब संघर्ष विराम पर बातचीत को तैयार हो गये हैं। थाइलैंड-कंबोडिया सीमा पर गुरुवार को एक सुरंग में विस्फोट से शुरू हुई झड़प अब तक 33 लोगों की जान ले चुकी है और करीब 1.68 लाख लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो चुके हैं। दोनों देशों के सैनिक अब भी कई इलाकों में आमने-सामने डटे हुए हैं। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि उन्होंने थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथाम वेचायाचाई और कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट से बात की है। ट्रंप ने दो टूक कहा कि अगर झड़प नहीं रुकी तो अमेरिका किसी भी तरह का व्यापार समझौता आगे नहीं बढ़ायेगा। इसके बाद दोनों देश संघर्षविराम पर बातचीत के लिए राजी हो गये। कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने कहा कि हम तत्काल और बिना शर्त संघर्षविराम के लिए तैयार हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने थाई पीएम से बात की और अब थाइलैंड भी हमले रोकने पर सहमत हो गया है। यह दोनों देशों के सैनिकों और लोगों के लिए अच्छी खबर है। मानेट ने अपने उप-विदेश मंत्री प्राक सोखोन को जिम्मेदारी दी है कि वे अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो से समन्वय करें और थाई विदेश मंत्री से सीधी बातचीत कर संघर्षविराम को जमीन पर उतारें। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने कहा कि फुमथाम ने ट्रंप को धन्यवाद दिया और साफ किया कि उनका देश संघर्षविराम पर बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन कंबोडिया को इसमें ईमानदारी दिखानी होगी। थाई पीएम ने जल्द से जल्द द्विपक्षीय वार्ता की अपील भी की है। हालांकि, थाई सेना की उप प्रवक्ता कर्नल रिचा सुक्सोवानोंत ने कहा कि ट्रंप की मध्यस्थता एक अलग पहल है, लेकिन जमीन पर गोलाबारी फिलहाल बंद नहीं होगी। रविवार तड़के भी कंबोडियाई सेना ने थाईलैंड के सुरिन प्रांत में भारी गोलीबारी की। उन्होंने कहा कि संघर्षविराम तभी लागू होगा जब कंबोडिया औपचारिक बातचीत शुरू करेगा।सीमा पर तनाव का कारण वर्षों पुराना सीमा विवाद है। इस बार बृहस्पतिवार को सुरंग में हुए विस्फोट में थाईलैंड के पांच सैनिक घायल हुए, जिसके बाद दोनों तरफ से भारी हथियारों से गोलीबारी शुरू हो गयी। दोनों देश एक-दूसरे पर हमले शुरू करने का आरोप लगा रहे हैं। फिलहाल ट्रंप की कूटनीतिक कोशिशों से उम्मीद जगी है कि हजारों बेघर लोगों को सुरक्षित घर वापसी का मौका मिल सकेगा, लेकिन जमीनी हालात बताते हैं कि सीमा पर तनाव अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने कहा कि फुमथाम ने ट्रंप को धन्यवाद दिया और साफ किया कि उनका देश संघर्षविराम पर बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन कंबोडिया को इसमें ईमानदारी दिखानी होगी।

अभिमत
आजाद सिपाही

भारत और ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए), ऑस्ट्रेलिया, यूरोप के मुक्त व्यापार समझौते और संयुक्त अरब अमीरात सहित अन्य विकसित देशों के साथ इसी तरह के समझौतों के अनुरूप है। यह मोदी सरकार के विकसित भारत 2047 के स्वप्न को साकार करने के क्रम में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को अधिकतम करने की रणनीति का एक हिस्सा है।

ऐतिहासिक भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता-नये भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि

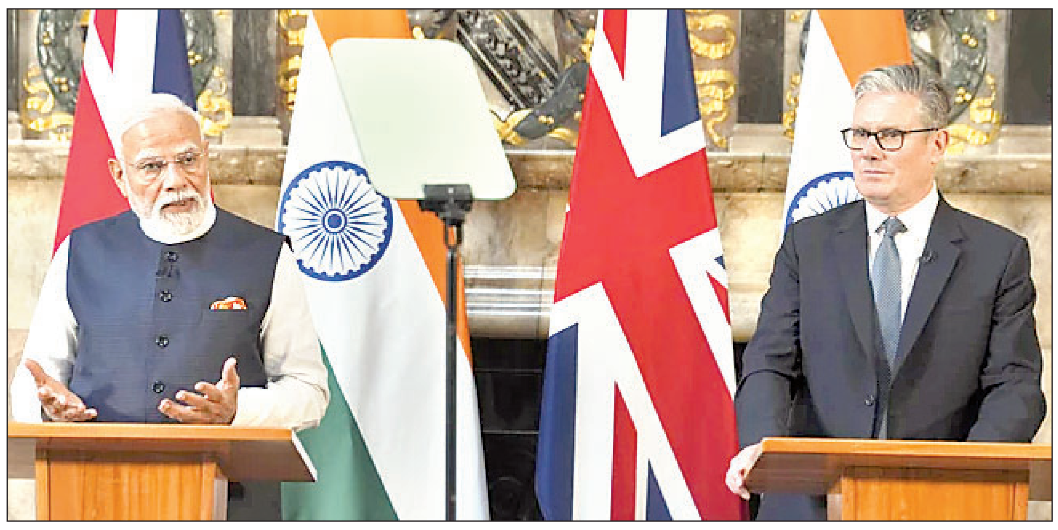

पीयूष गोयल

भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीइटीए) भारतीय किसानों, मछुआरों, कारीगरों और व्यवसायों को वैश्विक स्तर पर पहचान देने के साथ-साथ रोजगार के असंख्य अवसरों का सृजन करेगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप लोगों को प्रतिस्पर्धी दरों पर उच्च-गुणवत्ता वाली वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता प्रदान करेगा। भारत और ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीइटीए), ऑस्ट्रेलिया, यूरोप के मुक्त व्यापार समझौते और संयुक्त अरब अमीरात सहित अन्य विकसित देशों के साथ इसी तरह के समझौतों के अनुरूप है। यह मोदी सरकार के विकसित भारत 2047 के स्वप्न को साकार करने के क्रम में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को अधिकतम करने की रणनीति का एक हिस्सा है।

प्रधानमंत्री की रणनीति : वर्ष 2014 में मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को पुनः स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनायी। विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर हस्ताक्षर करना, इस व्यापक रणनीति का एक हिस्सा है। एफटीए, व्यापार नीतियों के बारे में अनिश्चितताओं को दूर करते हुए निवेशकों का विश्वास भी बढ़ाते हैं।

मोदी के नेतृत्व में भारत का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2014 से लगभग तीन गुना बढ़कर लगभग 331 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

विकसित देशों के साथ एफटीए, जिनके भारत के साथ प्रतिस्पर्धी व्यापारिक हित नहीं हैं, दोनों पक्षों के लिए लाभप्रद है, जबकि पिछली सरकार ने भारत के दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने का रवैया अपनाया था।

यूपीए शासनकाल में विकसित देशों ने भारत के साथ व्यापार वार्ता लगभग रोक दी थी और उस समय भारत को दुनिया की पांच कमजोर अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत का सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2014 से लगभग तीन गुना बढ़कर लगभग 331 लाख करोड़ रुपये हो गया है। क्रांतिकारी सुधारों, व्यापार में आसानी और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आकर्षक गंतव्य के रूप में उभरने में सहायता की है। आज, दुनिया भारत की अद्भुत गाथा में भागीदारी के साथ-साथ एफटीए पर हस्ताक्षर करना चाहती है।

बाजार पहुंच, प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त : यह एफटीए ब्रिटेन के बाजार के सभी क्षेत्रों में भारतीय वस्तुओं के लिए व्यापक बाजार पहुंच सुनिश्चित करेगा। यह लगभग 99 प्रतिशत टैरिफ लाइनों के टैरिफ को समाप्त करते हुए व्यापार मूल्य के लगभग 100 प्रतिशत को कवर करता है। इस समझौते के अंतर्गत 56 बिलियन डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार से सृजित होने वाले व्यापक अवसरों के वर्ष 2030 तक दोगुना होने का अनुमान है।

छोटे व्यवसाय समृद्ध होंगे, क्योंकि भारतीय उत्पादों को प्रतिद्वंद्वियों पर स्पष्ट प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल होगी। फुटबॉल, क्रिकेट उपकरण, रग्बी गेंदें और खिलौने बनाने वाली कंपनियों का ब्रिटेन में अपने कारोबार में उल्लेखनीय विस्तार होगा।

असंख्य रोजगार : आकर्षक बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त से निर्यात स्थायित्व के साथ-साथ निवेश और रोजगार सृजन में वृद्धि होगी। भारत वस्त्र, चमड़ा और जूते से जुड़े क्षेत्रों में ब्रिटेन को आपूर्ति करने वाले तीन प्रमुख आपूर्तिकर्ताओं में से एक बनने की शानदार स्थिति में है और इससे भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में प्रमुख क्षमता के रूप में उभरने में सहायता मिलने के साथ ही यह छोटे व्यावसायियों, कारीगरों और महिलाओं को भी सहायता प्रदान करेगा। रत्न एवं आभूषण, इंजीनियरिंग सामान, रसायन और फोन जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्यात में भी वृद्धि होने की आशा है।

किसान प्रथम : 95 प्रतिशत से अधिक कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य टैरिफ लाइनों पर शून्य शुल्क लगेगा, जिससे कृषि-निर्यात और ग्रामीण समृद्धि में तीव्र वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा।

शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच से अगले तीन वर्षों में कृषि निर्यात में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि होने का अनुमान है, जो वर्ष 2030 तक भारत के 100 अरब डॉलर के कृषि-निर्यात के लक्ष्य को पूरा करने में योगदान देगा। यह मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भारतीय किसानों के लिए प्रीमियम ब्रिटिश बाजार को खोल देगा, जो जर्मनी, नीदरलैंड और अन्य यूरोपीय संघ के देशों को मिलने वाले लाभों के बराबर या उससे भी अधिक होगा। हल्दी, काली मिर्च, इलायची और प्रसंस्कृत उत्पाद जैसे आम का गूदा, अचार और दालों को भी शुल्क-मुक्त पहुंच प्राप्त होगी। निर्यात बढ़ने से कृषि आय में वृद्धि होगी तथा गुणवत्ता, पैकेजिंग और प्रमाणन को अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। इससे कृषि मूल्य श्रृंखला में रोजगार के असंख्य अवसर सृजित होंगे।

कमजोर वर्गों की सुरक्षा-घरेलू किसानों की सुरक्षा के लिए एफटीए में भारत के सबसे संवेदनशील कृषि क्षेत्रों को बाहर रखा गया है। भारत ने डेयरी उत्पादों, सेब, जई और खाद्य तेलों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। ये रियायतें, मोदी सरकार की खाद्य सुरक्षा, घरेलू मूल्य स्थिरता और कमजोर कृषक समुदायों को प्राथमिकता देने की रणनीति को रेखांकित करती हैं।

मछुआरों का विकास-भारतीय मछुआरे, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश, ओड़िशा, केरल और तमिलनाडु के मछुआरे, ब्रिटेन के समुद्री आयात बाजार तक पहुंच के माध्यम से उल्लेखनीय विस्तार का अनुभव करेंगे। झींगा और अन्य समुद्री उत्पादों पर ब्रिटेन का आयात शुल्क वर्तमान 20 प्रतिशत से घट कर शून्य हो जायेगा। यह संभावना अभूतपूर्व है, क्योंकि ब्रिटेन के 5.4 अरब डॉलर के समुद्री आयात में भारत की हिस्सेदारी केवल 2.25 प्रतिशत है।

सेवाएं और पेशेवर : यह समझौता आइटी/आइटीइएस, वित्तीय सेवा और शिक्षा सहित विभिन्न सेवाओं को गति प्रदान करेगा और भारतीयों के लिए नवीन अवसरों का सजृन करेगा। इस समझौते में संविदा सेवा प्रदाता, व्यावसायिक यात्री, निवेशक, योग प्रशिक्षक, संगीतकार और रसोइये सहित कुशल पेशेवरों के लिए भारत ने अनुकूल गतिशीलता प्रावधान सुनिश्चित किए हैं।

अभिनव एफटीए : प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, भारत के एफटीए में वस्तुओं और सेवाओं के अलावा अन्य महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं। इस एफटीए ने नये मानक स्थापित किये हैं। इस इएफटीए के साथ भारत ने 100 अरब डॉलर के निवेश की बाध्यकारी प्रतिबद्धता हासिल की है, जिससे भारत में 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे।

ऑस्ट्रेलिया के एफटीए के साथ भारत ने दोहरे कराधान के मुद्दे का समाधान किया, जो आइटी कंपनियों के लिए एक बाधा बना हुआ था। इस एफटीए का एक सबसे महत्वपूर्ण पहलू दोहरा अंशदान समझौता है। यह ब्रिटेन में नियोक्ताओं और अस्थायी भारतीय कर्मचारियों को तीन वर्षों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट देता है। इससे भारतीय सेवा प्रदाताओं की प्रतिस्पर्धा में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

उपभोक्ताओं के लिए गुणवत्तापूर्ण वस्तुएं : व्यापार समझौते प्रतिस्पर्धा बढ़ाते हैं, जिससे भारतीय उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च-गुणवत्ता युक्त वस्तुएं प्राप्त करने में सहायता मिलती है। मोदी सरकार ने गुणवत्ता को प्रोत्साहन और बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन प्रदान किया है, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी किये हैं और मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) पर वातार्लाप किया है।

सरकार ने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने से पहले उद्योग जगत और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक हितधारक परामर्श किया है। यह जानकर प्रसन्नता का अनुभव होता है कि उद्योग निकायों ने मोदी सरकार द्वारा हस्ताक्षरित प्रत्येक मुक्त व्यापार समझौते का भारी समर्थन और स्वागत किया गया है।

सीइटीए बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी व्यापार समझौतों के लिए एक मानक है। यह हमारे मूल हितों से समझौता किये बिना, वंचित समुदायों के लिए आकर्षक वैश्विक अवसरों के द्वार खोलता है। यह इस बात का एक ज्वलंत उदाहरण है कि नया भारत व्यापार किस प्रकार करता है।

(लेखक : भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं)

कोल्हान की खबरें

शंकर चंद्र हेंब्रम ओड़िशा से स्वस्थ होकर लौटे झामुमो नेताओं ने घर पहुंच कर हालचाल जाना

आजाद सिपाही संवाददाता

मुसाबनी। पूर्वी सिंहभूम जिले के वरिष्ठ आंदोलनकारी सह नाशूश (नक्सल प्रभावित क्षेत्र में संघर्षशील) नेता शंकर चंद्र हेम्ब्रम की तबीयत बीते दिनों अचानक बिगड़ गई थी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री के निर्देश पर स्थानीय विधायक सह झारखंड सरकार में मंत्री रामदास सोरेन की देखरेख में उन्हें बेहतर इलाज के लिए भुवनेश्वर (उड़ीसा) के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों की निगरानी और समुचित इलाज के बाद अब उनकी सेहत में सुधार हुआ है। वे स्वस्थ होकर घर लौट आए हैं। उनके घर लौटने की खबर मिलते ही रविवार को झामुमो नेता राजेश सामंत,जिला परिषद सदस्य खगेन महतो, आंदोलनकारी मनोहर हुसैन एवं आंदोलनकारी छोटेलाल सरदार उनके मुसाबनी स्थित आवास पर पहुंचकर उनका हालचाल जाना और शीघ्र स्वस्थ होने पर प्रसन्नता जताई।झामुमो नेता राजेश सामंत ने कहा शंकर चंद्र हेम्ब्रम झारखंड आंदोलन की एक मजबूत कड़ी रहे हैं। उनके संघर्ष का योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। वे हमेशा गरीब, वंचित और आदिवासी समाज की आवाज बने रहे हैं। उनका स्वस्थ रहना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व और प्रेरणा की बात है। मौके पर परिजनों ने इलाज और सहयोग के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मंत्री रामदास सोरेन और प्रशासन के प्रति आभार जताया। वहीं स्थानीय ग्रामीणों और समर्थकों ने भी उनके स्वस्थ होकर लौटने पर राहत की सांस ली।

बीडीओ ने आवास को 10 दिन में पूरा करने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

बोड़ाम। जुगसलाई विधानसभा स्थित बोड़ाम प्रखंड में बीडीओ किकू महतो ने जेई, एई और पंचायत सचिवों के साथ अबुआ आवास योजना 2024-25 के लंबित कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बोंटा, पातीपानी और डांगडुंग गांवों में आदिम जनजाति समुदाय (बिरहोर, पहाड़िया, सबर) के लाभुकों को 10 दिनों के भीतर आवास निर्माण पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। बीडीओ ने सवाल उठाया 2 लाख की योजना में अब तक 1.80 लाख दिए जाने के बावजूद निर्माण अधूरा क्यों है। उन्होंने चेतावनी दी कि देरी पर कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने बताया बोड़ाम प्रखंड की 12 पंचायतों में कुल 1400 लाभुकों को योजना का लाभ मिला, जिनमें अधिकांश आवास पूरे हो चुके हैं। शेष योजनाओं की जांच कर जल्द से जल्द कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया।

महिला सशक्तिकरण के लिए जनप्रतिनिधियों की बैठक, पांच गांव की सैकड़ों महिलाएं शामिल

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। मुसाबनी प्रखंड के धोबनी गांव में स्वाधीना संस्था द्वारा महिला सशक्तिकरण को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। रविवार को बैठक में आस पास के पांच गांवों की लगभग 130 महिलाएं शामिल हुईं।बैठक की शुरूआत प्रेरणादायक गीत से की गई। स्वाधीना की सचिव सास्वती रॉय पटनायक ने स्वागत भाषण देते हुए बैठक के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।इस अवसर पर मुखिया सुकुरमणि हेम्ब्रम, सीडब्ल्यूएस की सुप्रिति मुर्मू, अभा सिन्हा, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के सिद्धार्थ जयसवाल सहित कई वक्ताओं ने आदिवासी महिलाओं की भूमिका,जैविक खेती और सशक्तिकरण के आयामों पर चर्चा की। मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य खगेन महतो ने हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया और महिला सशक्तिकरण संबंधी मांग पत्र प्राप्त किया। कार्यक्रम में बिजली समस्या के समाधान के लिए भी मांग पत्र सौंपा गया।बैठक में डॉ रत्ना मुखर्जी, नीलीमा सरकार, पापिया शर्मा, प्रबीर सरकार, लादूराम महतो आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बैठक का समापनह्लहम होंगे कामयाबह्व गीत के साथ हुआ, जिससे महिलाओं में आत्मबल और उत्साह बढ़ा।

बिरसानगर में फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। बिरसानगर जोन नंबर 6 में बिरसा स्पोर्टिंग लेट सचू कोया मेमोरियल क्लब द्वारा एक दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। रविवार को झामुमो सिदगोड़ा नगर समिति के उपाध्यक्ष रामू हेंब्रम व उनकी टीम के नेतृत में आयोजित टूर्नामेंट का उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि झामुमो युवा नेता प्रहलाद लोहरा शामिल हुए। अतिथियों के द्वारा खिलाडियों से परिचय प्राप्त व फुटबॉल में किक मारकर टूर्नामेंट का शुभारंभ किया गया। मौके पर दूर-दराज से आए खिलाड़ियों की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। मौके पर अतिथियों ने खिलाड़ियों का हौसला अफजाई की। इस अवसर पर प्रकाश उरांव, संतोष साडिल, अमूल्य कर्मकार, शंकर कर्मकार, सुदर्शन सोय, बिलसन किस्पोटा, कोमल कोया सहित झामुमो के कई युवा नेता व क्लब के सदस्यगण उपस्थित रहे।

निखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन की बैठक भाषा-संस्कृति उत्सव 22-23 नवंबर को

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। निखिल भारत बंग साहित्य सम्मेलन घाटशिला शाखा की एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को गौरीकुंज परिसर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सर्वभारतीय सह सभापति गौतम भट्टाचार्य ने की।बैठक में आगामी 22-23 नवंबर को आशा ऑडिटोरियम, घाटशिला में दो दिवसीय भाषा-संस्कृति उत्सव आयोजित करने का निर्णय लिया गया। उत्सव में झारखंड, बिहार और उड़ीसा के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

दो दिवसीय कार्यक्रम में बंगाली सांस्कृतिक के साहित्यकार, भाषाविद् व सांस्कृतिक कार्यकर्ता आमंत्रित होंगे। इस अवसर पर एक विशेष पत्रिका का प्रकाशन भी किया जायेगा। बैठक का संचालन कंचन कर व धन्यवाद ज्ञापन तपन महतो ने की। मौके पर मनोज सतपति, बिपुल गुप्ता, आशीष गुप्ता,तापस चटर्जी, तपन महतो, बरुण राय, शिल्पी सरकार, मृणाल कांति विश्वास उपस्थित रहे।

एनिग्मा की प्री-पूजा प्रदर्शनी में महिलाओं की उमड़ी भीड़, सावन उत्सव बना आकर्षण का केंद्र

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। साकची बंगाल क्लब के प्रथम तल्ले में महिलाओं द्वारा संचालित कोलकाता की प्रसिद्ध संस्था श्एनिग्माश् के तत्वावधान में चार दिवसीय प्री-पूजा प्रदर्शनी के दूसरे दिन जोरदार रौनक देखने को मिली। मौके पर सावन उत्सव को लेकर विशेष सजावट की गई जो महिलाओं के लिए आकर्षण का केंद्र बना। प्रदर्शनी में तसर सिल्क, लोम्बानी कलेक्शन, हस्तशिल्प परिधान, आभूषणों के साथ एस्ट्रोलॉजी और न्यूमेरोलॉजी के अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा ग्रह-नक्षत्रों की गणना की सुविधा भी उपलब्ध है। महिलाओं ने इसे बड़े उत्साह के साथ अनुभव किया। संस्था की प्रमुख एलिट्रा सिन्हा मुखर्जी ने बताया यह प्रदर्शनी लगातार 14वीं बार जमशेदपुर में आयोजित की जा रही है। इसका उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित करना।प्रदर्शनी में कोलकाता और जमशेदपुर के करीब 30 स्टॉलधारकों ने हिस्सा लिया। इसमें महिलाओं के लिए विशेष फैशन कलेक्शन, साड़ी, कुर्ती, हैंडमेड ज्वेलरी और पुरुषों के लिए भी आकर्षक परिधान उपलब्ध हैं। प्रदर्शनी में न केवल स्थानीय कारीगरों को मंच मिला बल्कि शहर की महिलाओं को पारंपरिक और आधुनिक वस्त्रों एक ही छत के नीचे खरीदारी का सुनहरा अवसर प्राप्त हो रहा।

'कॉफी विद एसडीएम' में खाद-बीज विक्रेताओं के साथ होगा संवाद

गढ़वा (आजाद सिपाही)। जनहित से जुड़े विभिन्न वर्गों से संवाद स्थापित करने हेतु सदर एसडीएम संजय कुमार के नेतृत्व में आयोजित किए जा रहे 'कॉफी विद एसडीएम' कार्यक्रम की इस बार की कड़ी में खाद-बीज विक्रेता आमंत्रित किए गए हैं। इस संवादात्मक बैठक का उद्देश्य कृषकों को गुणवत्तापूर्ण एवं समय पर खाद और बीज उपलब्ध कराने की व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाना है। एसडीएम संजय कुमार ने बताया कि इस पहल के माध्यम से प्रशासन और व्यापारिक वर्ग के बीच सहयोग को मजबूत किया जा रहा है, जिससे किसानों को लाभ पहुंचे और अनियमितताओं पर अंकुश लगाया जा सके। उक्त कार्यक्रम में आगामी बुधवार दिनांक 30 जुलाई को पूर्वान्ह 11:00 बजे अनुमंडल कार्यालय सभागार में अनुमंडल क्षेत्र के सभी अनुज्ञप्ति धारक खाद्य विक्रेता विशेष रूप से आमंत्रित है।

मामूली विवाद में युवक ने व्यापारी की पीठ में घोंपा चाकू, हालत गंभीर

आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी। कांडी थाना क्षेत्र के गड़ाखुर्द पंचायत अंतर्गत गांव निवासी 45 वर्षीय देवेंद्र ठाकुर पर गांव के ही युवक ने चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायलावस्था में उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची के मेडिका अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

गिरफ्तार अभियुक्त अभिषेक दुबे के साथ पुलिस।

घटना शनिवार रात लगभग 8:30 बजे की है जब देवेंद्र ठाकुर, जो अपने घर पर एक जेनरल स्टोर चलाते हैं, का गांव के ही अशर्फी दुबे के पुत्र अभिषेक दुबे उर्फ बाबू दुबे (उम्र 35 वर्ष) से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ गयी कि अभिषेक ने गुस्से में आकर देवेंद्र की पीठ में चाकू घोंप दिया। चाकू लगते ही देवेंद्र मौके पर ही गिर पड़े और अभिषेक वहां से फरार हो गया। स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से उन्हें तुरंत गढ़वा अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चाकू पीठ में गहरे तक धंसा होने के कारण उसे मेदिनीनगर मेडिकल कॉलेज में भी नहीं निकाला जा सका। चिकित्सकीय सलाह पर परिजन उन्हें रांची के मेडिका अस्पताल ले गये, जहा उनका इलाज जारी है। इस घटना को लेकर कांडी थाना में कांड संख्या 71/25 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए फरार अभियुक्त अभिषेक दुबे को औरंगाबाद (बिहार) से गिरफ्तार कर लिया और न्यायिक हिरासत में गढ़वा भेज दिया है। थाना प्रभारी अविनाश राज ने बताया कि अपराधी को पकड़ने के लिए विशेष टीम बनायी गयी थी, जिसके बाद उसे पकड़ा जा सका। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस लगातार निगरानी कर रही है।

बिजली करेंट से युवक की मौत

ग्रामीणों ने कहा, बिजली विभाग की लापरवाही से हुई मौत

प्रमुख अजय शाह, मुखिया इंद्रजीत कुशवाहा ने सांत्वना देते हुए कहा कि इसकी शिकायत लिखित रूप से विभाग के पास दिया जायेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

सगमा। बिजली करेंट से युवक की मौत घर में मचा कोहराम। मिली जानकारी के अनुसार धुरकी थाना क्षेत्र के सगमा प्रखंड अंतर्गत मकरी गांव निवासी 46 वर्षीय बिंदु प्रजापति पिता राजेंद्र प्रजापति अहले सुबह पांच बजे अपने बाहर पशुओं भूसा देने के लिए घर से बाहर जा रहा था, इसी बीच आंधी पानी से गिर चुके करेंट प्रवाहित बिजली तार की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही बिंदु की दर्दनाक मौत हो गयी। ग्रामीणों ने इस मौत की जिम्मेवारी बिजली विभाग को लगाते हुए कहना था कि बिजली

विभाग के द्वारा जैसे तैसे बिजली घरों में पंहुचाकर मीटर लगा दिया गया, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से केबल लगा तार नहीं दिया है। जिस कारण मकरी के उपभोक्ता अपने स्तर से घटिया किस्म का तार जोड़ कर बिजली जलाने पर मजबूर है। अगर बिजली विभाग के द्वारा सुरक्षित तार से कनेक्शन लगाया होता, तो इस दर्दनाक घटना को रोका जा सकता था। इस घटना की सूचना पर धुरकी थाना के एस आई सुभाष अकेला अपने दल बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शव को गढ़वा भेज दिया है। परिजनों का कहना है कि मृतक के दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं। घटना के बाद सांत्वना देने वालो का ताता लगा हुआ है। इस घटना के बाद पहुंचे प्रखंड प्रमुख अजय शाह, मुखिया इंद्रजीत कुशवाहा ने सांत्वना देते हुए कहा कि यह दुर्घटना बिजली विभाग के लापरवाही से हुआ है। इसकी शिकायत लिखित रूप से विभाग के पास दिया जायेगा। साथ ही सरकार के द्वारा निर्धारित छतिपूर्ति के साथ विधवा हो चुके मृतक की पत्नी को आर्थिक सहायता दिलवाया जायेगा। इधर सांत्वना देने वालों में मुख्यरूप से पूर्व जिप सदस्य नंद गोपाल यादव, पूर्व मुखिया इशहाक अंसारी, भाजपा नेता राजेश जयसवाल, धीरज जयसवाल, रामचंद्र शाह, सोनू मौर्या, रामचंद्र शाह, बिनोद ठाकुर, अशोक कुशवाहा, विजय यादव का नाम शामिल है।

डीएवी भवनाथपुर में तीन दिवसीय नेशनल स्पोर्ट्स टूर्नामेंट का समापन

खेल में जीत और हार एक सतत प्रक्रिया है : विधायक अनंत

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। डीएवी शताब्दी पब्लिकस्कूलभवनाथपुर में तीन दिवसीय नेशनल स्पोर्ट्स 2025 क्लस्टर लेवर का प्रतियोगिता का समापन रविवार को किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि विधायक अनंत प्रताप देव, सेल डीजीएम एसयु मेदा, एजीएम भगवान पाणिग्रही, डॉ सुशील कुमार पांडे, बीडी सिंह डीएवी प्राचार्य राजेंद्र कुमार सिंह ने विजेता व उपविजेता टीम को मेडल व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। विद्यालय के प्राचार्य राजेंद्र कुमार सिंह ने अतिथियों को गुलदस्ता देकर स्वागत किया। इस मौके पर विधायक अनंत प्रताप देव ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल में खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा की

भावना जरूरी है। खेल में जीत और हार एक सतत प्रक्रिया है। हार दूसरे लक्ष्य के करीब ले जाता है। उन्होंने विद्यालय परिवार को आश्वासन दिया कि विद्यालय को आगे बढ़ाने में विद्यालय परिवार जहां मुझे खोजेगा, मैं तन, मन, धन से तैयार रहूंगा। इस मौके पर इस विद्यालय के पूर्व छात्र सह पलामू के डॉ सुशील पांडे ने अपने गुरुजनों की स्मृति में प्रतिवर्ष गणित, विज्ञान एवं वाणिज्य तीनों विभागों के 11वीं टॉपर छात्र छात्राओं को छात्रवृत्ति देने का फैसला किया। छात्रवृत्ति स्वरूप 11वीं के विज्ञान विभाग की अर्पणा एवं गणित में दिव्यांश पांडे को दश दश हजार रुपय का चेक प्रदान किया। अंडर 17 क्रिकेट बालक वर्ग में डीएवी हेहल रांची ने डीएवी गुमला को 9 रन से हरा कर विजेता बनी। अंडर 14 फुटबॉल बालक वर्ग में डीएवी गुमला ने हेहल रांची को 1 गोल से विजेता बनी, अंडर 17 फुटबॉल बालक वर्ग में डीएवी गढ़वा ने डीएवी हेहल रांची को 2 गोल से हराकर विजेता बनी, अंडर 19 फुटबॉल बालक वर्ग मे डीएवी सिमडेगा ने डीएवी गुमला को 1 गोल से हरा कर विजेता बनी। इस प्रतियोगिता में डीएवी हेहल रांची, डाल्टेनगंज सिमडेगा, गढ़वा, गुमला, सिल्ली, खलारी, भवनाथपुर विद्यालय के 450 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन पूर्णिमा पांडे एवं मयंक कुमार कुमार ने किया, धन्यवाद ज्ञापन पीजीटी शिक्षक जयशंकर तिवारी ने किया। इस मौके पर मुकेश शुक्ला, अलोक तिवारी, ओपी सिंह, अरुण कुमार सिंह, संजय राय भट्ट, प्रवीण पांडे, अनिल द्विवेदी, शौकत अली, विजय शंकर दुबे, सुमंत धर दुबे, बीबी साहू, गणेश त्रिवेदी, राजीव सहित कई शिक्षक उपस्थित थे।

जेपीएससी परिणाम ने धांधली का आरोप लगाने वाली भाजपा को दिखाया आइना : धीरज दुबे

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) द्वारा हाल ही में परीक्षा परिणाम घोषित किए गये। जिसे लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सदस्य धीरज दुबे ने भाजपा पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जेपीएससी के परिणामों ने भाजपा को आईना दिखा दिया है, क्योंकि इसमें प्रदेश के हर वर्ग और हर क्षेत्र के प्रतिभाशाली छात्रों ने सफलता पाई है। यह पारदर्शिता और योग्यता का प्रमाण है।

धीरज दुबे ने भाजपा पर तत्कालीन चुनावी माहौल को प्रभावित करने के उद्देश्य से जेपीएससी की साख को धूमिल करने का आरोप लगाया। उन्होंने

कहा कि भाजपा जानबूझकर झारखंड के युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करती आई है और हरेक संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाते रही है। भाजपा को न तो आदिवासी हितों की चिंता है और न ही झारखंड की अस्मिता की। उनका केवल एक ही एजेंडा झूठ फैलाकर जनता को भ्रमित करना है।

जेपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा 2023 का परिणाम हाल ही में जारी हुआ जिसमें झारखंड के विभिन्न जिलों से छात्र-छात्राओं ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। धीरज दुबे ने उदाहरण देते हुए कहा कि राजधानी रांची से लेकर सुदरवर्ती जिलों से बड़ी संख्या में उम्मीदवारों का चयन हुआ है। क्या परिणाम के बाद भाजपा यह बताना चाहेगी कि इसमें धांधली कैसे और कहां हुई थी? या यह भाजपा के द्वारा सिर्फ सरकार को बदनाम करने की साजिश मात्र थी।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि आयोग ने पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी ढंग से संपन्न किया। प्रणाम घोषित होने के बाद गिग वर्कर्स के रूप में काम करने वाले विद्यार्थी, कमजोर एवं गरीब तबको के होनहार बच्चों ने बाजी मारी है।

धीरज दुबे ने इस बात पर भी जोर दिया कि युवाओं का मनोबल तोड़ना एक गंभीर अपराध है। कई छात्र सालों की मेहनत के बाद इस मुकाम पर पहुंचते हैं। भाजपा उनके संघर्ष का अपमान करने का भरपूर प्रयास किया।

दुबे ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार की कोशिशों से जेपीएससी जैसी संस्थाएं अब पारदर्शी और जवाबदेह हो चुकी हैं। यह नया झारखंड है, जहां अवसर योग्यता के आधार पर मिलते हैं, न कि राजनीतिक सिफारिश से। घोषित परिणामों में 90% स्थानीय छात्रों को जगह मिली है।

रंका पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

रंका (आजाद सिपाही)। रंका अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रोहित रंजन सिंह के नेतृत्व में रविवार को रंका थाना अंतर्गत चुतरू उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय के प्रांगण में समाज में व्याप्त कुरीतियों, सड़क व साइबर सुरक्षा आदि से संबंधित जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान ग्रामीण जनता, शिक्षक, अभिभावक एवं छात्र-छात्राओं को महिला सुरक्षा, बाल विवाह, दहेज प्रथा, डायन प्रथा, नशाखोरी, सड़क सुरक्षा, साईबर सुरक्षा तथा समाज में व्याप्त तमाम बुराई एवं कुरीतियों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देकर लोगों को जागरूक किया गया। इस अवसर पर शिक्षक एवं छात्र-छात्राओं के सहयोग से सड़क सुरक्षा हेतु नुक्कड़ नाटक का मंचन कर इससे बचाव के उपाय भी बताये गये। इस मौके पर चुतरू मुखिया खालिद अंसारी, रंका एसडीपीओ रोहित रंजन सिंह, थाना प्रभारी चेतन कुमार सिंह, पुलिस निरीक्षक सुभाष पासवान, अंचल कर्मी सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित थे।

जिला उपाध्यक्ष बनने पर कार्यकर्ताओं ने किया सम्मानित

रंका (आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ युवा नेता रौशन पाठक को पार्टी के गढ़वा जिला उपाध्यक्ष बनने पर रंका प्रखंड और पंचायत के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण, शॉल ओढ़ाकर एवं बुके देकर सम्मानित किया है। इनमें कंचनपुर पंचायत के पूर्व मुखिया प्रतिनिधि सह अखिल भारतीय भुईयां समाज के प्रखंड सचिव विजय कुमार भुईयां, कंचनपुर पंचायत के अध्यक्ष संतोष चंद्रवंशी, धर्मेंद्र उर्फ छोटू दूबे, रामबाबू ठाकुर, युवा पंचायत सचिव राजीव ठाकुर, सूरज रजक, रामाधार ठाकुर सहित काफी संख्या में युवा उपस्थित थे।

हर व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए : गुड्डू तिवारी

भाजपा नेता गुड्डू तिवारी ने गढ़वा सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान कर जच्चा-बच्चा की जान बचायी

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। भाजपा नेता गुड्डू तिवारी ने 11वीं बार रक्तदान कर मानवता का मिशाल कायम किया। जैसा कि गढ़वा के जोबरईया निवासी सुनील मेहता की पत्नी को रात्रि में अचानक रक्त की आवश्यकता पड़ गयी। जिसकी सुचना मिलते ही रक्तवीर विवेक तिवारी ने तुरंत गुड्डू तिवारी से संपर्क किया। जिसके परिणामस्वरूप इसकी जानकारी मिलते ही भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ गुड्डू तिवारी तुरंत गढ़वा सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक पहुंचकर रक्तदान कर जच्चा-बच्चा की जान बचायी। मौके पर भाजपा नेता गुड्डू तिवारी ने कहा कि हर व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए। हमारे थोड़ी सी प्रयास करने से हम दुसरे का जीवन बचा

सकते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता सदैव समाज के हित में काम करते आए हैं।

भाजपा जिला मिडिया प्रभारी रितेश चौबे ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता समय-समय पर रक्तदान शिविर का आयोजन भी करते रहते हैं, जिसका सीधा लाभ आम आदमी को मिल पाता है। रक्तदान के लिए सबको आगे आना होगा। जिससे किसी के जीवन को बचाया जा सके।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने जब भी जरुरतमंद को आवश्यकता होती है, हमेशा रक्तदान के क्षेत्र में अपनी अहम भूमिका निभाते रहते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को रक्तदान के प्रति स्वयं आगे आना चाहिए। इससे रक्तदान करने वाले लोगो को भी काफी लाभ होता है जो शरीर रक्तदान करता है, वहां नया शरीर में पुनः नया रक्त एक समय से बनते रहता है। आनेवाले समय में भाजपा कार्यकर्ता रक्तदान के लिए गांव-गांव जागरूकता अभियान चलायेंगे, ताकी समय से पहले रक्त की व्यवस्था ब्लड बैंक में उपलब्ध कराया जा सके। मौके पर नगर मंडल अध्यक्ष उमेश कश्यप विधायक प्रतिनिधि टिंकु गुप्ता वरिष्ठ समाजसेवी नवनीत शुक्ल अमित तिवारी अशोक विश्वकर्मा सहित अन्य कई लोग मौजूद थे।

शिव पहाड़ी गुफा मंदिर समिति की बैठक, 4 को निकलेगी कांवर यात्रा

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। शिव पहाड़ी गुफा मंदिर परिसर रविवार को शिव पहाड़ी गुफा मंदिर विकास समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता समिति के संरक्षक बबन साह ने की। अंतिम सोमवारी चार अगस्त को भव्य रूद्राभिषेक पूजन के साथ पारंपरिक कांवर यात्रा निकाली जायेगी। यह कांवर यात्रा केतार प्रखंड स्थित पांडा नदी तट से आरंभ होगी, जहां महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं को विधिवत जल संकल्प कराया जायेगा। इसके उपरांत श्रद्धालु 12 किलोमीटर की पैदल यात्रा तय करते हुए शिव पहाड़ी गुफा मंदिर पहुंचकर बाबा भोलेनाथ पर जलाभिषेक करेंगे। संरक्षक बबन साह, बैजनाथ साह, सुरेश ठाकुर, भानु गुप्ता, ओमप्रकाश आर्य, संजय साह, अध्यक्ष ब्रजेश कुमार, उपाध्यक्ष अरुण गुप्ता एवं इंद्रजीत कुमार, सचिव रामविजय साह, उप सचिव चंद्रकेश्वर गुप्ता, कोषाध्यक्ष लालबहादुर साह, सह कोषाध्यक्ष सकेंद्र साह आदि को बनाया गया।

गढ़वा एसडीएम ने यूट्यूबर की हौसला अफजाई की

आजाद सिपाही संवाददाता

रमना । गढ़वा के एसडीएम संजय कुमार ने रमना निवासी और झारखंड के टॉप यूट्यूबर राजाराम प्रसाद के घर पहुंचकर रविवार को हौसला अफजाई की। सीखे ऑल इन हिंदी यू ट्यूब चैनल में पहुंचकर उन्होंने जमकर तारीफ की। कहा कि रमना जैसे छोटे जगहों से गढ़वा नहीं, बल्कि राज्य में अपनी पहचान बनाने वाले राजाराम प्रसाद किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं, बल्कि आने वाले युवाओं को आगे बढ़ कर सकारात्मक रूप से प्रेरणा लेने की जरूरत है। बताया कि राजा राम ने जिस प्रकार महज 8 साल की उम्र में टोकरी में पाव-रोटी बेचने से लेकर आज 3.7 मिलियन सब्सक्राइबर वाले यूट्यूब चैनल तक का सफर तय करने वाले राजाराम की संघर्षपूर्ण और प्रेरणादायक कहानी ने सबको गहराई से प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि अपने यूट्यूब चैनल के

जरिए मोबाइल से जुड़ी जानकारी, सोशल मीडिया ऐप्स, सरकारी अपडेट्स और 'हाउ-टू' गाइड्स आसान भाषा में साझा करना एक सराहनीय पहल है। लगभग दो घंटे से अधिक कार्यक्रम में एसडीएम संजय कुमार ने उन्हें सोशल मीडिया के जरिए सरकारी योजनाएं व लोक कल्याणकारी संदेशों को आम जनता तक पहुंचाने में सहयोगी भूमिका निभाने की बात कही। मालूम हो कि राजाराम ने यूट्यूब की और से गोल्ड,सिल्वर प्ले बटन के साथ क्रिएटर कलेक्टीव आवर्ड पटना के अलावे जोश talks जैसे राष्ट्रीय मंच पर शिरकत कर चुके है। इस अवसर पर उनके बड़े भाई बलराम प्रसाद गुप्ता,धनश्याम प्रसाद, पिंटू गुप्ता, अमन सोनी सहित कई लोग मौजूद थे।

खाद की कालाबाजारी से किसान परेशान

डंडई में चार से पांच सौ में यूरिया और उन्नीस सौ में बिक रही है डीएपी खाद

जिला कृषि पदाधिकारी शिव शंकर प्रसाद ने बताया कि यदि कोई दुकानदार खाद को निर्धारित दर से अधिक दाम पर बेच रहा है तो जांच कर उक्त दुकानदारों के ऊपर कड़ी कार्रवाई की जायेगी

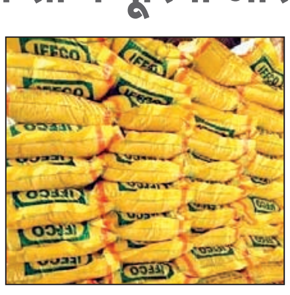

आजाद सिपाही संवाददाता

डंडई। डंडई प्रखंड में अच्छी बारिश के बाद किसान खेती किसानी में पूरी तमन्नत्ता के साथ जुट गये हैं। लेकिन खाद की मंहगाई ने उन्हें एक बार फिर से बेबस कर दिया है। किसानों ने खाद की महंगाई को लेकर चिंता जताया है। चिंता व्यक्त करते हुए किसानों ने बताया कि प्रखंड मुख्यालय डंडई, लवाही, रारो जरही, तसरार, सोनेहारा सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में खाद की कालाबाजारी जोरों पर है। किसानों ने बाताया कि खाद दुकानदारों के द्वारा निर्धारित दर से चार सौ से लेकर पांच सौ रुपये से भी अधिक पैसा लिया जा रहा है, जिससे हमलेगों को खरीफ फसलों में खाद डालने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खाद विक्रेताओं द्वारा मनमाने तरीके से दाम वसूला जा रहा है। लगभग 1300 रुपये के डीएपी खाद को उन्नीस सौ रूपये में बेचा जा रहा है। जिसको देखने वाला कोई माई बाप नहीं है। किसानों ने बताया कि यूरिया खाद लेने के लिए जाने पर उन्हें जबरन जॉयम की थैली और प्लास्टिक बाल्टी भी दी जा रही है, जिसकी कीमत उनसे अलग से वसूली जा रही है। किसानों का कहना है कि ये सामग्री खेती के लिए जरूरी नहीं है, फिर भी उन्हें मजबूरी में खरीदनी पड़ रही है। किसानों का कहना है कि अक्सर खेती-बाड़ी के समय खाद मिलना मुश्किल हो जाता है। और किसी तरह खाद मिलता भी है, तो बहुत ही ऊंचे दाम पर मिलता है। जिससे हम लोग बेबस होकर कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि खाद की सीधे तौर पर कालाबाजारी की जा रही है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में छोटे छोटे अवैध दुकानदार खाद की मनमानी कीमत वसूल रहे हैं। किसान सीताराम यादव, विश्वनाथ यादव, मनदीप यादव, सुकाई चंद्रवंशी, अलीम अंसारी आदि ने बताया कि पिछले वर्ष अच्छी बारिश नहीं होने से हम लोगों को खेती में काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा था। जिससे हमलोगो कि स्थिति काफी दयनीय हो गयी है। ऊपर से महंगी कीमत पर खाद मिलना हम लोगों का कमर तोड़ दे रही है। खेती करने में फसल के उपज से ज्यादा लागत ही लग जा रहा है।

पक्ष : इस मामले में जिला कृषि पदाधिकारी शिव शंकर प्रसाद ने बताया कि यदि कोई दुकानदार खाद को निर्धारित दर से अधिक दाम पर बेच रहा है तो जांच कर उक्त दुकानदारों के ऊपर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

झाड़-फूंक के चक्कर में सर्पदंश के शिकार व्यक्ति की मौत

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र अंतर्गत कैलान गांव के तेनवाखाड़ी टोला में एक व्यक्ति की सांप काटने से मौत हो गयी। मृतक का नाम विष्णु देव सिंह 65 वर्ष है। मृतक के पुत्र धमेंद्र सिंह ने बताया कि मेरे पिता शनिवार को जंगल में बकरी चराने गये थे, इसी दौरान उसे जहरीले सांप ने डस लिया। सांप के काटने के बाद उसके परिजन उसे लेकर उत्तर प्रदेश के रामगढ़ एक तांत्रिक के पास झाड़-फूंक करवाने ले गये। झाड़-फूक के दौरान उसकी स्थिति बिगड़ता देख परिजन द्वारा उसे सदर अस्पताल गढ़वा ले जाने के दौरान रास्ते में ही विष्णुदेव सिंह की मौत हो गयी।

नये थाना प्रभारी का स्वागत और निवर्तमान थाना प्रभारी को बीजेपी प्रतिनिधि मंडल ने किया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

बंशीधर नगर। नगर ऊंटरी थाना के निवर्तमान थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक के स्थानांतरण पर शनिवार को भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि मंडल ने निवर्तमान थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक को सम्मानित किया। भाजपा नेताओं ने श्री नायक को सामूहिक रूप से बुके, अंग वस्त्र, राधा कृष्ण जी की तस्वीर भेंट कर भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर निवर्तमान थाना प्रभारी आदित्य नायक ने कहा कि नगर उंटारी में बिताया गया, मेरा कार्यकाल मेरे पुलिस जीवन के सबसे यादगार और सिख से भरपूर अनुभव में से एक रहा। यहां की जनता, राजनीतिक पार्टियों के नेताओं एवं स्थानीय नागरिकों ने मुझे निरंतर सहयोग और सम्मान दिया, जिसके लिए मैं हृदय से आभारी हूं। मैंने सदैव कोशिश की कि कानून-व्यवस्था बनाये रखते हुए आमजन की समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समाधान किया जाये। चाहे वह बाजार क्षेत्र में सुरक्षा की बात हो या सामाजिक सौहार्द बनाये रखने की जिम्मेदारी हर कार्य में को मैंने अपने ड्यूटी से ज्यादा एक सामाजिक दायित्व समझकर निभाया। वहीं नये थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार का स्वागत भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधिमंडल द्वारा किया गया, जिसमें मुख्य रूप से लक्ष्मण राम, शैलेश चौबे, अशोक सेठ, विभूति भूषण चौबे, विकास पांडे, अजय कुमार, मुकेश प्रजापति इत्यादि लोग उपस्थित थे।

लाभर-करमडीह सड़क कीचड़ में तब्दील, ग्रामीणों ने रोपा धान

आजाद सिपाही संवाददाता

बरवाडीह। बरवाडीह प्रखंड के सुदूरवर्ति और नक्सल प्रभावित क्षेत्र पंचायत लात के लाभर से करमडीह रोड की बदहाल स्थिति और कीचड मे तब्दील हो चुकी सड़क को लेकर लात के पूर्व मुखिया जग सहाय सिंह, समाजिक कार्यकर्ता राजेश प्रसाद, सुनील कुमार, जेएमएम के जिला संगठन सचिव अरुण सिंह, प्रखंड सचिव रितेश कुमार,ललू यादव, सोती यादव समेत दर्जनों ग्रामीणों ने शनिवार को रोड़ पर धान रोपकर अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के जरिए प्रखंड से जिला प्रशासन की भ्ष्ट ब्यवस्था और विकास कार्यो में लूट के खिलाफ आवाज बुलंद की। वही ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र में लूट खसोट की ब्यवस्था कायम है। जनता मुलभुत सुविधाओं से वंचित है। उन्हों ने कहा कि पंचायत लात में लाभर से करमडीह तक रोड़ कीचडमय हो गया है उस सड़क पर चलना मुशिकिल है। आज स्थिति यह है कि वर्षा में पुरी रोड़ कीचड और गड्डे भर चुकी है स्थानीय ग्रामीण, स्कूली छात्र, और यात्री को प्रतिदिन परेशानी झेलनी पड़ती है।

भंडरा में बारिश से पुलिया और सड़कें क्षतिग्रस्त, आवागमन बाधित

भंडरा (**आजाद सिपाही**)। ग्रामीण क्षेत्र में बारिश के बाद पुल- पुलिया और सड़कें क्षतिग्रस्त होने से ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन बाधित हो रहा है। बारिश पूर्व सड़क मरम्मत का कार्य नहीं कराए जाने के कारण प्रखंड के गावों के मार्ग की हालत हो गयी बदतर प्रखंड के ग्राम पंचायत मसमानो के ग्राम बेदाल टंगरा टोली में ग्रामीणों को कीचड़ भरी सड़क से निकलने को मजबूर होना पड़ रहा है। बारिश पूर्व सड़क मरम्मत का कार्य नहीं कराए जाने के कारण गांव से बेदाल चौक जाने वाले मुख्य मार्ग की हालत बदतर हो गई है। जिस पर अब बारिश के कारण कीचड़ ही कीचड़ नजर आता है। कहीं

जल जमाव तो कही कीचड़ नजर आता है। आवाजाही के लिए मुख्य मार्ग पर करीब 800 मीटर तक रास्ता कीचड़ में तब्दील है। जिसके कारण लोगों को सड़क मार्ग से निकलने में काफी परेशानी हो रही है। इसके बावजूद भी सड़क निर्माण नहीं कराया जा रहा है। उक्त सड़क से दोपहिया व चार पहिया वाहनों को निकलने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बरवाडीह में गणिनाथ पूजा मनाने को लेकर बैठक

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय मध्यदेशीय वैश्य हलुवाई समाज की बैठक बरवाडीह के महेंद्र प्रसाद के आवास पर हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष आनंद प्रसाद नंदू ने किया। इस मौके पर बाबा गणिनाथ गोविंद जी महाराज की जयंती धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। तय किया गया कि कार्यक्रम का आयोजन बरवाडीह रेलवे क्लब में आगामी 30 अगस्त को किया जायेगा। कार्यक्रम की सफलता को लेकर कमेटी का गठन किया गया। जिसमें संजय प्रसाद संजू को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष संतोष प्रसाद अजीत कुमार और सतीश कुमार को उपाध्यक्ष बनाया गया। वहीं रामनाथ प्रसाद को सचिव, अंकित कुमार को उपसचिव, सिद्धिनाथ प्रसाद को कोषाध्यक्ष, रविंद्र प्रसाद, अनिल प्रसाद, दीपक प्रसाद को कोषाध्यक्ष और बबन प्रसाद प्रसाद, महेंद्र प्रसाद आदि को चंदा प्रभारी बनाया गया।

नेत्र जांच सह चश्मा वितरण कार्यक्रम

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। बरवाडीह प्रखंड के कुचला पंचायत सचिवालय में स्वयंसेवी संस्था सेसा द्वारा ग्रामीणों के लिए निशुल्क नेत्र जांच सह चश्मा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से जहां नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सक डॉक्टर श्यामसुंदर शाह डॉक्टर सुनील कुमार के द्वारा नेत्र की जांच करने के साथ-साथ चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराने और जरूरतमंदों को निशुल्क जिला परिषद की सदस्य संतोषी शेखर के हाथो चश्मा वितरण भी कराया गया। शिविर के दौरान लगभग डेढ़ सौ से अधिक ग्रामीणों की नेत्र जांच और चश्मा उपलब्ध कराने का काम संस्था के माध्यम से किया गया। शिविर को लेकर जिला परिषद के सदस्य ने कहा कि संस्था के माध्यम से लंबे समय से ग्रामीण इलाकों में विशेष कैंप का आयोजन कर नेत्र जांच और चश्मा वितरण के साथ-साथ कई अन्य जागरूकता के कार्यक्रम किया जा रहे हैं जनहित में काफी सराहनीय है और इसका लाभ क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति को भी प्राप्त हो रहा है। कार्यक्रम के दौरान मौके पर सेंसा संस्था से जुड़े अजय कुमार ज्योति टोपनो राजा सिंह समेत काफी संख्या में कुचला और आसपास के गांव के ग्रामीण मौजूद थे ।

डॉ अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर प्लस टू विद्यालय में श्रद्धांजलि कार्यक्रम

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। बरवाडीह प्रखंड मुख्यालय के प्लस टू विद्यालय परिसर में विद्यालय परिवार के द्वारा मिसाइल मैन और पूर्व राष्ट्रपति रहे डॉ एपीजे अब्दुल कलाम साहब की पुण्यतिथि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुण्यतिथि कार्यक्रम में बतौर अतिथि के रूप में जिला परिषद के सदस्य संतोषी शेखर शामिल हुई। विद्यालय परिसर में स्थापित डॉ अब्दुल कलाम की प्रतिमा स्थल पर प्रधानाध्यापिका सुनीता खालको के नेतृत्व में श्रद्धांजलि कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। जहां जिला परिषद के सदस्य के साथ-साथ मौजूद अन्य शिक्षक और स्कूली छात्रों के बारी-बारी से प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किया। मौके पर मौजूद जिला परिषद सदस्य ने कहा कि डॉ कलाम साहब ने अपनी शिक्षा में गरीबों को कभी बाधा नहीं बनने दिया और अभाव के बावजूद बेहतर शिक्षा प्राप्त करके अपनी काबिलियत के बदौलत वैज्ञानिक बनकर देश को मिसाइल के रूप में कई बड़ी उपलब्धि विश्व के पटल पर दिलाने का काम किया। साथ ही साथ बतौर राष्ट्रपति के रूप में अपनी बेहतर सेवा के कारण अपनी अलग पहचान स्थापित की थी समाज के हर वर्ग के लिए आज भी प्रेरणादायक है। वही प्रभारी प्रधानाध्यापिका सुनीता खलखो ने कहा डॉ कलाम साहब ने अपनी शिक्षा के बदौलत देश को मिसाइल देने के साथ-साथ अपनी बेहतर सोच से राष्ट्रपति के रूप में भी सेवा करते हुए अपनी अलग पहचान देश नहीं पूरे विश्व में स्थापित की और अपने जीवन के अंतिम व्यक्ति तक व समाज को शिक्षित करने का कार्य करते रहे। मौके पर उज्ज्वल कुमार सिंह, राकेश कुमार यादव, अर्पणा होरो, रजनी गीता कुजूर, अशोक बृजिया समेत अन्य लोग मौजूद थे।

तोड़ार और झालझमीरा में कांग्रेस का संगठन सृजन कार्यक्रम आयोजित

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। रविवार को सेन्हा प्रखंड के ग्राम पंचायत तोड़ार व झालझमीरा में राहुल गांधी के निर्देश पर संगठन सृजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से ट्रेनर अनामिका सरकार, कार्यकारी अध्यक्ष हाजी शकील अहमद, प्रखंड पर्यवेक्षक संतोष महतो, मंडल अध्यक्ष किशोर साहू, कैरो प्रखंड पर्यवेक्षक ऐनुल अंसारी मुख्य रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम में कमेटी का गठन किया गया जिसमें राजू अंसारी को तोंडार पंचायत अध्यक्ष चुना गया। वही उपाध्यक्ष सुमित्रा उरांव एवं मनोज उरांव, महासचिव नूर हसन, कृपालु उराव, बृजेश साहू, हारून कुजूर, तबरेज अंसारी, गुप्तेश्वर तुरी, आरिफ अंसारी, शर्मिला केरकेट्टा, शुक्रवारो भगत का भी चयन किया गया। वही झालझमिरा पंचायत अध्यक्ष हफिज अंसारी, उपाध्यक्ष पास्कल खेस, शिव उरांव, महासचिव मनी उरांव, सुभाष उरांव, नयका उरांव, सुनील महली, रवि महली, बंधनु उरांव, परमानन्द भगत, नेजावत अंसारी, लक्ष्मी उरांव को चुना गया है। मौके पर अनामिका सरकार ने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए आज हर एक पंचायत जा जाकर ग्राम सभा के माध्यम से संगठन का विस्तार करते हुए पंचायत अध्यक्ष का चयन करना है। जिससे कि आने वाले समय में कांग्रेस पार्टी को धारदार व सशक्त बनाया जा सके। प्रखंड के पर्यवेक्षक संतोष महतो ने कहा कि आज राहुल गांधी की सोच को हर घर तक पहुचाने का काम हम कांग्रेस के सिपाही कर रहे हैं। संगठन सृजन के माध्यम से कांग्रेस को मजबूती प्रदान कर रहे हैं जिसमे जनभागीदारी जरूरी है। आने वाले समय में भी हर पंचायत में इसी तर्ज पर कमेटी का गठन किया जायेगा। बैठक में सुखदेव उरांव, इम्तियाज अहमद, समसुल अंसारी, इमरान आजाद अंसारी, इशाक अंसारी, हाशिम अंसारी, सलीम अंसारी, शर्मिला केरकेटा समेत कई लोग उपस्थित थे।

सड़क दुघर्टना में मनरेगा कंप्यूटर ऑपरेटर घायल

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। बरवाडीह प्रखंड कार्यालय में कार्यरत मनरेगा के कंप्यूटर ऑपरेटर रविकांत रवि शनिवार की अपराह्न बरवाडीह से अपने घर हरिहरगंज मोटरसाइकिल से जा रहे थे उसी क्रम में छतरपुर के पास मुख्य मार्ग पर हाईवा के चपेट आकर दुर्घटना ग्रस्त हो गये। जिससे उनका बायां हाथ में फैक्चर हो गया और पैर में गंभीर रूप से चोट लग लगी है। दुर्घटना के बाद रविकांत रवि ने दुरभाष पर अपने घर भाई को सुचना दी उसके बाद घटना स्थल छतरपुर उसका भाई पहुंचे। जहां घायल अवस्था में भाई रविकांत रवि को अस्पताल ले जाकर इलाज करवाया। वही घटना के बाद हाईवा वाहन धक्का मार कर फरार हो गया।

हैंडबॉल खिलाड़ियों को नेशनल स्तर पर मिलेगी जगह : धीरज प्रसाद साहू

झारखंड सहित लोहरदगा के हैंडबॉल खिलाड़ियों को मिलेगा बल : सच्चिदानंद चौधरी

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। नेशनल हैंड बॉल फेडरेशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुने जाने पर पूर्व मंत्री प्रदीप बालमुचू को पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने बधाई दिया है। उन्होंने कहा कि 27 जुलाई को बालमुचू के जन्म दिवस पर यह उनके और झारखंड के हैंडबॉल खिलाड़ियों के लिए सबसे बड़ा उपहार साबित होगा। प्रदीप बालमुचू के वरिष्ठ उपाध्यक्ष चुने जाने से झारखंड सहित विभिन्न जिलों के हैंडबॉल खिलाड़ियों को नेशनल स्तर पर जगह मिलने में दिशा मिलेगा। लोहरदगा के भी हैंडबॉल खिलाड़ियों के लिए ऊपर उनका पदाधिकारी बनना खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने में

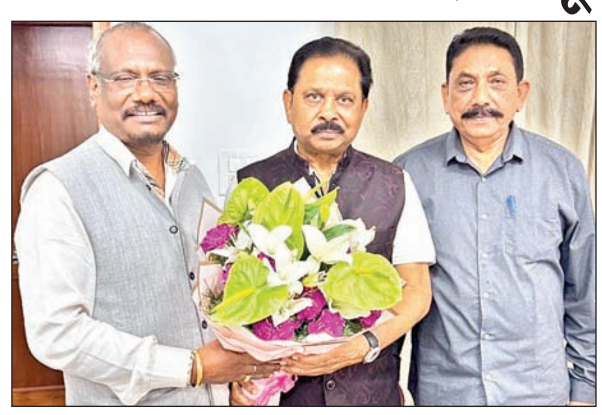

मददगार साबित होगा। चूंकि झारखंड के खिलाड़ी अलग-अलग खेलों में अपना डंका पूरे विश्व में बजा रहे हैं, ऐसे में उनको सही मार्गदर्शन और सहयोग मिलने से खिलाड़ी और भी ऊंचाइयों को छू पाएंगे। उनके अलावा अधिवक्ता सच्चिदानंद चौधरी ने भी प्रदीप बलमुचू को बधाई देते हुए झारखंड सहित लोहरदगा के खिलाड़ियों को उक्त खेल के क्षेत्र में बल मिलने की बात कही है। उन्होंने आशा जताया है कि अब हैंडबॉल खिलाड़ी दोगुनी तेजी से राज्य और नेशनल स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इधर प्रदीप बालमुचू ने भी झारखंड के हैंडबॉल खिलाड़ियों को आश्वस्त किया है कि उन्हें हर एक सुविधा और सम्मान देने का कार्य किया जायेगा।

जेपीएससी में 313वीं रैंक लाने वाले धर्मेश कुमार भगत को अन्वी एजुकेशन ने किया सम्मानित

मुकेश कुमार सिंह

चंदवा (आजाद सिपाही)। चंदवा जेपीएससी का रिजल्ट आने के बाद इस बार 2025 में लातेहार जिले के लगभग सभी प्रखंडो से लगातार धीरे-धीरे सूचना मिल रही है की जेपीएससी में हमारा चयन हुआ है। उसी कड़ी में चंदवा ब्लॉक कॉलोनी के रहने वाले धर्मेश कुमार भगत पिता लाल बिहारी उरांव ने भी जेपीएससी परीक्षा में 313 रैंक लाकर डिप्टी कलेक्टर का पद हासिल किया है। धर्मेश कुमार भगत की शुरूआती शिक्षा चंदवा प्रखंड के खीस्त राजा मध्य विद्यालय से ही हुई। उसके बाद छठी कक्षा में नेतरहाट विद्यालय में चयन होने के बाद 2004 में नेतरहाट में पढ़ाई शुरू किया। उसके बाद संत जेवियर कॉलेज रांची में आईएसी की पढ़ाई किया और ग्रेजुएशन दुगार्पुर वेस्ट

बंगाल में मैकेनिकल इंजीनियर की पढ़ाई पूरी की। पढ़ाई पूरी करने के बाद रांची आ गए और कैटलिस्ट आइएएस अकेडमी में लगातार तैयारी की जा रही थी। धर्मेश ने बतलाया कि हमारा दूसरा प्रयास में जेपीएससी निकल गया। वही धर्मेश के पिता लाल बिहारी उरांव जिला भू अर्जन कार्यालय रामगढ़ में कानूनगो के पद पर कार्यरत है। धर्मेश अपने भाई बहन में सबसे बड़ा है धर्मेश के प्रयास से सभी भाई-बहन और माता सरिता उरांव अपने बेटे पर गर्व कर रहे हैं। माता सरिता उरांव कहती की धर्मेश शुरू से ही पढ़ाई में अच्छा था। धर्मेश के पिता शुरू से ही अपने बच्चों को पढ़ाई के लिए कुछ भी करने को तैयार थे। बाकी चार बच्चे भी रूपा कुमारी भगत जो मां उग्रतारा नगर चंदवा हाई स्कूल में शिक्षिका के पद पर है वहीं रूपेश कुमार भगत रांची में टीचर की तैयारी कर रहा है। बहन शिल्पा कुमारी भगत एमटेक कोयंबटूर से कर रही है। वही अलका कुमारी भगत बीएचयू वाराणसी में पढ़ाई कर रही है। धर्मेश का पैतृक गांव लातेहार के पसही भगन टोला है। वर्तमान में चंदवा के ब्लॉक कॉलोनी में पूरे परिवार के साथ रहते हैं।

बोल बम के जयकारे के साथ निकली बाइक रैली

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। सावन की तीसरी सोमवारी पर घाघरा स्थित देवाकी धाम पर जलार्पण को लेकर विशाल कांवर यात्रा निकाली जायेगी। इसे लेकर कार्यक्रम से एक दिन पूर्व रविवार शाम को अधिक से अधिक संख्या में भक्तों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बाइक यात्रा निकाल कर आमंत्रित किया गया। बाइक यात्रा की अगुवाई क्लब के आजीवन संरक्षक सह जय श्रीराम समिति अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, मुख्य अतिथि गौरव आर पी अग्रवाल, विवेक अग्रवाल आदि ने की। उनके अलावा अध्यक्ष गौरव अग्रवाल उर्फ लड्डू, कोषाध्यक्ष शुभम अग्रवाल, सचिव रोहन साहू सहित अन्य सनातन धर्म के अगुआकर्ता शामिल रहे। सुनील अग्रवाल ने कहा कि देवाकी में जलाभिषेक के लिए लगभग 2500 की संख्या में शिवभक्त 30 किमी की पैदल यात्रा करेंगे। आयोजन की तैयारी पूरी कर ली गयी हैं। बताया गया कि बीते लगभग पांच वर्षों से यह आयोजन हो रहा है।

मन की बात में पीएम ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। रविवार को भाजपा नगर अध्यक्ष सचिन कुमार साहू की अध्यक्षता में नगर क्षेत्र के विभिन्न बूथों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात का 124वां एपिसोड सामूहिक रूप से सुना गया। कार्यक्रम की शुरूआत में प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी खुदीराम बोस को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि महज 18 वर्ष की आयु में फांसी चढ़कर उन्होंने देशभक्ति का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। ऐसे वीरों के बलिदान से आज की पीढ़ी को प्रेरणा लेने की जरूरत है। पीएम मोदी ने गुमला जिले के बसिया

प्रखंड के ओमप्रकाश साहू का उल्लेख किया, जो पहले नक्सली गतिविधियों में संलिप्त था, लेकिन आज मछली पालन के माध्यम से आत्मनिर्भर जीवन जी रहा है। उन्होंने बताया कि कैसे सरकार की योजनाओं ने युवाओं को मुख्यधारा से जोड़कर स्वरोजगार की राह दिखाई है। उन्होंने यह भी कहा कि पहले जिन क्षेत्रों में नक्सलवाद का बोलबाला था, आज वहां के युवा सरकारी योजनाओं से प्रेरित होकर आत्मनिर्भर बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी कार्य असंभव नहीं है, यदि व्यक्ति में इच्छाशक्ति हो।

कार्यक्रम के अंत में प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि यह सिर्फ सरकार या सफाईकर्मियों की नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने आह्वान किया कि प्रत्येक व्यक्ति को 'एक कदम स्वच्छता की ओर' बढ़ाना चाहिए और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। इस अवसर पर नगर के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें प्रदीप कांस्यकार, दीपक कुमार, विकास कांस्यकार, रामकुमार प्रसाद, धनेश महतो, बबलू साहू, टिंकू ठाकुर, मनीता प्रसाद, सुनीता देवी सहित अन्य लोग शामिल थे।

रुद्राभिषेक और महाआरती का आयोजन आज, लोगों से शामिल होने की अपील

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। लोहरदगा जागृति मंच की ओर से रुद्राभिषेक सह भव्य महा आरती का आयोजन दिनांक 28 जुलाई 2025, सोमवार को संध्या 7 बजे किया जा रहा है। कार्यक्रम के संयोजक एवं मंच अध्यक्ष अनिल कुमार गुप्ता ने जानकारी दी कि यह आयोजन भगवान शिव की कृपा प्राप्ति एवं समाज में आध्यात्मिक जागरण फैलाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि रुद्राभिषेक के उपरांत संध्या में दिव्य और भव्य महा आरती का आयोजन होगा, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया गया है तथा उपस्थित श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की समुचित व्यवस्था की गयी है। मंच की ओर से सभी सनातन धर्म प्रेमियों से अनुरोध किया गया है कि वे समय पर उपस्थित होकर इस पुण्य अवसर का लाभ उठाये और सामूहिक आराधना में सहभागी बनकर आयोजन की गरिमा बढ़ाएं।

आज निकलेगी विशाल कांवर यात्रा, शिव-पार्वती की झांकी और जागरण का होगा आयोजन

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। श्रावण मास के पावन अवसर पर लोहरदगा के बरवाटोली स्थित मनोकामना सिद्ध दुर्गा मंदिर से आज प्रात: 8 बजे विशाल कांवर यात्रा निकलेगी, जो गुमला के देवाकी बाबा धाम तक जायेगी। आयोजन में भव्य शिव-पार्वती झांकी, भक्ति जागरण, महाआरती और भजन संध्या का भी भव्य आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गौरव आरपी अग्रवाल ने आयोजन को लेकर कहा कि यह सिर्फ धार्मिक यात्रा नहीं, बल्कि श्रद्धा, संस्कृति और सामाजिक एकता का संगम है। बोल बम के जयकारों में एक ऊर्जा है, जो हर दिल को जोड़ती है। ऐसे आयोजन हमारे सनातन मूल्यों को जीवंत करते हैं। उन्होंने सभी धर्मप्रेमियों, संगठनों और युवाओं से आग्रह किया कि वे इस आयोजन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और इसे ऐतिहासिक बनायें। वही आयोजन के प्रेरक जय श्रीराम समिति के अध्यक्ष एवं आजीवन संरक्षक सुनील अग्रवाल ने कहा कि कांवरिया संघ, बरवाटोली, लोहरदगा द्वारा की गयी व्यवस्था के तहत सैकड़ों शिवभक्त कांवर यात्रा में भाग लेंगे और श्रद्धा-उत्साह के साथ बोल बम का उद्घोष करेंगे। आयोजन की भव्यता को देखते हुए मंदिर परिसर में गंगाजल की व्यवस्था की गयी है। आयोजन में शिव-पार्वती की भव्य झांकी, भक्ति जागरण, महाआरती और भजन संध्या का विशेष आयोजन होगा। कांवर यात्रा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और श्रद्धालु शिवभक्ति में लीन दिखायी दे रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त डॉ ताराचंद, पुलिस अधीक्षक लोहरदगा सादिक अनवर रिजवी एवं गुमला के पुलिस अधीक्षक हारीस बिन जमां करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में गौरव आरपी अग्रवाल उपस्थित रहेंगे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में राजीव रंजन, अजातशत्रु, सुरज सिंह, विवेक अग्रवाल, डॉ राजीव रंजन, अभय अग्रवाल, साई मनीष अग्रवाल, आनंद पांडेय, और विजय प्रजापति समेत कई गणमान्य लोग शामिल होंगे।

वन विभाग ने हाथी से पीड़ित परिवार को दिया चार लाख का मुआवजा

कुडू / लोहरदगा (आजाद सिपाही)। कुडू प्रखंड अंतर्गत तान गांव के उमेश उरांव की मृत्यु पर वन विभाग ने उनके परिजनों को चार लाख रुपये का मुआवजा प्रदान किया। रविवार को कुडू वन विभाग विश्रामागार में आयोजित एक संक्षिप्त कार्यक्रम में प्रभारी वनपाल विपीन टोप्पो ने उमेश की मां जमुनी उरांव को मुआवजा राशि का चेक सौंपा। इस दौरान वनरक्षी गौतम राम एवं पंकज सिंह भी मौजूद थे। गौरतलब है कि बीते वर्ष कैरो थाना क्षेत्र के एडादोन गांव में जंगली हाथियों को भगाने के प्रयास में उमेश उरांव 17 पिता स्व राजकुमार उरांव एक कुएं में गिर गया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। घटना के करीब एक वर्ष बाद अब परिजनों को सरकार की ओर से यह सहायता राशि प्रदान की गयी है। कार्यक्रम के दौरान वनपाल श्री टोप्पो ने बताया कि हाथियों द्वारा क्षतिग्रस्त घरों और फसलों के नुकसान को लेकर 17 अन्य लाभुकों को भी मुआवजा चेक दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि अन्य प्रभावितों का सर्वेक्षण कार्य पूर्ण होते ही उन्हें भी मुआवजा राशि वितरित की जायेगी।

मानसून सत्र में विधानसभा का घेराव करेंगे सहायक अध्यापक : सोहराय

भंडरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा की बैठक रविवार को बीआरसी के समक्ष प्रखंड सचिव सोहराय उरांव के अध्यक्षता में किया गया। मौके पर सोहराय उरांव ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा था कि हमारी सरकार दूसरी बार बनते ही सहायक अध्यापकों को वेतनमान दे दिया जायेगा। लेकिन 1 वर्ष बीत गया अभी तक सरकार ने सिर्फ आश्वासन दिया है। इसलिए अब सहायक अध्यापक का धैर्य टूट गया। अब सिर्फ आंदोलन ही बच गया है। सोहराय उरांव ने कहा कि आगामी पांच अगस्त को मानसून सत्र में विधानसभा का घेराव किया जायेगा। प्रखंड के अध्यक्ष लाल उमाशंकर नाथ शाहदेव ने कहा कि विधानसभा में इस बार सहायक अध्यापकों की मांगों को लेकर विधायकों को लंबित मांगों की पूर्ति करने हेतु आवाज उठाने के लिए मांग पत्र सौपा गया है। शनि उरांव ने कहा कि सरकार सहायक अध्यापकों को वेतनमान, अनुकंपा, सहायक अध्यापकों की सेवा 62 वर्ष करने को लेकर इस बार सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला जाएगा। सरकार के सहायक अध्यापको के प्रति सौतेला रुख से सहायक अध्यापकों में सरकार के प्रति काफी आक्रोश है। बैठक में बंदे उरांव, रघु उरांव, बणेश्वर उरांव, प्रमिला भगत, विष्णु देव मुंडा, सुकरा मुंडा, संत जॉन एक्का, इतवा उरांव, सुधीर कुमार, मंजश क्रेकेटा, युधिष्ठिर कुमार माहली, दिगंबर मिश्रा, जलेश्वर उरांव सनी उरांव, मगरा उरांव आदि ने भाग लिया।

स्वास्थ्य शिविर में 55 लोगों ने करायी जांच

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। सेवा भारती लोहरदगा द्वारा चुन्नीलाल उच्च विद्यालय के प्रांगण मे लगातार 163वां निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में 55 लोगों ने अपने स्वास्थ्य संबंधित जांच करवा कर लाभान्वित हुए। हीमोग्लोबिन, यूरिक एसिड,ब्लड ग्रुप, शुगर, बीपी, वजन,हार्ट बीट, ऑक्सीजन लेवल आदि का निशुल्क जांच किया गया एवं अन्य सभी प्रकार की स्वास्थ जांच पैथोलॉजी के माध्यम से आधे ही खर्च में की जाती है। प्रांतीय संगठन मंत्री जितेंद्र कुमार ने कहा कि लोहरदगा जिला सेवा के हर क्षेत्र पर अपनी एक अलग पहचान बना रखी है। दीपक सर्राफ एवं उनके पूरे टीम के द्वारा प्रत्येक दिन योग शिविर, जाड़े के मौसम में गरीबों के बीच जाकर कंबल, गर्म कपड़े बांटना, स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार लोगों का सेवा करते रहना आदि कई सामाजिक कार्यक्रम चला रहे हैं जो की काफी सराहनीय है। जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ ने कहा की जीवन में है ही क्या ? अपने परिवार के लिए तो सभी कोई करते ही हैं। इसके अलावा जरूरतमंद एवं असहायों की सेवा करने में मन को काफी शांति मिलती है।

कलाकारों का मंदिर है लता मंगेशकर चौकः अरुणा शंकर

- लता मंगेशकर चौक पर कलाकारों ने की वीणा की पूजा

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। एजुकेशन एंड स्किल्ड सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित 'संस्कृति कला महोत्सव' का शुभारंभ नगर निगम की प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने लता मंगेशकर चौक स्थित वीणा पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया। यह कार्यक्रम स्थानीय कला, संस्कृति और प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। इसमें नृत्य, गायन, चित्रकला और मेंहदी जैसी विविध कलाओं का प्रदर्शन किया गया, जिनमें स्थानीय युवाओं और कलाकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर अरुणा शंकर ने कहा कि 'लता मंगेशकर चौक का नामकरण और इसकी परिकल्पना मेरे महापौर कार्यकाल में नगर निगम बोर्ड में की गई थी। यह झारखंड का पहला 'लता मंगेशकर चौक' है, जिसे स्थानीय कलाकारों की पहचान और सम्मान को ध्यान में रखते हुए कोऑपरेटिव चौक को नया स्वरूप दिया गया। योजना का प्रारूप मेरे कार्यकाल में तैयार हुआ था। बाद में इसका टेंडर निकालकर इसे पूर्ण किया गया। आज उस चौक पर वीणा पूजन करते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है। इस आयोजन में सूरज मिश्रा, रेडियो आर्टिस्ट शालिनी, आयोजक विजय कुमार दुबे, मिस डाल्टनगंज विजेता अनिषा तिवारी, रिंकू गुप्ता, आकाश कुमार, चंदन कुमार, कुमार पवन और सूरज आदि उपस्थित रहे। वहीं, अरुणा शंकर ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से मेदिनीनगर की छिपी प्रतिभाओं को सामने आने का अवसर मिलता है। हम जल्द ही स्थानीय कलाकारों के साथ बैठक करेंगे और प्रत्येक वर्ष ऐसा आयोजन सुनिश्चित करेंगे जो राष्ट्रीय स्तर पर मेदिनीनगर को एक सांस्कृतिक पहचान दे। यह महोत्सव केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि मेदिनीनगर की सांस्कृतिक विरासत और भविष्य के कलाकारों के लिए एक नई दिशा है।

मोटर पंप लगाने को लेकर दो पक्षों में मारपीट

हरिहरगंज/छतरपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। देवगन गांव के तेलहारवा टोला में रविवार को मोटर पंप लगाने को लेकर उपजे विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गयी। इसमें सत्यनारायण यादव (62) और उनके दो बेटे महेंद्र यादव एवं धर्मेंद्र यादव घायल हो गए हैं। आरोप है कि उन्हीं के गांव के राजू यादव, सुरेश यादव, विकास यादव, योगेंद्र यादव और सत्येंद्र यादव ने लाठी और कुदाल से हमला किया। जिससे सत्यनारायण यादव का सिर फट गया और हाथ टूट गया। घायल सत्यनारायण यादव ने बताया कि अपने खेत में मोटर पंप लगाकर जुताई कर रहे थे, तभी आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया। इसमें महेंद्र यादव और धर्मेंद्र यादव भी घायल हो गए। गांव के कुछ लोगों ने उन्हें बचाया और अस्पताल पहुंचाया। इस बाबत सत्यनारायणने थाना प्रभारी से आरोपियों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। उधर, पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कहते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है।

समाजसेवी ने विद्युत विभाग से मांगी जानकारी

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। सामाजिक कार्यकर्ता रविंद्र पासवान ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत छतरपुरके विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल से जानकारी मांगी है। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्रामीण विद्युत योजना के तहत हरिहरगंज प्रखंड क्षेत्र में हुए कार्यों की जानकारी मांगी है। इसमें हरिहरगंज प्रखंड के पंचायत और गांव की सूची, प्रधानमंत्री ग्रामीण विद्युत योजना के तहत चयनित पंचायत और गांव की सूची, पोल और मीटर लगाए गए पंचायत और गांव की सूची, मुफ्त कनेक्शन पाने वाले लाभार्थियों की सूची, ठेकेदारों की जानकारी और उनके द्वारा किए गए कार्यों का विवरण, प्राक्कलन राशि और खर्च की गई राशि की जानकारी आदि शामिल है। रविंद्र पासवान ने कहा कि आरटीआइ से हरिहरगंज प्रखंड क्षेत्र में प्रधानमंत्री ग्रामीण विद्युत योजना के तहत हुए कार्यों की जानकारी मिल सकेगी और यह पता चल सकेगा कि योजना का लाभ कितने लोगों को मिला है।

मिशन समृद्धि संस्था ने जरूरतमंदों में बांटा खाद्य पदार्थ

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। निरंतर चल रहे समृद्धि की रोटी अभियान दोना पत्तल दातून बेचने वालों के लिए ही विशेषकर की जाती है। लेकिन बरसात के कारण उनलोगों का आना संभव नहीं हो पाया। समृद्धि टीम उनलोगों के नहीं आने से दुखी हो जाती हैं। शनि मंदिर और उसके आसपास दिव्यांग, वृद्ध, बच्चों और राहगीरों के बीच रोटी सब्जी खिचड़ी का वितरण किया गया। इस कार्य में अहिल्या गिरि, आशा शर्मा, रंजीता, शिल्पी गोस्वामी, शालिनी श्रीवास्तव, बेबी पाण्डेय आदि का सराहनीय योगदान रहता है।

हुसैनाबाद में बढ़ा डायरिया का प्रकोप, कई लोग बीमार

साफ-सफाई और स्वच्छ पानी का करें इस्तेमालः चिकित्सा प्रभारी

आजाद सिपाही संवाददाता

डायरिया पीड़ितों का इलाज करते स्वास्थ्य कर्मी।

हुसैनाबाद। क्षेत्र में डायरिया का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है। डायरिया से ग्रसित आधा दर्जन से अधिक मरीजों को अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉ विकास कुमार गुप्ता की मानें तो मौसमी बीमारियों जैसे सर्दी-खांसी और बुखार से पीड़ित मरीज भी अस्पताल में अधिक संख्या में पहुंच रहे है। सभी को स्लाइन चढ़ाया जा रहा है। साथ ही दवा भी दी जा रही है। हुसैनाबाद अस्पताल में भर्ती मरीजों में जपला के कमलेश कुमार सिंह, रामाशीष कुमार, नारायण पासवान पथरा, सबीता देवी झुरहा, दिलीप यादव, अंजली कुमारी और अंकीता कुमारी ग्राम चरकोल गम्हरिया आदि गांव के रहने वाले हैं। इस बाबत हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल के चिकित्सा प्रभारी डॉ विनेश कुमार ने बताया कि डायरिया एक संक्रामक रोग है। बरसात के दिनों में डायरिया का प्रसार होने की संभावना बढ़ जाती है। जिसे देखते हुए विभाग की ओर से अनुमंडल क्षेत्र में भी विशेष अभियान शुरू किया जाएगा, ताकि लोगों को डायरिया के प्रति जागरूक किया जा सके। बताया कि बरसात के दिनों में डायरिया का प्रसार होने का मुख्य कारण दूषित पानी और साफ-सफाई की कमी है। इसलिए इससे बचाव के लिए लोगों को साफ-सफाई के साथ शुद्ध पेयजल का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। बताया कि जहां कहीं भी गंदगी होती है वहां इसके कीटाणुओं का वास रहता है। वहीं, सफाई नहीं रहने से भी इस यह बीमारी तेजी से फैलती है। इसमें कई जानें भी चली जाती है। कहा कि डायरिया से बचने के लिए स्वच्छता जरूरी है। गर्मी या किसी भी मौसम में बासी खाना न खाएं। पानी एवं भोजन सामग्री को ढंक कर रखें। जहां खाना बनता हो वहां सफाई रखें। खाना परोसने से पहले अच्छी तरह हाथ को साबुन से साफ कर लें। डायरिया हो जाने पर घबराना नहीं चाहिए। अपने घर पर एक चुटकी नमक, एक चम्मच चीनी को पानी में घोल कर पीड़ित को पानी पिलाते रहें। ताकि उनके शरीर में पानी की सामान्य मात्रा बनी रहे और इसके उपरांत चिकित्सक के परामर्श से इलाज कराए।

जेपीएससी में सफल होकर आकाश देव ने पिता के सपने को किया पूरा

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। जिले के बसना गांव निवासी शंकर राम का सपना था कि बेटा आकाश देव झारखंड प्रशासनिक सेवा में जाए। जबकि आकाश देव उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद मुंबई की एक प्रतिष्ठित कंपनी में अच्छी सैलरी के साथ बेहतर पद पर कार्यरत था। पिता का सपना पूरा करने के लिये उसने जेपीएससी की परीक्षा दी, लेकिन पहली बार वह कुछ अंकों से चुक गया। पिता का सपना पूरा करने की जिद ने उसके हौसले को बरकरार रखा। दूसरी बार 13वीं जेपीएससी परीक्षा में उसे सफलता मिली। वह 235वां रैंक लाकर झारखंड प्रशासनिक सेवा प्राप्त कर अपने पिता का सपना पूरा किया। आकाश देव ने बताया कि उसके पिता शंकर राम प्रखंड कार्यालय में सहायक के पद से सेवानिवृत हुए हैं। उसने स्कूली शिक्षा नेतरहाट आवासीय विद्यालय नेतरहाट एवं रांची स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल से प्राप्त किया। ग्रेजुएशन गुजरात के गांधीनगर नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फैशन टेक्नोलॉजी से ज्वेलरी डिजाइनिंग में किया। इसके बाद उसने मुंबई के एक प्रतिष्ठित कंपनि में बेहतर सैलरी पर नौकरी शुरू की। इस दौरान कंपनी का प्रतिनिधित्व करते हुए कई बार विदेश भी गया। लेकिन पिता के सपने को पूरा करने के लिये आकाश ने नौकरी छोड़कर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू की। उसने बताया कि मेरी सफलता में रांची आईएएस सेंटर के निदेशक रवींद्र कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इधर, उसकी सफलता पर पूर्व सांसद घूरन राम, जिला पार्षद विजय रविदास, वरीय समाजसेवी गोपाल राम आदि ने आकाश को बधाई दी है।

शिविर लगाकर कांवरियों की सेवा

देवघर (आजाद सिपाही)। जोर-शोर से चल रहे प्रजापति निःशुल्क कांवरिया सेवा शिविर में कांवरियों को किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो रही है। इस शिविर में प्रजापति भवन में रहने और खाने की निःशुल्क सुविधा भी उपलब्ध है। महामृत्युंजय के नेतृत्व में चल रहे इस सेवा शिविर में कांवरियों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। आशीष पंडित, दिलीप कुमार, उमाशंकर पंडित, आर्मी मनोज पंडित, रंजीत पंडित, अरुण दास, मोहन मिश्रा, अजय पंडित सहित कई अन्य लोग इस सेवा शिविर में अपना योगदान दे रहे हैं। इस सेवा शिविर का मुख्य उद्देश्य कांवरियों को सुविधा प्रदान करना और उनकी यात्रा को सुगम बनाना है। सेवा शिविर में उपलब्ध सुविधाओं के कारण कांवरियों को अपनी यात्रा में काफी मदद मिल रही है। सेवा शिविर की सराहना करते हुए कांवरिये अपनी संतुष्टि व्यक्त कर रहे हैं। उन्हें लगता है कि यह सेवा शिविर वास्तव में उनकी यात्रा को आसान बना रहा है और उन्हें किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो रही है।

पंचायत प्रतिनिधियों का प्रदर्शन, पांच घंटे फंसे रहे प्रखंड सह अंचल कर्मी

सीओ के पहुंचने और ज्ञापन लेने के बाद शांत हुआ मामला

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। विश्रामपुर प्रखंड कार्यालय के मुख्य द्वार पर पंचायत प्रतिनिधियों का प्रदर्शन शनिवार की रात नौ बजे तक चला। प्रखंड सह अंचल कार्यालय का मुख्य द्वार जाम होने के कारण कई प्रखंड सह अंचल कर्मी पांच घंटे तक कार्यालय में ही फंसे रहे। पंचायत प्रतिनिधियों के कड़े तेवर को देखते हुए स्थानीय प्रशासन को झुकना पड़ा। इसके बाद रात नौ बजे सीओ राकेश तिवारी प्रदर्शनकारियों से मिलने पहुंचे और उनकी मांगों का ज्ञापन लिया। तब जाकर प्रदर्शन समाप्त हुआ और कार्यालय में फंसे कर्मी बाहर निकल सके। बताते चलें कि त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधि संघर्ष मोर्चा के बैनर तले पंचायत प्रतिनिधियों ने शनिवार को एक दिवसीय धरना दिया था। जिला पार्षद विजय रविदास का कहना था कि सीओ राकेश तिवारी तीन बजे तक अपने कक्ष में थे। लेकिन ज्ञापन देने के समय वे पंचायत प्रतिनिधियों की उपेक्षा कर कार्यालय से निकल गये। इससे अपमानित महसूस करते हुए आक्रामक प्रदर्शन किया गया। वहीं, सीओ राकेश तिवारी ने पंचायत प्रतिनिधियों के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। कहा कि स्थलीय निरीक्षण के लिये आंचलिक क्षेत्र में गया था। जिसका समय पूर्व से ही निर्धारित था। इस मौके पर प्रमुख रम्भा कुमारी, उप प्रमुख सतेंद्र नारायण सिंह, मुखिया संघ अध्यक्ष रोहित तिवारी, अंजू कुमारी, मंजू देवी, संजू चौबे, रंभा मिश्रा, किरण देवी, रोशिला देवी, धर्मेंद्र चौधरी, पंसस सूरजमल राम, दयाल विश्वकर्मा, प्रेमलाल पासवान, रवि शंकर चौबे, मनीष गुप्ता, प्रवीण मिश्रा, किशोर कुमार, पंकज सिंह, ओम प्रकाश पांडेय गुड्डू, सतीश चौबे उर्फ बालाजी आदि मौजूद थे।

तीसरी सोमवारी आज, चार लाख भक्तों के बैद्यनाथ धाम पहुंचने का अनुमान

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। सावन की तीसरी सोमवारी को लेकर जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। तीसरी सोमवारी पर चार लाख से अधिक भक्तों के देवघर पहुंचने का अनुमान है। जिला प्रशासन ने इसी के अनुरूप सभी तैयारियां की है। क्योंकि दूसरी सोमवारी पर 3.62 लाख भक्तों ने बाबा बैद्यनाथ पर जलार्पण किया था। तीसरी सोमवारी को लेकर बीएड कॉलेज परिसर में डीसी नमन प्रियेश लकड़ा और एसपी अजीत पीटर डुंगडुंग ने मेले में तैनात दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी की संयुक्त ब्रीफिंग की। इस दौरान डीसी ने कहा कि विनम्रता एवं सेवाभाव के साथ श्रावणी मेला में पूरी तरह सजग रहे, क्योंकि श्रावणी मेला के दौरान खासकर सोमवारी के दिन सर्वाधिक भीड़ होती है। ऐसे में तीसरी सोमवारी को इतनी बड़ी तादाद में देवघर आने वाले कांवरियों की सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण जैसी चुनौतियों का सामना बिना सजगता के नहीं किया जा सकता है। सभी का यह ध्येय होना चाहिए कि जितना हो सके श्रद्धालुओं को सुगमतापूर्वक जलार्पण करायें, ताकि कतार लगातार आगे बढ़ते रहे। डीसी ने निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं की कतार बिना गैप के आगे बढ़ते रहें, इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखें। सभी शालीनता एवं सेवाभाव से श्रद्धालुओं को हर संभव मदद करें।

क्यू और ट्रैफिक मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान रखें : एसपी

एसपी ने कहा कि मेला में प्रतिनियुक्त बाहर से आए सभी दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं सुरक्षाकर्मी यहां के माहौल से परिचित हो चुके हैं। ऐसे में क्यू मैनेजमेंट और ट्रैफिक मैनेजमेंट पर विशेष रूप से ध्यान रखें, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित जलार्पण कराया जा सके और शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या उत्पन्न न हो। भीड़ नियंत्रण - करने में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। साथ उन्होंने कहा कि सभी ओपी एवं यातायात ओपी के प्रभारी डीएसपी रैंक के ऑफिसर होंगे एवं उन सभी का यह दायित्व होगा कि वे यह देखें कि उनके निर्धारित क्षेत्र में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। इस दौरान नगर आयुक्त रोहित सिन्हा, उप विकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार, जिला नजारत उपसमाहर्ता, जिला परिवहन पदाधिकारी, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा, जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, जिला स्तर के अधिकारी एवं मेला क्षेत्र में प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी, अधिकारी, कार्यपालक अभियंता, पुलिस पदाधिकारी आदि मौजूद थे।

श्रावणी मेला के 17वें दिन बाबा मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं ने किया जलार्पण

देवघर (आजाद सिपाही)। विश्व प्रसिद्ध राजकीय श्रावणी मेले के 17 वें दिन रविवार को बाबा मंदिर प्रांगण एवं आसपास के क्षेत्रों के अलावा रुटलाइन में श्रद्धालुओं से पटा दिखाई दिया। इस दिन सुबह 04.09 मिनट से जलार्पण शुरू होते ही पूरा मंदिर परिसर बोल-बम के नारों से गुंजयमान हो गया। वहीं, बाबा बैद्यनाथ पर जलार्पण के लिए देवतुल्य श्रद्धालु रात सते ही कतारबद्ध होने लगे थे। बीएड कॉलेज से तिवारी चौक, शिवराम झा चौक, नेहरू पार्क, क्यू कॉम्प्लेक्स होते हुए सभी श्रद्धालुओं को सुगम एवं सुरक्षित जलार्पण कराया जा रहा है।

श्रावणी मेला में फिर होगा ड्रोन शो का आयोजन

देवघर (आजाद सिपाही)। राजकीय श्रावणी मेला 2025 को लेकर तैयारियां भी विश्वस्तरीय हुई हैं। मेले की भव्यता और दिव्यता के अनुरूप श्रद्धालुओं को कई नए और अनोखे अनुभव भी प्राप्त होंगे। इसी क्रम में एक बार दोबारा श्रावणी मेले के अवसर पर ड्रोन शो का आयोजन शिवलोक परिसर से हो रहा है। साथ ही बाबा मंदिर की परिधि से पांच किलोमीटर तक के दायरे में ये अद्भुत नजारा श्रद्धालुओं को शाम आठ बजे के बाद आकाश में देखने को मिलेगा। इसके अलावा जहां एक ओर लेजर लाइट शो और लाइट एंड साउंड शो जैसी गतिविधियां का आयोजन होगा, वहीं दूसरी ओर राजकीय श्रावणी मेला में पहली बार ड्रोन शो का भी आयोजन किया जा रहा है।

भंडारा शिविर लगाकर श्रद्धालुओं की सेवा कर रहा जय रुद्रांश कनौजिया सोनार महापरिवार

देवघर (आजाद सिपाही)। जय रुद्रांश कनौजिया सोनार महापरिवार कटोरिया धनसर विश्वकर्मा नगर की ओर से निःशुल्क भंडारा, चाय, शरबत इत्यादि की व्यवस्था की गयी है। इस शिविर में सावन के प्रथम दिन से पूरे सावन तक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं और यह प्रथम शिविर है। इस शिविर का उद्घाटन संतृप्त रूप से किया गया। संगठन के राष्ट्रीय प्रमुख सुबीन कुमार वर्मा अधिवक्ता ने बताया कि इस समारोह में समाज के बहुत सारे लोगों का सहयोग प्राप्त हो रहा है और सेवा भाव के लिए सभी एक साथ खड़े हैं। कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय चैयरमेन सुरेंद्र प्रसाद वर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता सूर्य देव प्रसाद वर्मा, राष्ट्रीय संरक्षक अनिल वर्मा, बिहार प्रदेश अध्यक्ष नंदे प्रसाद वर्मा, राष्ट्रीय महासचिव आगेंद्र प्रसाद वर्मा, राष्ट्रीय प्रवक्ता सत्यनारायण प्रसाद वर्मा, राष्ट्रीय महासचिव सतीश प्रसाद वर्मा राष्ट्रीय उपाध्यक्षश्री अर्जुन प्रसाद वर्मा, राष्ट्रीय सलाहकार सुभाष प्रसाद वर्मा, राष्ट्रीय सचिव श्रीकांत वर्मा सोनू वर्मा, सिद्धेश्वर प्रसाद वर्मा सहित अन्य साथी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में लाखों कांवरियों को चाय, शरबत, लस्सी, भोजन आदि की विशेष व्यवस्था की गई है। संगठन के सदस्य कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होकर श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे हुए हैं। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि इस शिविर की सफलता के उपरांत भविष्य में इससे भी भव्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। संगठन का उद्देश्य है कि श्रद्धालुओं को हर संभव सुविधा और सेवा प्रदान की जाए।

बारिश से ढहा घर, दब कर व्यक्ति की हुई मौत

परिजन

मधुपुर (आजाद सिपाही)। बारिश का कहर लगातार जारी है। शनिवार की रात मधुपुर थाना क्षेत्र के कुम्हरटोली में मिट्टी का घर ढहने से 40 वर्षीय मधु रवानी की मौत हो गई। मृतक दैनिक मजदूर था और अपने घर में सो रहा था। तभी तेज बारिश के कारण उसका घर ढह गया। इस हादसे में मधु रवानी की मौके पर ही मौत हो गई। वह कुम्हार टोली का ही रहने वाला था। दैनिक मजदूरी करके अपना जीवन यापन कर रहा था। उधर, घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस-प्रशासन मौके पर पहुंची और बचाव कार्य में जुट गयी। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे सुरक्षित स्थानों पर शरण लें और बारिश के दौरान घरों से बाहर न निकलें।

बसिया इलाके की तस्वीर बदल दी है ओमप्रकाश साहू ने

बसिया के जिस इलाके में लोग दिन के उजाले में भी जाने से डरते थे, आज विकास की रोशनी से जगमगा रहा है

आफताब अंजुम

गुमला (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' में रविवार को जिस ओमप्रकाश साहू की तारीफों के पुल बांधे, वह बसिया प्रखंड के ऐसे क्षेत्र से आते हैं, जहां कभी नक्सलियों और उग्रवादियों की वजह से लोग दिन के उजाले में भी जाने से डरते थे। आज उस क्षेत्र में मत्स्य पालन ने ग्रामीणों की तस्वीर बदल दी है।

20 तालाबों का हुआ निर्माण

यह संभव हो पाया है केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना से। ओमप्रकाश साहू ने ग्रामीणों के साथ मिल कर इस योजना के माध्यम से एक ही स्थान पर 20 तालाबों का निर्माण कराया। स्थानीय ग्रामीण संगठित रूप से इन तालाबों में मत्स्य पालन कर रहे हैं।

माओवादियों और पीएलएफआइ में थी वर्चस्व की जंग

आज से एक दशक पूर्व इस क्षेत्र में प्रतिबंधित संगठन भाकपा (माओवादी) एवं उग्रवादी संगठन पीएलएफआइ वर्चस्व के लिए जमींदारों और आम नागरिकों को बेवजह जान से मार डालते थे। ग्रामीण बताते हैं कि स्थिति ऐसी थी कि लोग रात के अंधेरे की बात तो दूर, दिन के उजाले में भी अपने घरों से बाहर निकलने से डरते थे। अब यह स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है।

पीएलएफआइ से मुकाबले के लिए उठायी थी बंदूक

वर्ष 2007-08 में बसिया-कामडारा में पीएलएफआइ का आतंक सिर चढ़ कर बोल रहा था। इलाके के युवा नक्सलियों के संपर्क में आ रहे थे और संगठन में शामिल होकर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे। ओमप्रकाश साहू तत्कालीन डीसी आराधना पटनायक के संपर्क में आये और नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई के लिए तैयार हुए। उपायुक्त की मदद से स्थानीय लोगों द्वारा बनायी गयी शांति सेना को बंदूक दिलायी गयी। इसी शांति सेना में ओमप्रकाश भी शामिल हुए।

नक्सलवाद खत्म होने के बाद सामने आयी रोजगार की समस्या

परिस्थितियां बदलीं। लोगों ने पुलिस प्रशासन के सहयोग से नक्सलियों और उग्रवादियों के खिलाफ बिगुल फूंका और फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य हो गया। स्थिति सामान्य होने के बाद यहां के लोगों के समक्ष सबसे बड़ी समस्या थी, रोजगार पाने की।

प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना ने बदली तस्वीर

ग्रामीणों का सबसे बड़ा सहारा भारत सरकार की ओर से मछली पालन के क्षेत्र में विकास के लिए शुरू की गयी प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना बनी। इस योजना से जुड़ कर ओमप्रकाश साहू ने ग्रामीणों के सहयोग से मछली उत्पादन शुरू कर अपनी आय में वृद्धि की है।

धान की खेती से अधिक मछली से हो रही है कमाई

ओमप्रकाश साहू बताते हैं कि जितनी आय धान की खेती से नहीं होती, उससे कहीं अधिक मत्स्य पालन कर कमाई हो जाती है। उन्होंने बताया कि जिनके पास खुद का तालाब था, वे तो खेती कर ही रहे थे, जिनके पास तालाब नहीं था, वे सरकारी तालाबों को लीज पर लेकर प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के माध्यम से मत्स्य पालन कर रहे हैं।

रोजगार के लिए अब पलायन नहीं करते लोग

उन्होंने बताया कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए बिना किसी भेदभाव के सामूहिक रूप से मिलकर मछली पालन के माध्यम से रोजगार का एक नया जरिया खोला है। ओमप्रकाश साहू ने बताया कि अब जब नक्सलवाद का दौर खत्म हो चुका है, तो लोगों को रोजगार के लिए पलायन नहीं करना पड़ रहा है।

मजदूरों को गांव में ही मिल गया है रोजगार

प्रदेश के किसी इलाके में मुश्किल से रोजगार मिल भी जाता था, तो जितनी आय नहीं होती थी, उससे अधिक खर्च हो जाता था। अब मजदूरों को पलायन करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि अब गांव में ही उन्हें रोजगार मिल गया है। ओमप्रकाश बताते हैं कि इलाके में अब लोग खुशहाल हो रहे हैं और मछली पालन से उन्हें अच्छी आय हो रही है।

लायंस क्लब ऑफ गुमला ने स्कूली बच्चों के बीच किया छतरी का वितरण

गुमला (आजाद सिपाही)। लायंस क्लब ऑफ गुमला ने स्कूली बच्चों के बीच छतरी का वितरण किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को बारिश के दिनों में भीगने से बचाना और उन्हें स्वस्थ रखना था, ताकि वे अपनी पढ़ाई में ध्यान लगा सकें। लायंस क्लब गुमला ने 25 स्कूली बच्चों के बीच छतरी का वितरण किया। लायंस क्लब के अध्यक्ष लायन मुरली मनोहर प्रसाद ने कहा कि लायंस क्लब सामाजिक स्तर पर सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों की मदद करने का प्रयास किया गया है। उन्होंने सभी समाजसेवियों से अपील की है कि वे बरसात के दिनों में पढ़ने वाले गरीब बच्चों को छतरी उपलब्ध कराने में अपना सहयोग दें। मौके पर रीजन चेयरपर्सन लायन अशोक कुमार जायसवाल, जोन चेयरपर्सन एमजेएफ लायन शंकर लाल जाजोदिया, पूर्व अध्यक्ष लायन महेश प्रसाद गुप्ता, लायन मनमोहन लाल केसरी, लायन बनवारी लाल अग्रवाल, लायन अशोक आनंद लायन शिव कुमार लाल, लायंस क्लब आदि मौजूद थे।

हमारा उद्देश्य मानवीय संवेदनाओं को जीवंत बनाये रखना है : शिशिर गुप्ता

गुमला (आजाद सिपाही)। लायंस क्लब गुमला फैमिली द्वारा 27 जुलाई को गुमला नगर क्षेत्र में जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के बीच छतरी वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। बरसात के मौसम को देखते हुए, सड़क किनारे रह रहे, दिहाड़ी मजदूर, रेहड़ी-पटरी व्यवसायी और वृद्धजनों को इस मौसम की मार से बचाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का आयोजन एक सामाजिक जिम्मेदारी के तहत किया गया, जिससे उन लोगों को राहत मिल सके जिनके पास वर्षा से बचाव के पर्याप्त साधन नहीं हैं। कार्यक्रम में लायंस क्लब गुमला फैमिली के वरिष्ठ पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस पुनीत अवसर पर लायंस क्लब गुमला फैमिली के चार्टर प्रेसिडेंट लायन शिशिर गुप्ता ने कहा कि हमारा उद्देश्य केवल सेवा करना नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को जीवंत बनाए रखना है। छतरी वितरण का यह छोटा प्रयास, उनके लिए एक बड़ी राहत है जो रोजगार की तलाश में या जीवनयापन के संघर्ष में मौसम की मार झेलते हैं। क्लब के सचिव लायन सुमित जाजोदिया ने बताया कि यह पहल ह्यमानव सेवा ही सच्ची सेवा की भावना से की गयी है। लायंस क्लब हमेशा समाज के कमजोर तबकों के उत्थान हेतु तत्पर रहा है और आगे भी ऐसे कार्य होते रहेंगे। लायन शिखा जाजोदिया ने विशेष रूप से महिलाओं एवं वृद्धजनों को प्राथमिकता देते हुए छतरियां वितरित कीं और कहा कि एक महिला के रूप में मुझे यह संतोष है कि यह पहल महिलाओं की सुरक्षा एवं सुविधा दोनों दृष्टिकोण से लाभकारी सिद्ध होगी। क्लब के उपाध्यक्ष लायन अरुण गोयल ने इस कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने में सक्रिय भूमिका निभायी और इस कार्य को आगे भी जारी रखने की बात कही। इस दौरान डॉ. भास्कर शर्मा ने भी कार्यक्रम में भागीदारी निभायी और स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से इस प्रयास को जरूरी बताया।

देवाकी बाबाधाम में 24 घंटे का महारुद्राभिषेक संपन्न

घाघरा (आजाद सिपाही)। देवाकी बाबाधाम मंदिर परिसर में आयोजित 24 घंटे का महारुद्राभिषेक कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति के माहौल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह अनुष्ठान भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष रूप से आयोजित किया गया था, जिसमें श्रद्धालुओं ने पूरी निष्ठा और भावनात्मक उत्साह के साथ भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में विशेष पूजा, वेद मंत्रों का उच्चारण, रुद्रपाठ और विविध धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। श्रद्धालुओं ने जल, दूध, दही, शहद, घी और बेलपत्र से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक कर पुण्य अर्जित किया। इसके बाद श्रृंगार पूजन की गयी। समापन के अवसर पर आरती पूजन कर प्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। मंदिर समिति ने सभी भक्तों को सहयोग और अनुशासन के लिए धन्यवाद दिया और भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों की निरंतरता का संकल्प लिया। वही पुरोहित कल्याण बाबा ने बताया कि उक्त कार्यक्रम धार्मिक और सांस्कृतिक जीवन में एक नई ऊर्जा का संचार करता है और समाज को एकजुट करने का अद्भुत माध्यम बनता है। रुद्राभिषेक से दुख, दरिद्रता, क्लेश मिटता है। भगवान भोलेनाथ का आशीष सब पर बना रहे यही मैं कामना करता हूं। वही इस रुद्राभिषेक पूजन कार्यक्रम को पुरोहित कल्याण बाबा, मधुकर दुबे, आदर्श दुबे, शिखर त्रिपाठी, हर्ष पांडे, अभिषेक शास्त्री, यश शुक्ला शास्त्री, राम इकबाल, लगन दुबे द्वारा पूर्ण करायी गयी। मौके पर समिति के कई सदस्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

ट्रक से टकरायी बेकाबू बाइक, तीन की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

बसिया। थाना मुख्यालय में भीषण सड़क दुर्घटना में तीन युवकों की मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बसिया स्थित एक चाउमीन दुकान में काम करने वाला जीवन थापा, कामडारा थानांतर्गत गरई निवासी रामजीत महतो एवं बसिया निवासी छोटु गोप कोनबीर से ग्लेमर बाइक से बसिया लौट रहे थे इसी दरम्यान अनियंत्रित होकर बसिया मनोज साव के घर के पास सड़क किनारे खड़े एक ट्रक को जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर इतना जोरदार था कि मौके पर ही जीवन थापा और रामजीत महतो की मौत हो गयी। जबकि छोटू गोप गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे तत्काल इलाज के लिए रेफरल अस्पताल बसिया लाया गया, जहां इलाज के क्रम में उसकी भी मृत्यु हो गयी। पुलिस ने तीनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु गुमला भेजने की तैयारी कर रही है। वही दूसरी ओर मृतक के परिजनो का रो रो कर बुरा हाल है जबकि जीवन थापा के परिजन बसिया नही पहुंचे है।

प्रशिक्षण लेकर लौटे राष्ट्रीय हैंडबॉल खिलाड़ी दीपक कुमार का सैयद जुन्नू रैन ने किया स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। 7 जुलाई से 23 जुलाई तक भारतीय खेल प्राधिकरण के तरफ से पटियाला में आयोजित हैंडबॉल प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटे दीपक कुमार का स्पोर्ट्स अकादमी के संचालक सैयद जुन्नू रैन ने जोर शोर से स्वागत किया। स्पोर्ट्स अकादमी के संचालक सैयद जुन्नू रैन ने कहा हमारे गुमला जिला के लिए हैं डबॉल के क्षेत्र में यह उपाधि काफी लाभदायक होगी यहां के बच्चों को सही प्रशिक्षण मिलेगा जिससे वो गुमला जिला साथ ही झारखंड राज्य में हैंडबॉल के क्षेत्र में आगे बढ़ते नजर आयेंगे। नगर उपाध्यक्ष सह समाज सेवी कलीम अख्तर ने बधाई देते हुए कहा कि दिन ब दिन हैंडबॉल के क्षेत्र में गुमला के युवा आगे बढ़ रहे है। वहीं दीपक कुमार के यह उपाधि सोने पर सुहागा हो गया जो काफी लाभदायक साबित होगा इनके उज्ज्वल भविष्य के लिए उनको बधाई देता हूं। साथ ही हफीजुर रहमान जी ने कहा मै एक खेल प्रेमी होने के तहत इस उपाधि से मै बहुत खुश हूं यह बहुत गर्व की बात है क्योंकि यह जो प्रशिक्षण केंद्र है भारतीय खेल प्राधिकरण यह एक अपने में इतिहास है और ऊपर से दीपक कुमार को अ ग्रेड का उपाधि मिला जिससे काफी खुशी जाहिर करता हूं। वही डीएवी पब्लिक स्कूल गुमला के कक्षा 6 के छात्र अम्मार अली ने भी डीएवी क्लस्टर गेम में गोल्ड हासिल किया जिससे स्पोर्ट्स अकादमी ने उनका भी स्वागत किया साथ ही मिठाई खिला कर बधाई दिया। मौके पर अर्शद अली, समाज सेवी कल्लू, सरफराज खान, एजाज अली बधाई देने के लिए स्वागत करने के लिए उपस्थित थे। वही सीनियर खिलाड़ी में विक्रम राज, अरीब आब्दीन, संतोष, शशांक, हर्ष उपस्थित थे।

फुटबॉल टूर्नामेंट में रेंगरी ने डुमरटोली को हराया

आजाद सिपाही संवाददाता

जारी। जारी प्रखंड के जर्मना पारिस मैदान ने 15 अगस्त को लेकर जोड़ा खस्सी फुटबॉल टूर्नामेंट उद्घाटन किया गया। उद्घाटन फा निरंजन एक्का के द्वारा बॉल किक कर किया। वही टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच रेंगारी बनाम डूमरटोली के बीच खेला गया जिसमे रेंगारी ने डुमरटोली को 1 गोल से पराजित किया। मौके पर फा निरंजन एक्का ने सभी खिलाड़ियों को उत्साहित करते हुए कहा कि इस तरह के टूर्नामेंट का आयोजन होने से गांव, पंचायत, प्रखंड व जिला स्तर के युवा खिलाड़ियों को अपने प्रतिभा को दिखाने का अवसर प्राप्त होता है। साथ ही खेल के माध्यम से खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका भी मिलता है।वही खिलाड़ियों को समय की प्रतिबद्धता, अनुशासन ,और खेल भावना के साथ खेलने की आवश्यकता है। साथ ही फादर निरंजन एक्का ने सभी टीमों को शुभकामना देते हुए युवाओं में खेल के प्रति जागरूकता को सकारात्मक दिशा देने की बात कही। मौके पर मुख रूप से अंकित टोप्पो, जीवन लकड़ा, अमित, अर्नेस्ट तिग्गा, संदीप तिग्गा, रोशन टोप्पो, रूडोल केरकेट्टा उपस्थित थे।

भारी बारिश से सड़क टूटी, बच्चे खेतों में उतर कर स्कूल जाने के लिए मजबूर

मदन साहु

सिसई (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के पंडरिया पंचायत अंतर्गत ग्राम लुल्हुवा के प्राथमिक विद्यालय जाने वाली सड़क दो दिन पहले भारी बारिश के कारण टूट गया जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों को बहुत परेशानी उठानी पड़ रही है, बच्चों को खेतों में उतर कर विद्यालय जाना पड़ रहा है। वहीं स्थानीय लोगों ने प्रशासनिक अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पक्की सड़क बनवाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई पहली बार नहीं हुआ है, पूर्व में भी यह जर्जर सड़क कई बार टूट चुका है। बावजूद इसके प्रशासन ने अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया है। बच्चे जान जोखिम में डालकर पानी से भरे खेतों को पार कर स्कूल जाने को मजबूर हैं, न तो यहां कोई पुलिया बनायी गयी है और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गयी है। स्थानीय निवासी नीरज कुमार अधिकारी, पोद्दार चन्द्र अधिकारी, ईश्वर अधिकारी, रामदास लोहरा, दुखन गोप , सधुआ खड़िया और अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द सड़क निर्माण कराने की मांग की है।

आज सिसई में लगेगा एसआइएस का भर्ती कैंप

सिसई (आजाद सिपाही)। प्रखण्ड सह अंचल कार्यालय परिसर में सोमवार को एसआइएस भर्ती कैंप लगाया जायेगा। यह जानकारी एसआइएस कमांडेंट अरुण यादव ने दी। उन्होंने बताया कि 28 जुलाई 2025 दिन सोमवार को सिसई प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में भरती कैंप का आयोजन किया गया है। कैंप में 19 वर्ष से 45 वर्ष के उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। वहीं उन्होंने कहा कि आधिकारिक सेवा में नियुक्ति के लिए उम्मीदवार का शैक्षणिक योग्यता स्नातक पास होना अनिवार्य है। सुरक्षा जवान के लिए 10 वीं पास या फेल एवं सुपरवाइजर के लिए 12 वीं पास होना अनिवार्य है। वहीं अधिक जानकारी के लिए उम्मीदवार भरती कैंप में पहुंच कर सीधे संपर्क कर सकते हैं।

डेवीडीह और उर्रु में सर्पदंश से दो घायल

गुमला (आजाद सिपाही)। जिले के अलग-अलग प्रखंडों में सर्प दंश से दो लोग घायल हो गए। शनिवार के शाम 6 बजे दोनों घायलों को सदर अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। पहली घटना गुमला थाना क्षेत्र के डेवीडीह गांव की है जहां 40 वर्षीय एतवा उरांव खेत से काम कर अपने घर लौट रहा था। तभी रास्ते में पैर के नीचे सांप आ गया। सांप उसके पैर को काटकर तेजी से बिल में घुस गया। जानकारी के मुताबिक एतवा खेत से काम कर घर लौट रहा था रास्ते में पैर हाथ धोने के लिए चूआँ जा रहा था तभी एक सांप उसके पैर को काट लिया। इसके बाद घर आकर उसने कटे हुए स्थान पर तुलसी लगाया। दूसरी घटना कुरूम गढ़ थाना क्षेत्र के उर्रु गांव की है जहां 61 वर्षीय फ्रांसिस टोप्पो अपने घर के आंगन में बाथरूम से निकल रहे थे। तभी एक करेंत सांप उनके पैर के नीचे आ गया। जिसके बाद उसके पैर को डस लिया। वृद्ध सोचा की कुछ नहीं होगा वही गांव के एक व्यक्ति ने गुड में जड़ी बूटी मिलकर उसे खाने के लिए दिया। लेकिन शाम होने तक उसके पैर में तेज लहर व जलन होने लगी। जिसके बाद उसे सदर अस्पताल लाया गया।

भरनो के कांवरियों का जत्था बाबाधाम पहुंचा

भरनो (**आजाद सिपाही**)। रविवार को भरनो स्कूल चौक से कावरियों का एक जत्था बाबाधाम के लिए रवाना हुआ। देवघर के लिए निकलते हुए कांवरियों ने गांव के शिवालय, देवी मंडप और अपने बड़े बुजुर्ग को प्रणाम कर आशीर्वाद लिया। साथ ही गांव, पंचायत और प्रखंड सहित देश की सुख शांति और समृद्धि के लिए बाबा बैद्यनाथ से प्रार्थना करने की बात कही। बाबाधाम जाने वालों में विवेक केशरी, पंकज केशरी, निखिल केशरी, उज्जवल केशरी, सुजल केशरी, विशाल केशरी, महादेव उरांव शामिल है।

सदर अस्पताल पार्किंग से बाइक की चोरी

गुमला (**आजाद सिपाही**)। सदर अस्पताल के सामने पार्किंग से शनिवार की रात 8 बजे एक बाइक की चोरी कर ली गई। पीड़ित अंबेडकर नगर निवासी सुमित कुमार राम ने बताया शनिवार की रात 8 बजे बीमार बच्चे को दिखाने डॉक्टर के पास आया था वही बाइक को कदम पेड़ के नीचे पार्किंग किया था।

प्रथम राज्य स्तरीय लिटिल चैंप्स फुटबॉल प्रतियोगिता का समापन

तीसरे दिन की टक्कर में लातेहार और गुमला बने लिटिल चैंप्स के चैंपियन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य स्तरीय प्रथम लिटिल चैंप्स फुटबॉल प्रतियोगिता का आज बीआईटी मेसरा, रांची में भव्य समापन हुआ। इस अवसर पर पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी एवं झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के सचिव सौरभ तिवारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में बीआईटी मेसरा के कुलपति डॉ. इंद्रनील मन्ना एवं राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी सह आयोजन सचिव धीरसेन ए सोरेंग मंचासीन थे। मुख्य अतिथि सौरभ तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि नन्हे-मुन्ने बच्चों के इस फुटबॉल महाकुंभ ने झारखंड के खेल इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया है। बच्चों में खेल के प्रति जो जोश और अनुशासन देखा गया, वह निश्चित ही भविष्य में राज्य को फुटबॉल की दुनिया में विशेष पहचान दिलाएगा। उन्होंने आश्वस्त किया कि झारखंड राज्य क्रिकेट संघ राज्य में ऐसे आयोजनों के लिए भविष्य में शिक्षा विभाग को हरसंभव सहयोग करेगा।कुलपति डॉ इंद्रनील मन्ना ने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा, ‟झारखंड जिस तरह खनिज संसाधनों के लिए प्रसिद्ध है, उसी प्रकार वह अब प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की धरती के रूप में भी जाना जायेगा। प्रतियोगिता में राज्य भर से आए कुल 576 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें बालक और बालिका दोनों वर्गों में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर मुख्य अतिथि सौरभ तिवारी पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी सह सचिव झारखंड राज्य क्रिकेट संघ, कुलपति बीआइटी मेसरा इंद्रनील मन्ना एवं राज कार्यक्रम पदाधिकारी धीरसेन सोरेंग ने संयुक्त रूप से प्रदान किये।

खटाल की आड़ में चल रहे नकली मिनी शराब कारखाने का भंडाफोड़

ब्रांडेड कंपनियों की 70 पेटी नकली शराब जब्त, बिहार भेजने की थी तैयारी

मकान मालिक को हिरासत में लेकर पूछताछ में जुटी पुलिस

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। पुलिस ने लोदना मोड़ में रविवार को छापामारी कर मिनी अवैध शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान मौके से डेढ़ ड्राम कच्चा स्प्रिट और 70 पेटी ब्रांडेड कंपनी के नकली शराब जब्त किया गया है। साथ ही ब्रांडेड कंपनी के खाली बोतल, रैपर और पंचिग मशीन भी जब्त की गयी है। इस दौरान मौके से सीताराम यादव नामक एक व्यक्ति को भी हिरासत मे लेकर पूछताछ शुरू की गयी है। लगे हाथ पुलिस धंधेबाज विजय और दिलीप यादव की तलाश में जुटी है। हालांकि शराब जब्ती के मामले में फिलहाल पुलिस कुछ भी बताने से इनकार कर रही है। सूत्रों की मानें तो सीताराम के खटाल स्थित एक मकान में कई महीनों से नकली शराब बनाने का धंधा चल रहा था। जिसकी भनक लगते ही झरिया थाना के इंस्पेक्टर शशीरंजन कुमार दल बल के साथ छापामारी करने पहुंच गये। हालांकि पुलिस के लोदना मोड़ पहुंचने की खबर से ही उक्त घर को बंद कर दिया गया, जिसमें शराब बनाने का धंधा चल रहा था। पर पुलिस ने मकान मालिक सीताराम से उस घर की चाभी मांगी। दरवाजा खोलने के बाद देखा कि भारी मात्रा में ब्रांडेड कंपनी का शराब तैयार कर कार्टून में बंद कर रखा गया था। वहीं रैपर, पंचिग मशीन भी पास ही पड़े मिले। उधर, स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि यहां रात के अंधेरे मे नकली शराब का निर्माण किया जा रहा था। रात होते ही बाहरी कुछ लोग यहां आते थे। घर में घूसते ही अंदर से दरवाजा बंद कर दिया जाता था। शराब बनाने के बाद अहले सुबह ही सभी चले जाते थे। बता दें कि तीन साल पहले भी झरिया पुलिस ने बर्फकल के पास छापामारी कर अवैध शराब की मिनी फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया था।

जब्त शराब को ले जाती पुलिस।

बिहार में खपयी जाती थी नकली शराब

धंधेबाज यहां बनी नकली शराब धनबाद और झरिया के अलावा बिहार के जमुई, नवादा, गया एवं औरंगाबाद के अलावा कई अन्य जिलों में नकली शराब खपा रहे थे। जब्त शराब को भी बिहार में खपाने की तैयारी थी। रविवार की रात को ही वाहन के माध्यम से इस शराब को बिहार जाना था। लेकिन उससे पहले पुलिस को भनक लग गयी और छापामारी कर उसे जब्त कर लिया गया। बताया जा रहा कि धंधेबाज विजय और दिलीप बिहार के जमुई के ही रहने वाले है। इस कारण उन्हें शराब खपाने में आसानी होती थी। इस बाबत झरिया थाना के इंस्पेक्टर शशीरंजन कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी कर बड़े पैमाने पर नकली शराब जब्त की गयी है। हालांकि धंधेबाज फरार हो गये हैं। उनको पकड़ने के लिए लगातार छापामारी की जा रही है।

राष्ट्रपति के आगमन को लेकर प्रशासन अलर्ट

धनबाद में दो अगस्त तक अधिकारियों-कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। आइआइटी आइएसएम के दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन युद्ध स्तर पर तैयारी कर रहा है। एक अगस्त को यहां राष्ट्रपति दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। इसके साथ राज्यपाल और मुख्यमंत्री हेमंतसोरेन भी शामिल होंगे। कार्यक्रम को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी सरकारी अफसर और कर्मचारियों की छुट्टी रविवार से आगामी दो अगस्त तक रद्द कर दी है। अब विशेष परिस्थिति में ही अधिकारी और कर्मचारियों को छुट्टी मिल पाएगी। सभी सरकारी कार्यालय में छुट्टी लेने के लिए जिला प्रशासन की अनुमति ली जाएगी। डीसी के निर्देश के बाद ही छुट्टी के लिए अनुमति मिल पाएगी।

अस्पतालों में अलर्ट रहेंगे डॉक्टर-कर्मचारी

31 जुलाई से दो अगस्त तक शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल और सदर अस्पताल में डॉक्टर और कर्मचारियों को अलर्ट किया गया है। दोनों अस्पताल के इमरजेंसी में जीवन रक्षक दवा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने को कहा गया है। इसके साथ ही दोनों जगह पर एंबुलेंस अलर्ट मोड पर रहेंगे। स्टील गेट से लेकर मेडिकल कॉलेज के रास्ते तक एक भी फुटपाथी दुकान नहीं रहेंगे। उधर, स्वास्थ्य विभाग ने भी अपने डॉक्टर और कर्मचारियों को अलर्ट जारी किया है। अस्पताल में समय पर पहुंचने और ड्रेस कोड में आने को कहा गया है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए क्विक रिस्पांस टीम तैनात रहेगी। इसमें डॉक्टर के अलावा प्रशिक्षित कर्मचारी भी रहेंगे। इससे पहले तीन निजी अस्पतालों से कार्डियोलॉजिस्ट और कार्डियक एम्बुलेंस लिए गए हैं। एक राष्ट्रपति, दूसरा राज्यपाल और तीसरा मुख्यमंत्री के लिए कार्डियोलॉजिस्ट और कार्डियक एम्बुलेंस तैनात होंगे।

साइकिलिंग व्यायाम ही नहीं, स्वस्थ जीवन और पर्यावरण के लिए भी जरूरी: कमांडेंट

- 'खेलो इंडिया' और 'फिट इंडिया' पहल के तहत सीआइएसएफ ने निकाली साइकिल रैली

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआइएसएफ) की बीएसएल इकाई की ओर से 'खेलो इंडिया' योजना और 'फिट इंडिया' पहल के तहत रविवार को साइकिल रैली का आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य जवानों और अधिकारियों में फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं स्वास्थ्यपूर्ण जीवनशैली को प्रोत्साहित करना था। रैली में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सभी रैंकों के कार्मिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। साइकिल यात्रा के दौरान संयंत्र और पास के क्षेत्र में फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ समादेष्टा मोहम्मद नैयर आजम खान ने साइकिल चलाने के लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि साइकिल चलाना केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह शारीरिक स्वास्थ्य के साथ ही मानसिक स्फूर्ति को भी बढ़ावा देता है। उन्होंने सभी कार्मिकों को दैनिक जीवन में साइक्लिंग को अपनाने और इसे एक आदत बनाने के लिए प्रेरित किया।

श्री साईं अस्पताल में हुआ मॉक ड्रिल

आइइएल (आजाद सिपाही)। गोमिया श्री साईं अस्पताल में रविवार को सभी नर्सिंग स्टाफ एवं कर्मी के समक्ष तेनुघाट के अग्निशमन पदाधिकारी अखिलेश पासवान एवं राजेश कुमार वर्णवाल के नेतृत्व में मॉक ड्रिल किया गया। जिसमें संबंधित दुर्घटना या एलपीजी गैस तैलीय पदार्थ लीक होने के वजह से आग लगने या विस्फोट होने पर आग लगने के बाद बचाव को लेकर प्रशिक्षित किया गया। इस मौके पर अचानक आग लगने की घटना होने पर अग्निकांड से बचने एवं नुकसान रोकने के लिए अग्निशमन विभाग के अधिकारी अखिलेश पासवान द्वारा मॉक ड्रिल कर दिखाया गया। साथ ही आग बुझाने के तरीकों को समझाया गया। बताया गया कि किस तरीके से प्रयास करने पर आग पर जल्द काबू पाया जा सकता है। आग लगने जैसी आपातकालीन स्थिति में दमकल विभाग के हेल्प लाइन नंबर 101 और 112 पर कॉल करके सूचना देने, धैर्य से काम लेने को कहा गया। इस प्रायोगिक अभ्यास में नर्स स्टाफ सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अग्नि सुरक्षा संबंधी दिशा-निदेर्शों को गंभीरता से सुना और खुद भी आग बुझाने के यंत्र का प्रयोग कर इसका अभ्यास किया। इस अवसर पर सांई अस्पताल गोमिया के स्टाफ आदि मौजूद थे।

नेताजी आई अस्पताल में थरमस-पानी का वितरण

धनबाद (आजाद सिपाही)। समाज सवियों ने दानदाताओं के सहयोग से पुरुलिया जिले के रामचंद्रपुर स्थित नेताजी आई अस्पताल में मरीजों के लिए 40 थरमस और पानी की बोतलें वितरित की। बतातें चलें कि उक्त अस्पताल में गरीब और जरूरतमंद लोगों के आंखों का इलाज और मोतियाबिंद का ऑपरेशन लेंस सहित निःशुल्क किया जाता है। इसमें झारखंड और पश्चिम बंगाल के मरीज इलाज के लिए आते हैं। इस मौके पर रॉबिन चटर्जी, अजय चौधरी, दिलीप चौधरी, अमित कुमार, नयन विश्वास, तपन चक्रवर्ती, प्रणब कुमार दास, संदीप घोष, राजेश कुमार और नीलकमल खवास आदि उपस्थित थे।

महिला मंडली ने की जोरापोखर में अवैध लॉटरी की बिक्री पर रोक लगाने की मांग

झरिया/जोड़ापोखर (आजाद सिपाही)। वीर अब्दुल हमीद फाउंडेशन महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष शहजादी खातून के नेतृत्व में महिला मंडली ने रविवार को जोरापोखर थाना प्रभारी से मिलकर शिकायत पत्र सौंपा। जिसमें अवैध लॉटरी टिकटों की बिक्री पर रोक लगाने एवं लॉटरी संचालक तनवीर अंसारी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गयी। महिलाओं ने प्रभारी से कहा कि लॉटरी विक्रेता भोले-भाले लोगों को रातोंरात लखपति-करोड़पति बनाने का लालच देकर अवैध लॉटरी टिकटों की खरीद-बिक्री करवा कर उनकी मेहनत की गाढ़ी कमाई को खुद हड़क पर मालामाल हो रहे है। जबकि लखपति-करोड़पति बनने के चालत में गरीब अपना सब कुछ लुटाकर बर्बाद हो रहे हैं। वहीं, इससे झारखंड सरकार को भी राजस्व का नुकसान हो रहा है। उधर, थाना प्रभारी ने महिलाओं की मांग पर आश्वासन दिया कि जांच कर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर महिला नेत्री ने कहा कि जामाडोबा बड़कीटांड के निवासी तनवीर अंसारी बड़े पैमाने पर प्रतिबंधित और नकली लॉटरी टिकटों की जोरापोखर अंचल के भौंरा, जयरामपुर, लोदना, डिगवाडीह, भागा, फुसबंगला, झरिया, पाथरडीह और नुनूडीह आदि क्षेत्रों में बेचा जा रहा है। जिसे खरीद कर लोग बर्बाद हो रहे हैं। मालूम हो कि पिछले वर्ष लॉटरी टिकट विक्रेता की मिली शिकायत के बाद निवर्तमान थानेदार ने अभियान चलाकर जामाडोबा से करीब छह बोरों में भरकर रखे अवैध लॉटरी टिकटों को जब्त किया था। साथ ही तनवीर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई भी की गई थी। पर थानेदार के स्थानांतरण होते ही तनवीर ने फिर से क्षेत्र में अवैध लॉटरी टिकटों के कारोबार को फैलाना शुरू कर दिया है। महिलाओं ने कहा कि पुलिस ने अवैध लॉटरी टिकटों की बिक्री पर रोक नहीं लगाई तो महिला मोर्चा अवैध लॉटरी के खिलाफ सड़कों पर उतर कर आंदोलन करने को बाध्य होगी। इस मौके पर रेखा देवी, गिरजा देवी और सावित्री देवी आदि उपस्थित रहीं।

धनबाद एनजीओ एसोसिएशन का असर्फी अस्पताल में सावन मिलन का आयोजन

धनबाद (आजाद सिपाही)। धनबाद एनजीओ एसोसिएशन की ओर से रविवार को असर्फी अस्पताल के सभाकक्ष में सावन मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता पिंकी गुप्ता और संचालन पप्पू पंडित ने किया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि ज्ञान विज्ञान समिति के उपाध्यक्ष प्रो हेमंत जयसवाल, के अलावा विशिष्ट अतिथि नयन प्रकाश सिंह असर्फी चैरिटेबल ट्रस्ट के अलावा श्वेता किन्नर, विभा रानी सिंह और बाबी पांडेय भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरूआत पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इसके बाद सावन से जुड़े कविता पाठ ममता बनर्जी ने किया। एनजीओ से जुड़े क्वीज गणेश शर्मा, भारतनाट्यम नृत्य रिद्धि-सिद्दी ने किया। इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक सत्यजीत सोनू, मिशन हैप्पी धनबाद के एजाज अली, धनबाद कोचिंग एसोसिएशन के मनोज सिंह, बिरसा मुंडा स्काउट एंड गाइड, भारत ज्ञान विज्ञान समिति, इनाम सेवा संस्थान, मुस्कान एक प्रयास, पंख एक नई दिशा चैरिटेबल ट्रस्ट, सलिम फाऊंडेशन फिरदौस खान, नेहा सिंह, मुस्कान आदि थे।

कथारा ओपी पुलिस ने चिपकाया इश्तिहार

कथारा (आजाद सिपाही)। ओपी थाने की पुलिस एवं शस्त्र बल के जवान ने प्राथमिक अभियुक्त आमिर साईं के खेतको गांव के पारटांड टोला स्थित उनके आवास पर जाकर रविवार को इश्तिहार चिपकाया। इस दौरान ओपी थाना के एएसआई कृष्ण नंदन पाठक, शस्त्र बल के जवान अमरुजामा, सचिन उरांव आदि मौजूद रहे।

सीआरपीएफ ने समारोहपूर्वक मनाया 87वां स्थापना दिवस

बोकारो (आजाद सिपाही)। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 26वीं वाहिनी के तत्वावधान में चास में 87वां स्थापना दिवस रविवार को उत्साह के साथ मनाया गया। समारोह की शुरूआत 'खेलो इंडिया स्कीम' और 'फिट इंडिया मूवमेंट' के तहत साइकिल रैली से हुई, जिसमें बल के अधिकारियों और जवानों ने भाग लिया। रैली का उद्देश्य लोगों को कस्वस्थ भारत' का संदेश देना था। इसके बाद द्वितीय कमान अधिकारी प्रकाश चंद्र बादल ने मुख्यालय स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों को श्रद्धांजलि दी और क्वार्टर गार्ड में सलामी लेकर कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत की। इस अवसर पर आयोजित सैनिक सम्मेलन में उन्होंने बल के ऐतिहासिक योगदान, देश की आंतरिक सुरक्षा में सीआरपीएफ की भूमिका और बल के आदर्शों की चर्चा की। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का ध्येय संविधान को सर्वोपरि रखते हुए, विधि व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा बनाए रखना है ताकि राष्ट्र की एकता और सामाजिक समरसता बनी रहे। संध्याकाल में वॉलीबॉल मुकाबले का आयोजन किया गया, जिसमें सभी कंपनियों के जवानों ने हिस्सा लिया। विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद सभी जवानों और अधिकारियों के लिए बड़े खाने (कम्युनिटी डिनर) का आयोजन कर समारोह का समापन किया गया। इस समारोह में द्वितीय कमान अधिकारी प्रकाश चंद्र बादल, उप कमांडेंट प्रतिभा यादव, वरीय चिकित्सा अधिकारी डॉ ऋषभ शेखर आदि उपस्थित रहे।

मनायी गयी स्व राम परीखा राम की 14वीं पुण्यतिथि

झरिया/जोड़ापोखर (आजाद सिपाही)। राम परीखा मेमोरियल सोसायटी के तत्वाधान में रविवार को डिगवाडीह रूप निवास में समाजसेवी दिवंगत राम परीखा राम की 14वीं पुण्यतिथि मनायी गयी। इसमें उपस्थित लोगों ने स्व राम पारीख राम की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। सर्वप्रथम उनके पुत्र मदन राम, पुत्रवधू रूपाली देवी, पोत्र तेजस चंद्रवंशी और रितिका चंद्रवंशी ने पुष्प अर्पित कर नमन किया। साथ ही उनके जीवन के संघर्षो को याद किया। इस मौके पर कार्तिक तिवारी, जितेंद्र पासवान, झारखंड कलवारी मजदूर यूनियन के सपन बनर्जी, झामुमो नेता शमशाद, आशीष सिंह, झामुमो नेता फरीद मल्लिक, झरिया नगर अध्यक्ष झामुमो संगठन सचिव जोगिंदर हरि, झामुमो सचिव झरिया नगर दिलीप महतो, भीम हसदा, कुशवाहा समाज के जिला अध्यक्ष लाल बाबू सिंह, कुशवाहा राजकुमार सोनकर, अरुण चंद्रवंशी, अमेरिक सिंह, गुरुद्वारा प्रधान आदित्य नारायण दिनेश खरवार, आम आदमी पार्टी के महेंद्र सिंह, राजेश कुमार, जितेंद्र यादव, विनोद चंद्रवंशी, सुनील कर, रामनारायण राय, मुन्ना खरवार, दिनेश खरवार, सब शेख, महफूज आलम, अनवर अंसारी, बादशाह खान, शमशाद अंसारी, शमशाद खान, संजय पांडे, जसीम अंसारी, शकीला बानो, दिलीप साहू, बुलाई सिंह और आदित्य नारायण राव आदि ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

डीसी ने किया अंगवाली-बेहरागोड़ा के जर्जर सड़क का निरीक्षण

अंगवाली-बेहरागोड़ा नहर की जर्जर सड़क को जल्द किया जायेगा दुरुस्त : उपायुक्त

आजाद सिपाही संवाददाता

पिछरी/बेरमो। पेटरवार प्रखंड के अंगवाली बेहरागोड़ा नहर सड़क की जर्जर हालत का बोकारो डीसी अजय नाथ झा ने खुद निरीक्षण किया। बतातें चलें कि कुछ दिन पहले अंगवाली-बहरागोड़ा के ग्रामीणों ने सोशल मीडिया के जरिए डीसी से इसकी शिकायत की थी। जिसे संज्ञान में लेते हुए बोकारो डीसी दिल्ली प्रवास से लौटकर सीधे पेटरवार प्रखंड के अंगवाली बेहरागोड़ा नहर की सड़क पर पहुंचे और निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ जिला प्रशासन की एक टीम भी मौजूद थी। निरीक्षण के क्रम में डीसी ने मौके पर ही सड़क निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता आरसीडी/बांध प्रमंडल तेनुघाट को अविलंब सड़क निर्माण की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया। बांध प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि यह सड़क आरसीडी को हैंड ओवर होने की प्रक्रिया अंतिम चरण में हैं। जबकि आरसीडी के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि जल्द ही यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। सड़क का डीपीआर तैयार कर स्वीकृति के लिए मुख्यालय भेजा गया गया है। इस पर डीसी ने अब तक की गई कार्रवाई से संबंधित दस्तावेज जल्द उपलब्ध कराने को कहा। वह अपने स्तर से इसमें तेजी लाने के दिशा में काम करेंगे। डीसी ने मौके पर उपस्थित दोनों कार्यपालक अभियंता को जिले में जिन-जिन स्थानों पर सड़कें जर्जर स्थिति में हैं, उनकी एक समेकित सूची दो दिनों के भीतर तैयार कर जिला को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, ताकि प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत और निर्माण कार्य आरंभ किया जा सके। साथ ही बांध प्रमंडल को नहर की नियमित सफाई और आस-पास की झाड़ियों एवं गंदगी को हटाने का भी निर्देश भदिया। निरीक्षण के दौरान डीसी ने स्थानीय ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। अंगवाली दक्षिणी और अंगवाली पश्चिमी पंचायत के ग्रामीणों ने पीड़ा साझा करते हुए बताया कि वर्षों से यह मार्ग उपेक्षित रहा है, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों, मरीजों, बुजुर्गों एवं आम राहगीरों को भारी दिक्कत होती है। इस पर डीसी ने उन्हें आश्वस्त किया कि वे यहां केवल निरीक्षण के लिए नहीं, बल्कि समस्याओं को सुनकर उसका समाधान करने आये हैं। कहा कि यह सड़क बहुत जल्द दुरुस्त की जाएगी। यह सड़क तेनुघाट बेरमो अनुमंडल अंतर्गत अंगवाली से लेकर बेहरागोडा नहर वाला रास्ता जो बोकारो शहर से जोड़ती हैं जो लगभग दो किलोमीटर तक सड़कों में केवल गड्ढे ही गड्ढे हैं। जिसकी खराब हालत के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

भेंडरा में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन

नावाडीह/बेरमो (आजाद सिपाही)। भेंडरा के योगेंद्र नगर स्थित प्रशिक्षण सह उत्पादन केंद्र में स्वच्छता पखवाड़ा 16 से 31 जुलाई के अवसर पर जन शिक्षण संस्थान की ओर से रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें महिलाओं एवं प्रशिक्षुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण पर आधारित रंगोली बनाकर जागरूकता के रंग बिखेरे। प्रतिभागियों ने अपनी रंगोली कला के जरिए साफ-सफाई, पौधे लगाओ-जीवन बचाओ, डस्टबिन का सही उपयोग करें, गीला-सूखा कचरा अलग करें, जैसे प्रेरणात्मक संदेशों को खूबसूरती से उकेरा। प्रतियोगिता का उद्देश्य न केवल प्रतिभागियों की रचनात्मकता को बढ़ावा देना था, बल्कि स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता भी फैलाना था। रंगोली में 'स्वच्छ भारत, सुंदर भारत, 'कचरा अलग करें - गीला और सूखा', और 'स्वास्थ्य है तो जीवन है' जैसे प्रेरक संदेशों को रंगों के माध्यम से जीवंत रूप दिया गया। इस अवसर पर भेंडरा मुखिया नरेश कुमार विश्वकर्मा, प्रशिक्षिका नीतू देवी और पुष्पा देवी उपस्थित रहीं। उन्होंने प्रतिभागियों की रचनात्मकता और सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी जागरूकता की सराहना की। कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ भारत मिशन और हरित भारत अभियान को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम ने यह स्पष्ट किया कि रचनात्मक अभिव्यक्ति के माध्यम से भी सामाजिक बदलाव की नींव रखी जा सकती है।

आजाद सिपाही
रांची, सोमवार, 28 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

चीफ जस्टिस बीआर गवई बोले

फिर से पहले वाला कश्मीर बनाना होगा

आजाद सिपाही संवाददाता

श्रीनगर। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने रविवार को एसकेआईसीसी में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा के उत्तरी क्षेत्रीय सम्मेलन में देशभर के न्यायाधीशों और अधिवक्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कविता के जरिए कहा कि धरती पर कहीं स्वर्ग है तो यहीं है। उन्होंने कहा कि इसे फिर से पहले वाला कश्मीर बनाना होगा जहां सभी समुदाय सद्भाव से रहते थे। साथ ही लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ज्ञान के बिना अधिकार बेकार हैं।

अधिकारों की वास्तविकता के लिए जागरूकता जरूरी

उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों और वकीलों को मिलकर देश के अंतिम नागरिक के लिए न्याय सुनिश्चित करना होगा। नालसा इसी दिशा में काम करता है, और हम नालसा के काम को देश के दूरदराज के इलाकों तक ले जाने का प्रयास करते हैं - चाहे वह लद्दाख हो, पूर्वोत्तर हो या राजस्थान। जब तक लोगों को अपने अधिकारों का ज्ञान नहीं होगा, तब तक अधिकारों का कोई मतलब नहीं है।

नालसा का दूरदराज के अंतिम नागरिक तक न्याय पहुंचाने का कार्य : पिछले 35 वर्षों में कश्मीर की स्थिति का स्पष्ट रूप से उल्लेख करते हुए, मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि कुछ विसंगतियां रही हैं जिन्हें दूर करने की आवश्यकता है। न्याधीशों और वकीलों के बीच यह संवाद एक नया दृष्टिकोण प्रदान करेगा।

नालसा को यह सुनिश्चित करने का अपना कार्य जारी रखना चाहिए कि देश के सबसे दूरस्थ क्षेत्र के अंतिम निवासी को संविधान में निहित न्याय मिले।उन्होंने कहा, ₹देश के संविधान के माध्यम से, हमने खुद से न्याय का वादा किया है, राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक। हमारा दायित्व है कि न्याय को उसकी सच्ची भावना के अनुसार लागू किया जाए। कानूनी बिरादरी को संविधान के सच्चे मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए।

बाबासाहेब बीआर अंबेडकर ने एक व्यक्ति, एक वोट के माध्यम से राजनीतिक न्याय स्थापित किया, वहीं सामाजिक विभाजन और एक विभाजन से दूसरे विभाजन में जाने की कठिनाई के बारे में भी बात की।

यहां का सूफीवाद संविधान में निहित धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देता है : जम्मू-कश्मीर और लद्दाख की अपनी पिछली यात्राओं को याद करते हुए, मुख्य न्यायाधीश गवई ने कहा कि उन्हें दोनों केंद्र शासित प्रदेशों के लोगों से अपार प्रेम और स्नेह मिला है। मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं अपने गृहनगर आ गया हूं।

मुझ पर बरसाए गए सभी प्रेम और स्नेह के लिए मैं आभारी हूं। मैं जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के सभी हिस्सों में गया हूं। यहां की सूफीवाद की परंपरा भारत के संविधान में निहित धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देती है। सभी धर्मों के लोग यहां दरगाहों, मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों पर आते हैं।

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर परिसर में भगदड़, आठ मरे

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिद्वार। हरिद्वार में मनसा देवी मंदिर परिसर में रविवार को भगदड़ से आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गयी, जबकि 29 अन्य घायल हो गये। भगदड़ की घटना मंदिर के अंदर किसी के फिसल कर गिरने के कारण हुई, न कि बिजली का तार टूटने की अफवाह की वजह से। हरिद्वार जिला प्रशासन का कहना है कि वह अफवाह फैलाने वाले एंगल से भी घटना की जांच करेगा। हरिद्वार के जिला मजिस्ट्रेट मयूर दीक्षित ने कहा कि प्रथम दृष्ट्या ऐसा प्रतीत होता है कि टूटे तारों में बिजली प्रवाहित होने की अफवाह के बाद भगदड़ मची। हमें तस्वीरों और वीडियो की जांच से पता चला है कि किसी ने बिजली का तार टूटने की अफवाह फैलायी थी।

हालांकि मृतकों और घायलों के शवों को देखने के बाद तार टूटने के संकेत नहीं मिले हैं। घटनास्थल पर कुछ टूटे तार पाये गये हैं, जिससे पता चलता है कि कुछ लोग सीढ़ियों को पकड़ कर ऊपर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे।

घटना सुबह करीब नौ बजे हुई। रविवार होने के कारण बच्चों और महिलाओं सहित श्रद्धालुओं की भारी भीड़ एक संकरी सीढ़ी से मंदिर की ओर जा रही थी। राज्य आपदा प्रबंधन केंद्र ने बताया कि हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जबकि 23 अन्य को मामूली चोटें आयी हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार के जिला अस्पताल का दौरा किया और घायलों से मुलाकात की। कुछ घायलों को उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है।

राष्ट्रपति-पीएम मोदी ने दुख जताया: मनसा देवी मंदिर में हुई भगदड़ में श्रद्धालुओं की मौत पर राष्ट्रपति द्रौपदी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

ऑडिट में खुलासा : 500 रुपये के लिए भैया बने लाडकी बहन

14,298 पुरुषों ने खुद को महिला बता कर महाराष्ट्र सरकार से 21.44 करोड़ ठगे

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में आर्थिक रूप से वंचित महिलाओं के लिए बनायी गयी लाडकी बहन योजना के तहत 14,000 से ज्यादा पुरुषों ने धोखाधड़ी से पैसे लिये। महिला एवं बाल विकास विभाग के एक ऑडिट में यह खुलासा हुआ है। 14,298 पुरुषों को 21.44 करोड़ रुपये दिये गये, जिन्होंने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में हेराफेरी की और खुद को महिला बता कर रजिस्टर करा लिया। यह खुलासा योजना शुरू होने के लगभग 10 महीने बाद हुआ।

2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले शुरू की गयी यह योजना, भाजपा के नेतृत्व वाले और शिवसेना व राकांपा के महायुति गठबंधन के लिए वोटर्स को लुभाने का जरिया थी। इस योजना के तहत 21 से 65 साल की उम्र की उन महिलाओं को 1500 रुपये हर महीने दिये जाते हैं, जिनके परिवारों की सालाना कमाई 2.5 लाख रुपये से कम है।

स्कैम के खुलासे के बाद डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा कि लाडकी बहन योजना गरीब महिलाओं की मदद के लिए शुरू की गयी थी। हम उन्हें दिया पैसा वसूल करेंगे। अगर वे सहयोग नहीं करते हैं, तो आगे कार्रवाई होगी।

जून 2025 से 26.34 लाख अपात्र निलंबित

महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग ने सभी आवेदनों की पात्रता की पुष्टि के लिए सभी विभागों से जानकारी मांगी थी। उसके मुताबिक लगभग 26.34 लाख लाभार्थी अपात्र होने के बावजूद योजना का लाभ उठा रहे हैं। इस जानकारी के आधार पर जून 2025 से इन 26.34 लाख आवेदकों के लिए लाभ अस्थायी रूप से निलंबित कर दिये गये हैं। योजना के लगभग 2.25 करोड़ पात्र लाभार्थियों को जून 2025 के महीने का पैसा भेजा गया है।

महिला बाल विकास के ऑडिट की बड़ी बातें : महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की इसी रिपोर्ट के मुताबिक फर्जी रजिस्ट्रेशन के कारण योजना को पहले ही साल में 1640 करोड़ का नुकसान हुआ है।

सबसे बड़ा दुरुपयोग 7.97 लाख से ज्यादा महिलाओं के एक ही परिवार से तीसरी लाभार्थी के होने से हुआ। योजना में स्पष्ट रूप से प्रति परिवार केवल 2 महिलाओं को लाभ देने की सीमा है। इस नियम के उल्लंघन से सरकारी खजाने को 1196 करोड़ रका नुकसान हुआ।

एक और अनियमितता यह है कि 65 साल से ज्यादा उम्र की 2.87 लाख महिलाओं को लाभ मिल रहा है, जबकि एज लिमिट निर्धारित है। इन लाभार्थियों के कारण लगभग 431.7 करोड़ का नुकसान हुआ।

इसके अलावा, चार पहिया वाहन रखने वाले परिवारों की 1.62 लाख महिलाएं भी लाभार्थी सूची में शामिल पाई गईं। योजना की शर्तों के अनुसार, ऐसी महिलाएं वित्तीय सहायता की पात्र नहीं हैं।

मेरठ में ड्रोन को देखते ही युवक ने छत पर चढ़कर कर दी फायरिंग

आजाद सिपाही संवाददाता

मेरठ। परतापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत एक दर्जन गांवों में रविवार रात संदिग्ध ड्रोन दिखायी दिये। ड्रोन को देख खानपुर गांव में एक युवक ने उस पर फायरिंग कर दी। इसके बाद ड्रोन चला गया। पुलिस ने गांव में कांबिंग कर ड्रोन एवं उन्हें चलाने वालों की तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। कई गांवों में ड्रोन दिखने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

परतापुर के घोपला, गगोल, काशी, गून, भूड़बराल, महरौली, खानपुर, गोठड़ा, घाट, बराल परतापुर सहित एक दर्जन गांवों में रविवार रात संदिग्ध ड्रोन दिखाई दिए। ग्रामीणों ने 112 एवं थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ड्रोन एवं उन्हें उड़ाने वालों की तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी।

वहीं खानपुर गांव में ड्रोन देखने के बाद एक युवक ने छत पर खड़े होकर ड्रोन पर शॉट गन से फायरिंग कर दी। इसके बाद ड्रोन जंगल की ओर चला गया।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**